

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 31]

मई विल्ली, शनिवार, अगस्त 2, 1975 (श्रावण 11, 1897)

No. 31]

NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 2, 1975 (SRAVANA 11, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग Ш-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

'उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा अप्योग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा आरी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय खनिज विभाग

नागपूर, दिनांक

1975

सं०-ए०-19011(126)/75-स्था० ए०—भारतीय खनिज भाग के भा० सां० से० के ग्रेड-IV ग्रधिकारी तथा सहायक खनिज पैशास्त्री श्री डी० शिव प्रसाद ने नियोजन ग्रौर प्रशिक्षण महा-देशालय (श्रम मंत्रालय) में भा० सां० से० के ग्रेड-III में ख्यिकी श्रधिकारी के रूप में पदोन्नति हो जाने पर 21 जून, 975 के ग्रपराह्म से इस विभाग में सहायक खनिज श्रथंशास्त्री के का कार्यभार छोड़ दिया है।

ए० के० राधवाचारी प्रवर प्रशासन श्रधिकारी **कृते** नियंत्रक पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय नई दिल्ली-1, दिनांक जून 1975

> कें० एल० कोहली उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1975

सं० ए०-17011/90/75-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) श्री सुकुमार सोम को दिनांक 22-5-75 के पूर्वाह्म से ग्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक मद्रास

(6215)

निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त किया है।

श्री सोम ने दिनांक 13-5-75 के पूर्वाह्न को पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड-II) का पदधार छोड़ दिया श्रीर 22-5-75 (पूर्वाह्म) को मद्रास निरीक्षण मंडल में सहायक निरीक्षण श्रधिकारी (इंजी०) का पदभार संभान लिया।

> के० एल० कोहली उप-निदेशक (प्रशासन)

भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय कलकत्ता-13, दिनांक 9 जून 1975

> सं० 4-88/73-स्थापना-भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के निदेशक डा० (श्रीमती) डी० डंडा को 30 मई, 1975 के पूर्वाह, से, अगले आदेशों तक, तदर्थ आधार पर, सहायक मानविक्जानी (संस्कृति) के पद पर इस सर्वेक्षण के नागपुर में, मध्य भारत स्टेशन पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> > सी० टी० थामस वरिष्ठ प्रशासनिक भ्रधिकारी

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

भई दिल्ली, दिनांक 25 जून 1975

सं० ए-31014/4/74-एस-छ:---महानिदेशक श्राकाशवाणी, निम्नलिखित श्रधिकारियों को उनके नामों के श्रागे लिखी तिरि से श्राकाशवाणी में मौलिक क्षमता में श्रोतृगण अनुसंधान अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त करते हैं :---

- ऋम सं०	नाम		वर्तमान तैनाती	— — — — — — — — — — — — — — — — — — —	मूल रूप से निय् की तिथि
(1)	श्री जे० पी० गुप्ता .		श्रोतृगण श्रनुसंधान श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, लखनक	श्रोत्गण श्रनुसंधान ग्रधिकारी, ग्राकाशवाणी, कलकत्ता	20-5
(2)	श्री एस० बी० हिवाएले .	•	श्रोतृगण ग्रनुसंधान ग्रधिकारी, ग्राकाशवाणी, वस्बई	श्रोतृगण श्रनुसंधान श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, जयपुर	20-5
(3)	श्री बी० भ्रार० चलापति राव	,	श्रोतृगण श्रनुसंधान ग्रधिकारी, दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली	श्रोतृगण स्रनुसंधान श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, हैदराबाद	2 3-l
(4)	श्रीबलदेविमिश्र	٠	श्रोतृगण ग्रमुसंधान ग्रधिकारी, श्राकाशवाणी, कटक	श्रोतृगण प्रनुसंघान प्रधिकारी, श्राकाणवाणी, तिवेन्द्रम	23-4
(5)) श्री एच० सी० भ्रग्रवाल .	•	श्रोतृगण स्रनुसंधान स्रधिकारी, स्राकाणवाणी, स्रहमदाबाद	श्रोतृगण श्रनुसंधान श्रधिकारी, दूरवर्शन केन्द्र, श्राकाशवाणी, नई	2 3-4 वेल्ली
(6)) श्रीबी०एस०एस०राव .		श्रोतृगण श्रनुसंधान ग्रधिकारी, श्राकाशवाणी, हैदराबाद	श्रोतृगण स्रनुसंधान स्रधिकारी, श्राकाणवाणी, बम्बई	23-74

^{2.} उक्त ग्रधिकारियों का पुष्टीकरण इस शर्त पर किया जा रहा है कि उनकी सेवाएं, किसी भी समय एक सार्वजनिक नियम के न स्थानान्तरित की जा सकती हैं श्रीर इस प्रकार उनका स्थानान्तरण हो जाने पर उन पर भी वही सेवा गर्ते लागू होंगी जोस्त निगम भ्रपने कर्मचारियों के लिये निर्धारित करेगा।

ग्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक जून 1975

सं० 5 (54)/75-एस०-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी श्री सत्येन्द्र कुमार बोस को 6 जून, 1975 से स्रप्रेतर श्रादेशों तक श्राकाशवाणी बीकानेर में ग्रस्थायी पदक्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 जुलाई 1975

सं० 5(75)/61-एस०-एक--श्रधिवर्षता की द्रायु पर पहुंचने पर श्री ए० एच० वर्क, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर 30 ग्रप्रैंल, 1975 के श्रपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

2. इस महानिदेशालय की ग्रिधसूचना सं० 5(75)/61-एस०-एक, दिनांक 28 ग्रप्रैल, 1975 एतद्द्वारा रह किया जाता है ।

> शान्ति लाल, प्रशासन उप-निदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 26 जून 1975

सं० 12/9(1)/74-सतर्कता—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री श्रब्दुल अजीज श्रन्सारी, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, मुख्य वैज्ञानिक का कार्यालय, शुष्क भूमि कृषि परियोजना, कृषि महाविद्यालय, इन्दौर को 24 मई, 1975 (पूर्वीह्न) से अग्रेतर श्रादेशों तक श्राकाशवाणी, ग्वालियर में कृषि रेडियो अधिकारी के पद पर श्रस्थायी पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह, प्रणासन उपनिदेशक **कृते** महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 2/9/74-एस०-तीन--महानिदेशक, स्राकाशवाणी एतद्-द्वारा श्री मोतीराम को 9 जून, 1975 (पूर्वाह्न) से ग्वालियर स्थित ग्राकाशवाणी केन्द्र पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में स्थानापन्न पदक्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक जुलाई 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन—महानिदेशक, प्राकाशवाणी, निम्न-लिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनमें से प्रत्येक के आगे दी गई तारीख से अग्रेतर श्रादेशों तक उनके नामों के श्रागे उल्लिखित श्राकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में सहायक इंजीनियर के संवर्ग में नियक्त करते हैं :---

क्ष० सं०	नाम	तैनाती स्थान	नियुक्ति की तारीख
वरिष	्स० एन० ग्रागाशे, ष्ठ इंजीनियरी सहायक, जशवाणी, सांगली ।	उच्च शक्ति प्रेषित श्राकाशवाणी मलाड ।	20-3-75 (पूर्वा ह्न)
वरि। उच्च	जी० सुक्रह्मण्यन, ष्ठ इंजीनियरी सहायक, ग शक्ति प्रेषित्न, श्राकाश- ो, श्रावडी, मद्रास ।	म्राकाशवाणी, रायपुर ।	9-6-75 (पूर्वाह्म)

दिनांक 1975

इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 2/6/73-एस०-तीन दिनांक 19-9-74, जिसके द्वारा तदर्थ सहायक इंजीनियरों को 27 फरवरी, 1974 से नियमित आधार पर काम करने को नियुक्त किया गया था, में आंशिक आशोधन करते हुए, कथित अधिसूचना से कमांक 38 में उल्लिखित श्री एस० के० शर्मा का नाम एतद्द्वारा हटाया जाता है।

प्रेम कुमार सिन्हा, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 21 जुलाई 1975

सं० ए०-19015/3/72-डी० (एस०) — प्रधिवर्षता प्राप्त कर लेने पर 30-11-74 (पूर्वाह्म) से सेवा-निवृत्त होने के परिणाम-स्वरूप श्री हरिहरन ने योजना श्रीर विकास एकक, श्राकाशवाणी, महानिदेशालय, नई दिल्ली में चीफ ड्राफ्टसमेन का कार्यभार छोड़ दिया ।

> तिलक राज सभरवाल, उप विकास ग्रधिकारी (प्रशासन) कृते महानिदेशक

(सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक मई 1975

सं० ए०-12023/2/74-सी० डब्ल्यू०-1--महानिदेशक, आकाशवाणी श्री सी० एस० बालमुब्रहमण्यम को सिविल निर्माण स्कंध, आकाशवाणी में 20-3-75 (पूर्वाह्म) से अग्रे-त्तर आदेणों तक सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में नियुक्त करते हैं और उन्हें मंडल कार्यालय (सिविल), बम्बई के श्रधीन उप मंडल कार्यालय, बम्बई में सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में तैनात करते हैं।

के० जी० क्रष्णामूर्ति मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी श्रधिकारी कृते महानिदेशक

विज्ञापन श्रीर दृश्य प्रचार निदेशालय सूचना श्रीर प्रसारण मंत्रालय नई दिल्ली-1, दिनांक 25 जून 1975

सं० 2/250/56-स्थापना-1—विज्ञापन ग्रीर दृष्य प्रचार निदेशक, स्थानापन्न सीनियर लेखाकार श्री एन० एस० ग्रामी को 31 मई, 1975 से अगले श्रादेश तक एतद्द्वारा इस निदेशालय में लेखा ग्रधिकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 जून 1975

सं० ए० 19012/1/75-स्थापना-2--श्री एस० स्रार० पुशकर को विज्ञापन स्रौर दृष्य प्रचार निदेशक इस निदेशालय के क्षेत्रीय प्रदर्शनी कार्यालय, शिमला में 14 सप्रैल, 1975 (पूर्वाह्न) से स्रगले स्रादेश तक स्थानापन्न क्षेत्रीय प्रदर्शनी स्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन, उपनिदेशक (प्रशासन) कृते विज्ञापन भ्रौर दृश्य प्रचार निदेशक ।

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1975

सं० 40-36/75-डी०—स्वास्थ्य सेवा पानिदेशक ने केन्द्रीय भारतीय भेषज प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रधिकारी (भेषज) श्री यू० वी० कामत का त्यागपत 6 जून, 1975 के श्रपराह्म से स्वीनार कर लिया है।

> एस० एस० गोठोस्कर, ग्रीषध नियंत्रक (भारत) कृसे स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 17-5/75-एडिमन-1---राष्ट्रपति ने श्री डी० ग्रार० शर्मा को 30 जून, 1972 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में वास्तु-कार के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सं ० 10-8/72-एडमिन-1---राष्ट्रपति ने डा० के० सी० गुप्ता को 6 नवम्बर, 1971 से केन्द्रीय खाद्य प्रयोगणाला, कलकत्ता में वरिष्ठ विश्लेषक के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1975

सं० 48-12/75-सी० एच० एस० 1--स्वास्थ्य सेवा महा-निदेशक ने डा० ग्रार० रिव को 17 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेशों तक जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा∰ं-शिक्षा एवं ग्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में तदर्थ श्राधार पर कनिष्ठ चिकित्सा ग्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

> रवीन्द्र नाथ तिवारी, उप निदेशक प्रकाणन (सी० एच० एस०)

कृषि और सिंचाई मंद्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन और निरीक्षण निवेशालय

नागपुर, दिनांक 24 जून 1975 (प्रधान शाखा कार्यासय)

सं० 3(44)/9/72 वि० II—वित्त विभाग (केन्द्रीय राजस्व) सीमा शुल्क श्रिधसूचना सं० 12 दिनांक 9 जून 1945 तथा सीमा शुल्क श्रिधसूचना सं० 1 कैंप दिनांक 5 जनवरी 1946 तथा भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व संभाग) सीमा शुल्क श्रिधसूचना सं० 6 दिनांक 5 फरवरी 1949 तथा भारत सरकार के वित्त मंद्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क श्रिधसूचना सं० 64 दिनांक 17 जून 1961 द्वारा प्रदत्त गिक्तयों का उपयोग करते हुए मैं एत्दद्वारा श्री हरी प्रसाद, सहायक विपणन श्रिधकारी को इस श्रिधसूचना के जारी किये जाने की दिनांक से तम्बाकू के लिए जिसका श्रेणीकरण तम्बाकू श्रेणीकरण श्रौर चिह्नन नियम 1937 (यथा संशोधित) के श्रनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त श्रिधसूचनाश्रों के उपबन्धों के श्रधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्न जारी करने के लिये श्रिधकृत करता हूं।

एन० के० मुरलीधरा राव कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 1975

सं० 5/1/75/स्था०-5—भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के नियंत्रण इसके द्वारा सहायक श्री दत्तात्रेय शंकर इंगले को 28-4-75 से 16-6-75 तक के लिए इसी श्रनुसंधान केन्द्र में श्रस्थाई रूप से सहायक कार्मिक श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> ए० शांतकुमार मेनन, उप स्थापना श्रधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 10 जून 1975

सं० पी० ए० /81/(28)/75-प्रार०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री नंद लाल वाधवानी को 1 फरवली, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी श्रनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-म्रार०-4--भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित श्रस्थाई वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी धनु-संधान केन्द्र में वैज्ञानिक श्रिधकारी/इजीनियरी ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

क० सं०

नाम

- 1. श्रीविश्वनाथ दासमजूमदार
- 2. श्री रतीलाल ज्वायटराम पटेल

सं० पी० ए०/81(57)/75-ग्रार०-4--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक (बी०) श्रीर स्थानापन्न सहायक (सी०) श्रीर कृष्ण नंद नायक को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी श्रनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक श्रिध-कारी/इंजीनियर श्रेणी एस० वी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-श्रार०-4--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई बैज्ञानिक सहायक (ए०) और स्थानापन्न बैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री चेंचरीश्रथू वासुदेव पनीकर गोपालकृष्णन नायर को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी श्रनुसंधान केन्द्र में बैज्ञानिक श्रधिकारी/ इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(95)/74-आर०-4--भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक वैज्ञानिक सहायक (बी) श्रौर स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री दिनेश दिगंबर पानसे को 1 फरवरी 1975 के पूर्याह्न से आगामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर प्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(32)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निवेशक यहां के (इस समय वी० ई० सी० परियोजना में काम करते हुए) एक ग्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री कार्लपुडी वेंकटा भवानीवर प्रसाद को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक सहायक/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 जून 1975

स० पी० ए०/81(30)/75-श्रार ०-4--भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के निम्नलिखित स्थाई वैज्ञानिक सहायकों (बी०) श्रीर स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायकों (सी०) को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी आदेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक श्रिधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

ऋ०सं० नाम

- 1. श्री इलेंड्रेथ गोपीनाथन
- 2. श्री इलिक्कल कज़ूनी विश्वनायन

दिनांक 12 जुन 1975

सं० पी० ए०/81(54)/75-ग्रार०-4—भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के ग्रस्थाई ड्राफ्टमैन (सी०) श्री विनायक गंगाधर बापट को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी श्रनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/81(54) /75-ग्रार०-4--भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के श्रस्थाई फोरमैन श्री शंकर श्रीकृष्ण शाहने को 1 फरवरी, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी श्रनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियरी श्रेणी एस० बीं० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, उप स्थापना ग्रधिकारी (भ)

परमाणुऊर्जाविभाग कयएवं भंडार मिबेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 12 जून 1975

सं० डी० पी० एस० /ए०/32011/2/75-स्थापना 748--- क्रय एवं भंडार निदेशक इस निदेशालय की दिनांक 1 फरवरी, 1975 की ग्रिधसूचना सं० डी० पी० एस०/ए०/35011/1/73/स्थापना के श्रनुक्रम में, गुजरात के महालेखाकार कार्यालय के स्थायी ग्रनुभाग ग्रिधकारी श्री वी० श्रार० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त हैं, 1 मार्च, 1975 से 31 मई, 1975 तक की श्रविध के लिए उसी निदेशालय में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी रूप से सहायक लेखा-ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

के०पी० जोसफ, प्रशासन-श्रधिकारी

बम्बई-400001, दिनांक 30 मई 1975

सं० डी० पी० एस० ए०: 32011/2/73/स्थापना 723— ऋय एवं भंडार निदेशक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस निदेशालय के स्थानापन्न लेखापाल श्री नेलूवाय हरिहर श्रय्यर कृष्णन को निम्नलिखित ग्रवधियों के लिए उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते है:—

- (i) 25-11-1974 से 27-2-1975 तक श्री बी० के० पोद्धर, सहायक लेखा श्रधिकारी, जिनको श्राई० एस० टी० एम० नई दिल्ली में उच्च मैंनेजमेंट कोर्स में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए भेजा गया, के स्थान पर।
- (ii) 14-5-1975 से 13-6-1975 तक श्री बी० के० पोद्धर, सहायक लेखा श्रधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई, के स्थान पर।

सं० डी०पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना-740-- क्रय एवं भंडार निदेशक, पश्चिमी रेलवे के स्थायी सहायक लेखापाल तथा स्थानापन्न लेखापाल श्री बाबूभाई मोहनलाल गणाता को, जो इस निदेशालय में उसी पद पर प्रतिनियुक्त हैं, निम्नलिखित अविधियों के लिए श्री जी० एल० हल्दीपुर सहायक लेखा-श्रिध-कारी, जिनकी लेखा ग्रिधकारी-11 के पद पर नियुक्ति की गई थी, के स्थान पर उसी निदेशालय में स्थानापन्न रूप से सहायक लेखा-श्रिधकारी नियुक्त करते हैं:---

- (i) 19-10-1974 社 18-1-1975
- (ii) 24-3-1975 社 7-6-1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना-746—ऋय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न भंडारी श्री वसन्त यणवन्त गोखले को 10 मार्च, 1975 से 12 मई, 1975 तक की श्रवधि के लिए मेजर के० जे० फिलिप्स, सहायक भंडार श्रिधकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73/स्थापना-745— क्रय एवं भंडार निर्देशालय के निर्देशक, इस निर्देशालय के स्थायी भंडारी श्री मिहिर चन्द्र राय को 16 दिसम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से 7 फरघरी, 1975 के ग्रपराह्म तक की श्रविध के लिए, श्री ए० ग्रार० टोंडवाल्कर, सहायक भंडार ग्रिधकारी जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार ग्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 मई 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना 725--- क्रय एवं भंडार निदेशक इस निदेशालय के अस्थायी तकनीकी निरीक्षक श्री गोविंदराज श्रीनिवासन को 29 मार्च, 1975 के प्रयाह्म तक उसी निदेशालय में श्री जान जैकब, सहायक भंडार ग्रिधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर सहायक भंडार श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/73-स्थापना 728— क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री एस० श्रार० वैद्य को 28 अप्रैल, 1975 से 16 जून, 1975 तक की अवधि के लिए इसी निदेशालय में श्री एम० के० जान, सहायक भंडार श्रिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, केस्थान पर सहायक भंडार श्रिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी, कृते प्रशासन-श्रधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500040, दिनांक 23 जून 1975 संदर्भ ना० ई० स०/प्रशा/22/13(2)/825—विशेष-कार्य-ग्रिधिकारी, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, सहायक लेखाकार श्री जे० सूर्यनारायण राव को जुलाई, 1, 1975 से फरवरी 29, 1976 की श्रवधि श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैंदराबाद, में स्थानापन्न रूप से, सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० पी० म्हात्ने, वरिष्ठ प्रशासनिक श्रधिकारी

तारापुर परमाणु बिजली घर

महाराष्ट्र-401504, दिनांक 19 जून 1975

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/947—787— परमाणु उर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य ग्रधीक्षक, श्री बाई० ग्रार० वेलंकर की सहायक लेखा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की श्रविध को 21-6-1975 से 30-8-1975 तक की ग्रविध के लिए ग्रथवा तब तक के लिए जब तक कि कोई व्यक्ति नियमित रूप से इस पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो बढ़ाते हैं।

> के० त्री० सेतुमाधवन, मुख्य प्रणासन ऋधिकारी

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग (नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना) बम्बई-5, दिनांक 20 जून 1975

सं० एन० ए० पी० पी०/2(3)/74-प्रशासन/774—
प्रस्थायी विज्ञान-प्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० श्री पी०
पी० शर्मा ने उनका प्रन्तरण सिविल इंजीनियर वर्ग, कलपक्कम
से नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में होने पर, सिविल
इंजीनियरी वर्ग, कलपक्कम में अपने पद का कार्यभार 31
प्रगस्त, 1974 के अपराह्म से छोड़ दिया तथा नरोरा परमाणु
विद्युत् परियोजना में उसी ग्रेड में एक पद का कार्यभार 14
सितम्बर, 1974 के पूर्वाह्म से सम्भाल लिया।

 श्री पी० पी० शर्मा आगामी आदेश तक नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना में एस० बी० ग्रेड के पद का कार्यभार सम्भाले रखेंगे।

> ग्रार० जे० भाटिया, सामान्य प्रशासन-श्रधिकारी

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली, दिनांक 7 जून 1975

सं० ए०-32014/2/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से श्रगले श्रादेश जारी होने तक नागर PART III--SEC. 1]

त्रिमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में सहायक संचार श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

ऋम सं० नाम	नियुक्ति की तैनाती स्टेणन तारीख
1. श्री एम० एम० कुरियन	
2. श्री एन० एस० पिल्ले	3-1-75 वैमानिक संचार स्टेशन (पूर्वाह्न) भूवनेण्वर।

2. इस कार्यालय की 29 मई, 1975 की ग्रधिसूचना रद्द समझी जाए।

दिनांक 27 जून 1975

सं० ए०-32013/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली (मुख्यालय) के श्री जी० गोविन्दा-स्वामी, सहायक निदेशक (संचार) को 31 मार्च, 1975 (श्रपराह्म) से श्रगले ग्रादेश जारी होने तक तदर्थ ग्राधार पर नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जुलाई 1975

सं० ए०-32014/3/75-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के श्री टी० वी० नटराजन, संचार सहायक को श्री पी० ग्राई० डेबिड, सहायक संचार ग्रधिकारी की छुट्टी रिक्ति में 10-5-1975 (पूर्वाह्न) से वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में स्थानाप्त रूप में सहायक संचार श्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

वन ग्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांकः जून 1975

सं० 16/115/67-स्थापना-1.—-ग्रध्यक्ष, वन श्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री मदनमोहन सिंह को दिनांक 19 जनवरी 1972 से वन श्रनुसंघान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में सहायक मापिकी श्रधिकारी के स्थायी पद पर सहर्ष संपुष्ट करते हैं।

दिनांक जुलाई 1975

सं० 16/204/72-स्थापना-ा —श्री एस० भ्रार० मजुमदार, लेखा श्रधिकारी, वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महा-विद्यालय, देहरादून की सेवाएं दिनांक 31-5-1975 के श्रपराह्न से रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) को प्रतिनियुक्ति की ग्रविधि की समाप्ती पर पून: सौंपी जाती है।

> प्रेम कपूर कुल सचिव, वन श्रनसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहक्तालय कलकत्ता, दिनांक 20 जून 1975

सं ०-33.—केन्द्रीय उत्पादन णुल्क द्वितीय श्रेणी श्रधीक्षक के रूप में पदोन्नति होने पर श्री सत्य रंजन मुखर्जी, मध्यान पूर्व दिनांक 26-5-75 को चन्दनगर केन्द्रीय उत्पादन णुल्क डिवीजन का कार्य-भार ग्रहण किये।

सं० 34.---जलपाइगुड़ी केन्द्रीय उत्पादन मुल्क डिवीजन के ग्रधीन माथा-भंगा रेंज से बदली होने पर श्री एस० एन० भट्टा-चारजी, केन्द्रीय उत्पादन मुल्क द्वितीय श्रेणी ग्रधीक्षक, मध्याह्न पूर्व दिनांक 16-5-75 को पश्चिम बंग समाहर्त्तालय प्रधान कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किये।

सं० 35.—पश्चिमबंग समाहर्त्तालय, प्रधान कार्यालय से बदली होने पर श्री शिवराम गोन, केन्द्रीय उत्पादन णुल्क द्वितीय श्रेणी अधीक्षक, मध्याह्म पूर्व दिनांक 24/5/75 को चन्दननगर केन्द्रीय उत्पादन णुल्क डिबीजन के विशेष दल का भारप्रहण कर श्री एम० एन० मुखर्जी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क द्वितीय श्रेणी श्रधीक्षक, को मुक्त किये।

एन० एन० राय **चौध**री, स्नाहर्त्ता

पटना, दिनांक 4 जुलाई 1975

मि० सं० II (7) 5-स्था०/75/6799.—स्थापना म्रादेश सं० 156/75 दिनांक 22-4-75 जो मि० सं० 11(3)43-स्था०/73/19 346-67 दिनांक 23-4-75 के द्वारा पृष्ठां कित किया गया था तथा जिसके द्वारा सर्वश्री सी०एस० चक्रवर्ती भ्रौर भरत सिंह, निरीक्षक (व० श्रे०) केन्द्रीय उत्पाद को 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 रु० तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सिंहत के वेतनमान में म्रनंतिम रूप से श्रधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पाद के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, के भ्रनुसरण में उन लोगों ने भ्रपने-भ्रपने नामों के समक्ष दिखाए गए स्थानों, समयों तथा तिथियों में ग्रधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पाद का कार्यभार संभाल लिया।

স্কৃত	नाम	पदास्थापना के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री सी० एस० चऋवर्ती	ग्रधीक्षक (नि०) के० उ०, गया	19-5-75 (qo)
2.	श्री भरत सिंह	श्रधीक्षक, के० उ० महनार रेंज	14-5-75 (पू०)
			(इ०) भ्रपठनीय

(हुँ०) भ्रपठनाय समाहर्त्ता मधुरै, दिनांक

1975

सं०1/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालया मधुरै के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षकों को अगले आदेश होने तक, स्थानापन्न रूप से प्रशासनिक अधिकारी के पद पर २० 650-30-740-35-810–द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 के वेतन-मान में नियुक्त किये गये हैं। स्थान और कार्यभार संभालने की तारीख निम्न प्रकार ह।

श्रफसर का नाम	नियुक्ति स्थान ग्रधीक्षक (द्वितीय श्रेणी)	कार्यभार तारीख
सर्वेश्री		
1. जी० पोन्नु सामी	एम०ग्रो०ग्रार० 'ए' तिरुचिरापल्लि	23 375
2. भ्रार० कृष्णमूर्ति	प्रिवन्डीग्रुप नागपटनम ।	27-3-75
<i>3</i> . एस० श्रहमद हुसैन	सी०ए०यु० मुख्य कार्यालय, मधुरै ।	26 - 3-75
4. एस० के० बालणिय सूत्रमण्यन		23-4-75
5. के० तिरुवटिनाथन	· मुख्य कार्यालय मधुरै ।	16-5-75
 ए० सैय्यद ग्रहमद 	• _	28-5-75
7. एस० ए० मोहम्मव	· •-	29-5-75
8. मुरुकाण्डी	एम०ग्रो०श्रार० नागरकोयिल ।	31-5-75
9. कलिंगराज	मुख्य कार्यालय, मधुरै ।	31-5-75
10. जी० सुद्रमणियन	प्रिवन्डी ग्रुप, शिवकाशी ।	6-6-75
11. एस० खलिय पेरुम	_	12-6-75

ह० श्रपठनीय समाहर्ता

सीमा गुरुक

बम्बई 400038, दिनांक मई 1975

सं० 4.—निवर्तन वय प्राप्त होने के कारण बम्बई सीमाशुल्क गृह के निवारक निरीक्षक श्री सी० डी० कृज, दिनांक 28 फरवरी, 1975 के श्रपराह्न से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 5—सीमाणुल्क भवन, वस्बई के निवारक निरीक्षक एम० एन० बुटानी, निवर्तन वय प्राप्त होने के कारण दिनांक 31--1-75 के ग्रपराह्न से सेवा निवृत्त हुए ।

> बी० बी० गुजराल सीमाशुरुक समाहर्ला

नारकोटिक्स विभाग

सं० 15.—वित्त मंत्रालय (राजस्व श्रौर बीमा विभाग) के दिनांक 28 मई, 1975 के ख्रादेश संख्या सी० 17012/1/75— प्रशा०—II द्वारा वहाल किये जाने पर श्री डी० डी० शर्मा ने, जिन्हें भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व ग्रौर बीमा विभाग) के 20 मई, 1974 के श्रादेश फा० सं० सी० 16012/6/72— प्रशा० II द्वारा श्रनिवार्यतः सरकारी सेवा से निवृत्त किया गया था, 29 मई, 1975 के दोपहरपूर्व से नारकोटिक्स गुप्तचर्या ब्यूरो, नारकोटिक्स श्रायुक्त का कार्यालय, खालियर में श्रासूचना श्रिधकारी का कार्यभार सम्भाल लिया। श्रासूचना श्रिधकारी का यह पद रिक्त पड़ा हुग्रा था।

सं० 16.—स्यायी सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी, श्री ग्रमरीक सिंह ने, जो प्रशासन श्रधिकारी के पद पर सरकारी ग्रफीम तथा एलकालायड कारखाने के दिल्ली स्थित निर्यात कक्ष में विक्रय ग्रधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे, 31 मई, 1975 के दोपहरबाद से ग्वालियर स्थित नरकोटिक्स श्रायुक्त के कार्यालय के लिए स्वीकृत श्रौर रिक्त पड़े पद पर, ग्रधीक्षक (कार्यपालक) का कार्यभार संभाल लिया। श्री ग्रमरीक सिंह का प्रधान कार्यालय, ग्रनुपूरक नियम 59 के ग्रन्तर्गत नई दिल्ली ही रहेगा।

सं० 17.—स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी, श्री ग्रार० पी० त्यागी ने, जो सरकारी ग्रफीम ग्रौर एलकालायड कारखाना, नीमच में उप वित्त सलाहकार एवं सहायक मुख्य लेखा ग्रधिकारी के रूप में तैनात थे, 15 जून, 1975 से उसी कारखाने में श्री ग्रमरीक सिंह द्वारा खाली किये गर्य पद पर प्रशासन ग्रधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 18.—सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति पर श्री बी० एस० दर्द, ग्रधीक्षक (मंत्रालयी) ने 15 जून, 1975 के दोपहरपूर्व से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन-मान में सरकारी अफीम तथा एलकालायड कारखाना, नीमच में उप वित्त सलाहकार एवं सहायक मुख्य लेखा श्रधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 19.—प्रशासन ग्रिधिकारी के रूप में नियुक्ति पर, श्री रजनीकांत श्रीवास्तव उप ग्रधीक्षक (मंत्रालयी) ने 31 मई, 1975 के दोपहरपूर्व से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में कार्यालय, उप नारकोटिक्स ग्रायुक्त, गाजीपुर में श्री एस० के० राम को ग्रतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करते हुये प्रशासन ग्रिधिकारी का कार्यभार सम्भाल लिया।

धभिलाष शंकर नारकोटिक्स श्रायुक्त

नोबद्दन और परिवहन मंत्रालय नव तूतीकोरिन पत्तन,

तूसीकोरिन, दिनांक 16 जून 1975

सं० ए०-22013/1-75/प्रशासन-डी-2945---नव तूरी-कोरिन पर्सन के मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक सर्व श्री एम० नागू, इाफ्ट्समैन ग्रेड 1 तथा डी० जे० मसीलामनी, कनिष्ठ इंजीनियर (सिविल) को क्रमणः 6 जून, 1975 के पूर्वीह्न से तथा 30 मई, 1975 के पूर्वीह्न से श्रगला श्रादेश होने तक के लिये नवतूतीकोरिन पर्सन में पक्षेत्रत कर के 650-30-740-35-810-द० रो०-55-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतन मान में ग्रस्थामी रूप से सहायक इंजीनियर (सिवल) नियुक्त करते हैं।

डी० झाई० पाल मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् श्रायोग (जल स्कंध) नई दिल्ली, दिनांक जुन 9175

सं० क-19012/513/74-प्रणा० 5.—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल प्रायोग श्रपने प्रसाद से श्री जी० रघुनाथ प्यंवेक्षक को केन्द्रीय जल प्रायोग में सहायक श्रभियंता के रूप में स्थानापन्न क्षमता में पूर्णत: श्रस्थायी तथा तवयं रूप में नियुक्त करते हैं। उनको 28 अक्तूबर 1974 के पूर्वाह्न से श्रागे श्रादेश होने तक तदर्थ रूप में श्रातिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रभियंता/सहायक श्रनुसंधान श्रिकारी (इंजीनियरी) श्रथात् 650-30-740-35-810-व० रो०-35-880-40-1000-व० रो०-40-1200 रूपमें के वेतनमान में वेतन पाने का श्रधिकार होगा।

श्री जी ० रधुनाथ ने उपरोक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल धौर विद्युत् श्रायोग (जल स्कंध)के केन्द्रीय वाढ़ पूर्वानुमान कृत, केन्द्रीय जल भौर विद्युत् श्रायोग, गोहाटी में सहायक श्रभियंसा के पद का कार्यमार संभाल लिया है।

> के० पी० बी० मेनन अवर सचिव कन्द्रीय जल और विद्युत आयोग

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक जून 1975

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5.—इस प्रायोग की ग्रिधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 10-2-75 तथा 25-3-75 के कम में ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग एतद्द्वारा निम्नलिखित ग्रनुसंधान सहायकों (इंजीनियरी) को केन्द्रीय जल ग्रीर विद्युत् ग्रनुसंधानशाला, पूना में सहायक ग्रनुसंधान ग्रिधिकारी (इंजीनियरी) के पदकम में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-2-176GI/75

880~40~1000~द० रो०~40~1200 के वेतनमान में 1~4~75 से 30~6~75 तक ग्रागामी ग्रवधि के लिए पूर्णतः ग्रस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं :~~

- 1. श्री सी० भुजंग राव
- 2. श्री के० ए० इस्माइल
- 3. श्री डी० एम० खम्बेटे
- 4. श्री ए० जी० फुन्सलकर
- श्री के० एन० घपुकुत्तन
- श्री एस० एन० मोने
- 7. श्री एम० एस० शितोले
- 8. श्री एस० गुहा।

के० पी० बी० मेनन ग्रयर सचिव कृते ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल स्रायोग

इन्टेंग्रल कोच फैक्ट्री

मद्रास-38, दिनांक 26 जून 1975

सं० पी० बी० जी० जी० जी० शिमस० II श्री ए० बालकृष्णन, स्यानापन्न मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (व०मा०) को, झपने कार्यों के श्रतिरिक्त सवारी डिब्बा कारखाने के महाप्रबंधक के कार्यों को वेखने 4-5-75 से 18-6-75 तक की अविध के लिये तैनात किया गया है बाइस श्री जें० मधान को उपर्युक्त झबिध के लिये श्रीसत वेतन पर छुट्टी मंजूर की गयी है।

श्री एन० एच० कृष्णा, स्थानापन्न सहायक निर्माण प्रबंधक/ बस्तुनिर्माण/फर० (श्रेणी II) को वरिष्ठ मान में स्थानापन्न रूप से निर्माण प्रबंधक/वस्तुनिर्माण/शेल (व०मा०) के पद पर तदर्श रूप से दिनांक 7-5-75 से पदोन्नति की गयी है।

श्री बार० शिवरामन, शाप बधीक्षक/शाप-80 को, स्वानापन्न रूप से श्रेणी-II सेवा में सहायक निर्माण प्रबंधक/वस्तुनिर्माण/फर० (श्रेणी-II) के पद पर तदर्थ रूप से दिनांक 7-5-75 से पदोन्नति की गयी है।

श्री बी॰ डिल्ली बाबू, स्थानापन्न कल्याण ग्रधिकारी (श्रेणी-II को, स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ मान में दिनांक 12-5-1975 से वरिष्ठ कार्मिक ग्रधिकारी/फर॰ (व॰मा॰) के पद पर तदर्थ रूप से पदोन्नति की गयी है।

श्री द्यार० राजगोपालन मुख्य नक्शानवीस (श्रेणी-III) को दिनांक 12-5-75 से स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/निर्माण (श्रेणी-II) के पद पर पदोन्नति की गयी है।

श्री एस० के० दला, स्थानापन्न उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ प्रयोजना (क० प्र०) को, उत्तर रेलवे को प्रपने स्थानांतरण के पालन करने इस प्रशासन से दिनांक 26-5-75 के श्रपराह्न से भार मुक्त किया गया है।

> एस० सुकासण्यन उप मुख्य कार्मिक श्रधिकारी कृते महा प्रबंधक

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर नहरकाढ़िया हस्क श्रोर्स लिमिटेड, के विषय में।

सं० — कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा वह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नहरकढ़िया हरक अौसँ लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

ह० श्र<mark>पठनीय</mark> कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर कर्माणयल ट्रांसपोर्ट लिमिटेड के विषय में ।

कलकता विनांक 28 जून 1975

सं० 8895/560(5).—कम्पनी ग्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्धारा सूचना दी जाती है कि कामिश्रयल ट्रांसपोर्ट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर नेशनल डेबलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 28 जून 1975

सं० 8876/560(5) कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नेगनल डेबलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० श्रार० सरकार कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भीर गलाकसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक

सं० 2109 - कम्पनी घ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के घ्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के घ्रवसान पर गलाकसी प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया

गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा ग्रौर उक्त कम्पनी विचटित कर दी जाएगी।

> रा० कु० जैन कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली हरियाणा

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर मैसर्स उबेराम होटल्स इन्टर-नेशनल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6078—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स उबेराय होटल्स इन्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिया न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्रीमती सी० कपूर कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर चेन्तामरा चिटस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

दिनांक 28 जून, 1975

सं० 5661/560(3)/75 कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान में घेन्तामय चिटस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस**० श्रीनिवासन**, कम्पनियों <mark>का सहायक रजिस्</mark>द्रार

वित्त मंद्रालय कार्यालय श्रायकर भ्रायुक्त

लखनऊ, दिनांक 26 जून 1075

सं० 132—स्पेशल सर्किल लखनऊ के नाम से विख्यात सर्किल को एतद्द्वारा 'ए' वार्ड स्पेशल सर्किल लखनऊ की पदसंशा दी जाती है।

सं 133--'बी' वार्ड स्पेशल सर्किल लखनऊ के नाम से विख्यात एक नए वार्ड की एतव्द्वारा गठन किया जाता है। यह ब्रादेश 1 जुलाई, 1975 से लागू होगा।

> ई० के० लायल श्रायकर <mark>श्रायुक्</mark>त,

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1 कार्यालय, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जूलाई 1975

निर्देश सं० एम० म्रार०/जगदलपुर/30-11-74--म्रत: मुझे व्ही० के० सिन्हा, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षक) भ्रर्जन रेंज, भोपाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर श्रीर जिसकी सं० भूमि श्रीर विल्डिंग है जो नया पारावार्ड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जगदलपुर में रजिस्ट्रीकृत भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 30-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीम कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विषा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, 'उन्त अधिनियम' की बारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की बारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- (1) श्रीमती विद्यावती सी० देसमुख, श्री प्रकाशचिन्ता मनी देसमुख तरारपाटेल वाड़ा कोठी रोड, महल नागपुर (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लक्की वाई पित हेमराज थिमाया वाई जगदलपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्क्षारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विल्डिंग प्लाट र्नं० 35/59, 35/60, 35/61 ग्रौर 36/62 ऐरिया 7800 सक्वायर फीट कन्सटेटिंग 29 रूम सभी में फिटिंग सीट न० 49 नयापारा वार्ड **जगद**लपुर।

> बीं० कें० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारी**ख**: 4-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

ध्रामकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घंघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जूलाई 1975

निर्देश सं० एस० ग्रारं०/रायगढ़/18-11-74--- म्रतः, मझे, व्ही० के० सिन्हा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961का 43)(जिसे इसमें 'उक्त ग्रधिनियम', कहा पश्चात् की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000√- रुपये से अधिक है जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है। ग्रीर जिसकी सं० मकान जो रायगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायगढ़ में रजिस्ट्रीकृत 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रधिनियम, 4-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः, ग्रव उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उन्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :—

- (1) श्री गोविन्द पिता श्यामजी (2) वासवेव पिता श्यामजी द्वारा गुजराती रायगढ़ (श्रन्सरक)
- (2) श्रीमती गिन्नी देवी पति सेठ वखान भ्राग्रवाल निवास गान्धी गंज रायगढ़ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

मनुसूची

मकान नं० 190/1 का 5 वार्ड नं० 18 (पुराना) रायगढ़ टाउन।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 4-7-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० म्रार०/छिन्दवाड़ा/2-11-74--श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० भीर जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो छिन्दवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, छिन्दवाड़ा में रजिस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के रजिस्ट्रीफ़ुत विलेख के भनुसार भ्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे भ्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से ग्रन्तरण में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :--

- (1) सर्वश्री वयराम जी मिनिंग कम्पनी प्रभात लि॰ 204 होनैवाय रोड बम्बई (ग्रन्तरक)
 - (2) श्री नरबदाप्रसाद भ्रग्नवाल नागपुर रोड छिन्दवाड़ा (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहियां शुरू करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मशीनरी विल्डिंग भ्रौर बाहर के मकान बने हुये छिन्द-वाड़ा।

> बी० के० सिन्हा, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज भोपाल।

तारीख: 4-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० श्रार०/सतना/11-11-74---श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा, श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 2.69 खाके श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी दो मंजिल हैं, जो वार्ड नं० 10 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सतना में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः, अब उक्त श्रधिनियम की धारा, 269-ग के श्रनुसरण में में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीतः—

- (1) श्री रामप्रताप पिता राम चंद्र भ्रग्रवाल (2) श्रीमती चमेली वाई परिन बाब्लाल सतना (भ्रन्तरक)
 - (2) श्री छत्तामल पिता पहलूमल सिन्धी निवास, सतना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दो मंजिल, मुकान नं० 895/850/1, वार्ड नं० 10_{ℓ} सतना।

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 4-7-1974

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भोपाल

भोपास, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० एम० श्रार०/जबलपुर/28-11-74--श्रतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम['] कहा गया की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ६० 25,000/- से ग्रिधिक ग्रीर जिसकी दो मंजला बिल्डिंग है, जो सदरबाजार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 28-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भ्रौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्त-रकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिश्चित्यम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

स्रवः श्रव 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयति :—

- (1) श्री वसंत पुत्र तेजूमल कृपलानी निवास 6/35, श्याम निवास वार्डन रोड बम्बई-26 (श्रन्तरक)
- (2) श्री गुरु सिंह साहब (गुरुद्वारा) सदरबाजार जबलपुर (i) प्रसीडेन्ट सरदार राजेन्द्र सिंह पुन्न सरदार बजीर सिंह निवास 8/10 लजपत कुन्ज भिन्ड राज हंस होटल नेपीग्रर टाउन जबलपुर (ii) श्री कुलवन्त सिंह निवास गोविन्द भवन पास जकसंन होटल सिविल लाइन, जबलपुर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त उपक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में . हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्व्होंकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग (मथुरा बिल्डिंग) बनी हुई नीग्नर काली टेम्पल नीग्नर गुरुद्वारा कन्टोमेन्ट सदर बाजार,जबलपुर।

> एम० एफ० मुन्सी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

सारीख: 24-3-1975

प्रकप धाई • टी ॰ एन ॰ एस ॰ --

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्रिघीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) कार्यालय भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० श्रार०/इन्दौर/7-11-74—श्रतः, मुझे, ब्ही० के० सिन्हा

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 15 है, जो सीताबाग कालौनी में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से धणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-11-1974 को

क प्रधान 7-11-1974 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी माग की बाबत 'उक्त मधिनियम', के मधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनयिम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- (1) श्री भीम देवराव मार्तण्डराव भागवत (2) श्रीमती कुमुदनी धाई भीमदेवराव भागवत (3) किरण कुमार भीम-देवराव भागवत (4) कुमारी गुसवाला भीमदेवराव भागवत 12, मीरापथ इन्दोर (श्रन्तरक)
- (2) श्री कान्ती लाल पिता विठल दास शाह
 141 जावरा कम्पाउन्ड इन्दौर (ग्रन्तरिती)
 को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए
 एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 15 सीताबाग कालौनी इन्दौर।

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज भोपाल ।

तारीख: 2-7-1975

प्रक्ष वाई० दी० एन० एस० -------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

ं भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) भोषाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निर्देश स० एम० ग्रार०/भाषाल/21-11-74—ग्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम', कहा ग्राया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी स० । फिलोर है, जो बीड़ा निक्काम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकृत ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन 21-11-1974,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति आआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्वित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती धारा प्रकट ब्रोही किया गया था या किया जाना,चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः सन, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के आधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

3-176 GI/75

- (1) श्री तालिव हुसैन पिता फिदायग्रसगर साहब जाति कोरह केलबारपुरा भोपाल (ग्रम्सरक)
- (2) श्री मिश्रीलाल पटेल पिता किशनलाल पटेल संगोनिया जिला रायसेन (ग्रन्तरिती)

को सह्यस्त्रात्वाः कारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविष्ठ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स स 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी प्रवेश व्यक्तित द्वारा, प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किएेजा सकेंगे।

स्पन्धीकरण—इसमें प्रमुक्त गर्कों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-के में येथीपरिभाषित हैं, विही अर्थ होगा, जो उस अध्याम मिंगदिया गया है ।

अनुसुद्धी

ः1.ृफिलोर विक्रिंडमें हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्काम, भोपाल।

> तक्किः चा० क० ।सन्हा, के स्क्षम प्राधिकारी, जाक्कों के सहासक क्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोषाल ।

駅1寸句: 2-7-1975

प्रकप बाईं टी एत एस --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० श्रार०/इन्दौर/28-11-74—- धतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 26₽ ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से

अधिक है

भौर जिसकी सं ब्रुला प्लाट है, जो यशवन्त निवास रोड में स्थित है (भीर इससे उपाबद भ्रमुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 28-11-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारच है कि वजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रीतफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से बाबक है बौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) बौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बहा प्रतिफल, निम्निचिति उद्देश्य से अन्तरण निचित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया बाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के निए;

ग्रतः जब, 'उन्त ग्रांबिनियम' की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मुरली धर किशन गोपाल 208 एम० जी० रोड इन्बौर (2) धन्नालाल सरदार मल यशवन्त निवास रोड इन्दौर (शन्तरक)
- (2) श्री सम्मो दयाल सागी वकील 511 एम० जी० रोड इन्दौर-2 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिब्बत में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त अधिनियम' के प्रद्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट न्ं० 1 बनी हुई 6 यशवन्त निवास रोड, इन्दौर।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण), ग्रजनरेंज भोपाल ।

तारीख: 2-7-1975

प्रकप बाई० टी० एन० एसं---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के संधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० श्रार०/इन्दौर/5-11-74---श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो रोशनसिंह भण्डारी मार्ग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-11-1974 को पूर्वीकर सम्पत्ति के जिनत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के बिए अस्तरित की गई है जौर मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत अधिक है ग्रीर अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाजत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे वक्त में सुविधा के लिए; और
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः वाव, 'उन्त अधिनियम' की बारा 269-ग के जनुतरण में, मैं, 'उन्त बाबिनियम' की बारा 269-व की उपदारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों जर्षात्:—

- (1) श्री भोजराज भाटिया (2) लक्ष्मन दास भाटिया, (3) चुन्नीलाल भाटिया पुत्र गण पिता छविलदास भाटिया तुकोंगज इन्दौर (धन्तरक)
- (2) श्री पवन कुमार चौपड़ा निवास 128 स्टेशन रोड मऊ कैन्ट (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां, मुख्य करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की साथीय से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीश्व से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में दितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताकारी के पास जिल्लित में किए वा सकेंबे।

स्पब्धीकरण—इसमें प्रयुक्त कन्दों और पर्दों का, को 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिशासित है, वही धर्म होगा, को उस अध्याय में दिया गया

धनस ची

प्लाट न० 24(1) रोधनसिंह भण्डारी मार्ग, इन्बौर।

वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); श्रर्जन रेंज, भोपास।

तारीख: 2-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 2 जलाई 1975

निर्वेश सं० एम० श्रार०/भोपाल/21-11-74---ग्रतः, मुझे, व्ही०के० सिन्हा ^{्राविक} अधिनियम, **अ**।यकर 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धररा 269-ख के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने की कारण हैं कि स्थावर "सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीरी जिसकी सं विभामि है, जो घोड़ा निक्कास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित. है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्री-कृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-11-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमीन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह कि विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त द्याधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

प्रतिकृतः से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृतः का पास्ट्रः प्रतिशतः से अग्निकः । है और प्रदु कि अन्तरकः (अन्तरको), और अन्तरिती

तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के

लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है :--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उन्त मधिनियम', की धारा 269-च की अपघारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) श्री तालिव हुसेन पिता फिदाय प्रसगर साहब जाति वाहेरा बेलदारपुर भोपाल (प्रन्तरक)
- (2) श्री छडँबीलाल पटेल पिता किशन लाल पटेल निवास सगोनिया रायसेन (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य क्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

क्ष्यक्रीकरक-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उत्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि भ्रौर ग्राउन्ड फिलौर हिस्सा बिल्डिंग हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्कास भोषाल।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज भोपाल।

तारीख: 2-7-1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चाया किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- (1) श्री फिवाय ग्रसगर पिता हाजीमुल्ला गुलाम हुसेन निवास वेलदारपुर भोपाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री शादीलाल जी चौहान पिता किशन लाल पटेल निवास सगोनिया किला रायसेन (श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के खर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी घाधीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

II फिलोर बिल्डिंग भ्रयोजिट हनुमान गंज थाना घोड़ा निक्कास भोपाल।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मोपाल।

तारीख: 2-7-1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० भार०/भोपाल/21-11-74---भ्रतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है और जिसकी सं० III फिलोर है, जो घोड़ा निक्कास में स्थित है (धौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकृत प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः श्रव उक्त श्रिधितियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निणिखित व्यक्तियों प्रयोत्:---

- (1) श्री फिजय श्रजगर पिता हाजी मुल्ला गुलाम हुसैन वेलदारपुर भोपाल (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रामायनी चौहान पुत्री हीरालाल पत्नी शेर सिंह चौहान सगानिया जिला रायसेन (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

III फिलौर विल्डिंग हन्मान गंज थाना घोड़ा निक्कास भोपाल।

> वी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 2-7-1975

प्ररूप आई॰ टी॰ एनं॰ एस॰---

जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जुलाई 1975
निर्देश सं० एम० श्रार०/भोपाल/18-11-74—श्रतः,
मुझे, बी० के० सिन्हा
भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
श्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो लिल्ली टाकी ज में स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत
है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन
18-11-1974
को प्रबंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दश्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः, अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती निर्मिला गुप्ता पत्नी विनोद चन्द्र गुप्ता निवास सुल्तानिया रोडभोपाल (भ्रन्तरक)
- (2) श्री सन्त निरनकारी मनडल विल्ली-9 द्वारा रामसरन पुत्र सरदार निहाल सिंह सेकरेटरी संत निरनकारी मनडल दिल्ली (ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरन: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसुची

न्नाधा हिस्सा प्लाट ऐरिया 72,5 फीट × 164,5 फीट पास में लिल्ली टाकीज भोपाल।

> बी० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 1-7-1975

प्रकप धाई वटी वएन वएस व---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 20 जून 1975

निदेश सं० ए० एस० भार०/101/75-76---यतः मुझे, बी० घार० सगरं, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भन्निक है ग्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो हाल बाजार, ग्रम्तसर में स्थित है (घीर इससे उपाबद घनुसूची में घीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, तारीख नवस्वर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों), ग्रौर **ब**न्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम,' के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त भिधिनियम' या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत :---

- ् (1) श्री बुध सिंह सपुत्र श्री कर्म सिंह चौक पासीयों," भमृतसर (ग्रस्तरक)
- (2) श्री विश्वामित्र सेठ सपुत्र श्री लक्ष्मन दास हाल बाजार, श्रमृतसरः '(श्रीनेतिरिती)
- (3) श्री विश्वामित्न, सुखदेव स्मिह, क्षादी लाल, परकोत्तम दास, श्रीमती सुरिन्द्र पुरी तथा दूसरे किराएदार।
 - (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रुखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के मानक में कोई भी गाओं ---

- (क) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति, में हितबक्ष किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के शास विखित में किए जा सकेंगे।

हमध्दीकरण--इसमें प्रयुक्त मन्दों भीर पदों का जो 'उंक्त बिधिनियम' के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित है। बही भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति नं ० 526, 527, तथा 474, 475 तथा 58, 59, 60, 61/1-1 हाल बाज़ार श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 260% नवम्बर अ974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी श्रमृतसर में है।

कील भार सगर, संसंध प्रधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), कर्जन टेंज सम्बंधीर ।

तारीख: 30-6-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/102/75-76--यतः मुझे वी० ग्रार० सगर आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर, 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरूय से कम के दृश्यमान के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः, अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 4—176GI/75

- (1) श्री ग्रजायब सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव तुंगपाई तहसील श्रमृतसर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मैसर्ज जजू ड़ाईंग एण्ड प्रिटिंग वक्स शिवनगर, बटाला रोड, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

- (क) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6910 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर (तहसील) में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ऋर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-6-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर भ्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० म्रार०/103/75-76--यतः मुझे, वी० भ्रार०, सगर भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों, ग्रार्थीत्:—

- (1) श्री हवेला सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव तुंगपाई, तहसील श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्ज जजू डाईंग एण्ड प्रिटिंग वर्क्स शिवनगर, बटाला रोड, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6911 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर (तहसील) में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम म्रधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, म्रमृतसर ।

तारीखा: 30-6-1975

प्ररूप धाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर
श्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० श्रार०/104/75-76—यतः मुझे, वी० श्रार० सगर,

भ्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रू० से श्रिधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगापाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रमृतसर (तहसील) में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मृल्य के दुश्यमान प्रतिफल क्म के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों;
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) ग्रधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों ग्रथीत:--

- (1) श्री जगतार सिंह सपुत्र श्री उजागर सिंह गाँव तुंगपाई (भ्रमृतसर) (भ्रम्तरक)
- (2) मैंसर्ज जजू डाईंग एण्ड प्रिटिंग वक्सं, शिवनगर, बटाला रोड, श्रमृतसर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी

 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयें होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6912 नवस्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्रमृतसर तहसील में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

तारीख: 30-6-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्चमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० म्रार०/105/75-76---यतः मुझे, वी० भ्रार० सगर, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम पदाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक ग्रजनाल। में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 19008 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास ≉रने कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित मुल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरकः (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :--

- (1) श्री देशाल सिंह सपुत्र हरी सिंह सपुत्र काला सिंह गाँव इब्राहीम पुर, तहसील ग्रजनाला जिला श्रमृतसर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री साधू सिंह सपुत्र नारायण सिंह, श्रीमती बवितर कौर पत्नी श्री साधू सिंह गाँव व हतसील अजनाला (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितवज्ञ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता धूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्राक्तों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपझ में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंक-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2575 नवम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी ग्रजनाला में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-6-1975

मोहरः

प्ररूप पाई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० ए० एस० ग्रार०/106/75-76--यतः मुझे, वी० स्रार० सगर, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो नजदीक ग्रजनाला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, भ्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 की पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

ग्रत: भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :---

- (1) श्री मित्र सिंह सपुत्र हरी सिंह सपुत्र कला सिंह इक्राहीम पुरा, तहसील म्रजनाला (म्रन्तरक)
- (2) श्री मनजीत सिंह, श्री मनोहर सिंह सपुत्र श्री साधू सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह वासी ग्रजनाला (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी) जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पड्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्टिनियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बड्डी ध्रषं द्वोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2508 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी ग्रजनाला में है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमतसर ।

तारीख : 30-6-1975

प्रकप आई० टी०एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/107/75-76--यतः मुझे,

वी० ग्रार० सगर,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की घारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जैतो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जैतो में रिजस्ट्रीकरण

ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिपत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धर्मने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुजिधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- (1) श्री जीता सिंह सम्युव्न श्री रत्न सिंह गाँव जैतो, पती सादा (श्रन्तरक)
- (2) श्री सतपाल, राजिन्द्र प्रसाद सपुद्धान श्री बृज लाल, मातारानी स्ट्रीट, जैतो (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 672 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जैतो में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

तारीख: 30-6-1975

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जुन 1975

निवेश सं० बी० टी० डी०/108/75-76—यतः मुझे, वी० श्रार० सगर, आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिविनयम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जैतो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जैतो में रिजस्ट्रीकरण, श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जीता सिंह सपुत्र श्री रत्न सिंह गाँव जैतो, पत्ती सादा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री किशोरी लाल सपुत्र खैरायती मल जैतो मण्डी (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पिख में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के श्र**र्थीन के** लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड**ीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों, का जो उक्त श्रधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रयें होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृतं विलेख नं० 671 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जैतो में है।

> वी० ब्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-6-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०—-

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० ए० एस० श्रार०/109/75-76--यतः मुझे, वी० श्रार० सगर
आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाँव बोहलिया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रजनाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख नवम्बर 1974 को उचित बाजार मूल्य से कम के स्थानर श्रिष्टल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मही

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधिधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) श्री सेवा सिंह सपुत्र हरनाम सिंह श्री श्राज्ञा राम सपुत्र वधावा राम, गाँव बोहलिया तहसील ग्रजनाला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री दलजीत सिंह, राणा प्रताप सिंह सपुत्रान श्री संविन्द्र सिंह सपुत्र बन्ता सिंह गाँव बोहलिया तहसील अजनाला (अब गाँव कोट मुहम्मद खाँ तहसील तरनतारन (अन्तरिती)
 - *(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - *(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण - - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2629 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी भ्रजनाला में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम म्रघिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख: 30-6-1975

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

भ्रम्तसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० बी० टी० डी०/110/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर, म्रायकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रधिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उस्त 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सुं० सम्पत्ति है तथा जो मोरा कर्लों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तलवँड़ी साबू में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था खिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः ग्रब, उन्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रतु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:-

- (1) श्री अलवन्त सिंह सपुत्र श्री नारायण सिंह गाँव मौर कला (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगन नाथ सपुत्र तिलोक चन्द, प्रकाश चन्द सपुत्र तिलोक चन्द, प्रकाश चन्द सपुत्र तिलोक चन्द, प्यारे लाल, शिव चन्द, देव राज, बिहारी लाल सपुत्रान मिलखी राम मोहन लाल सपुत्र श्री प्रकाश चन्द मार्फत मादा मल तिलोक चन्द, मोर मण्डी

(ग्रन्तरिती)

- *(3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)
- *(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जम के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1817 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी तलवेंडी सावू में है।

> बीं धार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 30-6-1975

मोहर :

5-176GI/76

प्ररूप चाई • टी • एन • एस • ——

भायकर धर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के धर्धीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, ग्रम्तसर

् भ्रमुप्तसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० बी० टी० डी०/111/75-76---यतः मुझे, बी० श्रार० सगर श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से ग्रिधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो नेहरू स्ट्रीट. भटिंडा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय. भटिंडा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख नश्चयर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया। गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्स श्रिधिनयम, के श्रशीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या भन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या भनकर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए;

धतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्निखिस व्यक्तियों, ग्रंथीत्:—

- (1) श्री ईशार दास सपुत्र श्री देसराज सपुत्र नत्थ्राम गासी भटिङा श्रव पाटर्नर विलोक सिलीकेट, यमुनानगर (अन्तरक)
- (2) श्री जनक दुलारी सपुद्धी श्री ग्रात्मा राम वासी नेहरू स्ट्रीट भटिंडा (श्रन्तरिती)
- (3) श्री भ्रो० पी० गोयाल किराएदार तथा जैसा कि मं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

जनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंडीकरण—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही धर्य होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ं मकान नेहरू स्ट्रीट, भटिंडा में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4390 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी भटिंडा में है।

> वी० प्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, श्रमृतसर ।

ता**रीख**ः 30-6-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 30 जुन 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/112/75-76—यतः मुझे बी० ग्रार० सगर ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्रवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो गोनियाना रोड, भीटडा में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यान्त्य, भीटडा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तिरत की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) भ्रन्सरण से हुई किसी भाय की वाबत, उक्त भ्राधिनयम, के भ्रधीन कर देते के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री सोमदत्त गुप्ता ट्रड़र्ज, हस्पताल बाजार, भटिडा । श्री मोहन लाल संपुन्न श्री बिलोरी मल, श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री मोहन लाल सदर बाजार भटिडा (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल सपुत्र श्री किंदार नाथ पुराना सट्टा बाजार, भटिंडा । (ग्रम्तिरती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - जो व्यक्ति सम्पत्ति में घिच रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के क्रिये एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, बही भर्ष होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4562 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैंन रेंज, ग्रमृतसर ।

सारीख: 30-6-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ग्रम्तसर

ममृतसर, दिनांक 30 जून 1975

- निदेश सं० बी० टी० डी०/113/75-76—-यत: मुझे वी० भ्रार० सगर मायकर प्रधिनियम 1961 (1961

(जिसे इसमें इसके **भ्**यचात् प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भ्रधिक है भीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो गोनियाना रोड भटिंडा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृख्य उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रनय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 11) या उक्त प्रधिनियम, (1922 का ग्रधिनियम, धन-कर 1957 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती (1957 का द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

भव उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात्:--

- (1) श्री सोमदत्त गुप्ता ट्रेडर्ज, हस्पाताल बाजार। भटिड़ा । श्री मोहन लाल सपुत्र श्री बिलोरी मल, श्रीमती स्नेहलता पत्नी श्री मोहन लाल सदर बाजार, भटिंडा (ध्रन्तरक)
- (2) श्री केदार नाथ सपुत्र श्री छोटे राम, पुराना सट्टा बाजार भटिंडा (म्रन्तरिती)
 - (3) श्री जसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हिच रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबन्ध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इ.स. सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त म्रधिनियम, के मध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही भ्रषं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4563 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी भटिंडा में है। वी० भ्रार० सगर

सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, भ्रम्तसर।

तारीख: 30-6-1975

प्रकृप भाई० टी० एन० एस० -

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, म्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/114/75-76--यतः मुझे बी० ग्रार० सगर प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि का प्लाट है तथा जो चकरीयाँ रोड, मानसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया

है :---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269 श की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, शर्यात :—

- (1) श्री राम जी दास सपुत्र श्री साधू राम क्लाथ मरचैन्टस, मानसा मण्डी, मानसा (श्रन्तरक)
- (2) श्री विश्वा नाथ सपुत्र श्री गँगा राम, मानसा। श्री जगदीश राए, कपूर चँद वगैरह सपुतान राम नाथ मार्फत महावीर फैक्टरी, मानसा (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं॰ 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी भारके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

चन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हो तो:-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख /45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3571 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मानसा में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, म्रमृतसर ।

सारीख: 30-6-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निदेश सं० एफ० डी० के०/115/75-76-यत: मुझे वी० भ्रार० सगर भायकर अधिनियम, 1961 (1961 町 43) (जिसे इसम ईंसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो मिशन ग्राऊँड, कोटकपूरा रोड़ मुक्तसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, मुझतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और ∤या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-अ उपधारा की (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री शिवनन्दन लाल ग्ररोड़ा, प्रीतम सिंह तथा श्री दयाल सिंह सन्धू वासी मुक्तसर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सखन सिंह सपुत्र श्री जगनन्दन सिंह, दलजीत कोर पत्नी सखन सिंह मान, श्रीमती कुलवन्त कौर सपुत्री जगनन्दन सिंह, श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी श्री जगनन्दन सिंह, गाँव श्रबुल खुराना। (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 2253, 2254, 2255 तथा 2256 नवस्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी मुक्तसर में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रिधिकारी सङ्गायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर।

तारीख: 30-6-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 30 जून 1975

निर्वेण सं० एम० जी० ए०/116/75-76—यतः मुझे वी० ग्रार० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पलि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से ग्रधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गाँव चोटीयाँ कलाँ में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मोगा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूर्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूर्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 के अन्तरिती द्वारा प्रयोजनार्थ प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त श्रधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पिक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री पाखर मिह सपुत्र प्रताप सिंह यपुत्र सरमुख सिंह वासी नत्थूयाला जदीद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमर सिंह सपुत्र सुच्चा सिंह, श्री मिल्कयत सिंह तथा जगीर सिंह सपुत्रान मुख्चा सिंह वासी गाँव काहन सिंह वाला, डाकखाना सादा सिंह वाला।

(ग्रन्तरिती)

- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (यह व्यक्ति, जिपके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्शारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5414, 5415 तथा 5416 नवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मोगा में है।

> वी० स्नार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 3**0**-6-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक: 6 जून 1975

निदेश स० राज०/स० श्रायु० श्रर्जन /242--यतः मुझे, एस० श्रार० वेश्य,

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी

को यह विश्वास करमे का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० विस्तृत वर्णन नीचे हैं तथा जो झालाना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 7 दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

प्रात्तिल के गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तिविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिश्चित्यम' के ग्रिश्चीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रत: भ्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्

(1) श्री धनम्यामदास ग्रग्रवाल पुत्र श्री ईम्बरदास ग्रग्रवाल, 49 डबसन रोड़ हावड़ा (पं०बंगाल) द्वारा मुख्त्यार ग्राम श्री हरीसिंह पुत्र ठा० विजेसिंह 'सी' स्कीम, जयपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुलतान सिंह पुत्र श्री कान सिंह बंगला नं० 12 सिविल लाइन जयपुर (राज०)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्वो का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम झालाना चौड, दुर्गापुरा फार्म् तह० सांगानेर जिला जयपुर स्थित खसरानं० (पुराना) 68 पार्ट वाली 30 वीघा भूमि उपाबधीं (appurtenances) सहित,

> एस० भ्रार० वैश्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 6-6-75

प्रकप प्राई॰ टी० एन० एस०-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय मर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर तारीख: 6 जुन, 75

निदेश सं० राज० स० श्रायु० श्रजंन/243—यतः मुझे, एस० श्रार० वैष्य,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० विस्तृत वर्णन नीचे हैं तथा जो झालाना में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण (1908 का 16) के श्रधीन, 1908 तारीख 9 दिसम्बर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त-रकों) और भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव 'उन्त ग्रधिनियम,' की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उन्त 'ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत निम्निचित व्यक्तियों, भर्यात :—

- (1) श्री चनस्यामदास अग्रवाल पुत्र श्री ईश्वर दास अग्रवाल द्वारा मुख्त्यार आमि श्री हरीसिंह पुत्र ठा० विजेसिंह सी स्कीम,जयपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री दिग्बिजय सिंह पुत्र श्री सरदार सिंह उनियारा बाग जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांक्षेग:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ग्राम झालाना चौड दुर्गापुरा फार्म, तह० सांगानेर जिला जयपुर स्थित खसरा नं० 71 (पुराना) वाली 12 वीघा 10 विस्वा भूमि उपाबंधों (appurtenances) सहित ।

> एस० ग्रार० वैष्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, जयपुर।

तारीख : 6-6-1975 <u>।</u>

मोहर:

6-176GI/75

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 6 जून 75

श्चर्जन रेंज, जयपूर

निदेश सं० राज०/स० मायु० मर्जन/244—यतः मुझे, एस० भ्रार० वैश्य,

भायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है और जिसकी सं विस्तृत विवरण नीचे हैं तथा जो झालाना में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28 नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किना बवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई मिली आय की बासत 'उमत' अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी झन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या झनकर अजिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम अस्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए;

अतः, अब, 'उक्त अधिनिवम' की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निणिखत व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री घनण्याम दास ग्रग्नवाल पुत्न श्री ईण्वर दास ग्रग्नवाल, 49, डबसन रोड, हावड़ा (प० बंगाल) द्वारा मुख्त्यार ग्राम श्री हरीसिंह पुत्न ठा० विजेसिंह सी स्कीम, जयपुर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री केशारी नन्दन जैन पुत्र श्री वृद्धा लाल जैन, 34, विकासपथ अलवर, हाल जयपुर रामबाग क्वार्टर्स, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतवृद्वारा कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो तो:~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम झालाना चौड, दुर्गापुरा फार्म तह० सांगानेर जिला जयपुर स्थित खसरा न० (पुराना) 91 (नया) 300, 301, 302 एवं 303 वाली 12 बीघा 5 बिस्वा भूमि उपाबन्धों (appurtenances) सहित ।

> एस० धार० वैश्य, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 6 जून, 1975

प्ररूप भाई० टी० एम० एस० -

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) म्पर्णन रेंज-I, मम्बई

बम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्धेण सं० श्रई-1/996-4/नवम्बर, 74.--श्रतः, मुझे, श्री

ध्रायकर घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 21657 ग्रीर कंबालाहिल डिव्हीजन है, जो 218 ताडदेव रोड, में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 1-11 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अधीन देने अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत:, अब, 'उब्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में मै, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (1) **ग्राप्तीम** निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थातु।—

1. मैंसर्स निलकमल एक्झीबीयर्स, (भ्रन्तरक) 2. म सर्स निलकमल एक्झीबीयर्स प्रा० लि० (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षा) इस सुचना के राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 धिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि या मैदान का वह तमाम दुकड़ा जो माप से 2769 वर्ग मीटर है या 3312, 37 वर्गगज या उसके समकक्ष बनी इमारत सहित है और इमारत खड़ी की गई है जो गंगा जमुना थिएटर के नाम से ज्ञात है श्रीर जो 218 ताडदेव रोड (जावजी दादाजी रोड) पर स्थित है भ्रौर जो रिजस्ट्रेशन उपजिला भीर बम्बई जिला में है और जो म्युनिसिपल कि 42,50,50ए० और डी० वार्ड नं० 3677 के प्रन्तर्गत पंजीकृत है और जिसका केंग्रेस्ट्रल सर्वेक्षण क० 22/657 मलबार भौर कंबाला हिल डिव्हीजन है भूराजस्व संग्रहक के नये सर्वेक्षण ऋ० ए०/809, 1328, 1353, 1524, 2995, ए०/2140 के अन्तर्गत निर्धारित है और जो निम्न प्रकार से घिरा हुन्ना है ऋर्थात् उत्तर की स्रोर से सर दिनणां पेटीट 11 बारनेट की जायदाद द्वारा दक्षिण की भ्रोर से भांशिक रूप से महापालिका रोड भ्रौर भ्रांधिक रूप से प्लांट नं० 2 क्लायमें क्स इंडस्ट्रीयल सींडीकेट की जमीन द्वारा पूर्व की भ्रोर से श्रांशिक रुप से बम्बई महा नगर पालिका की जमीन श्रौर श्रांशिक रूप से सर दिनशा पेटीट 11 बारनेट के स्टस्टीज की जमीन द्वारा पिष्यम की श्रोर से सर दिनशा पेटीट 11 बारनेट की जायदाद द्वारा।

> श्री शं० फड़के, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख: 10 जुलाई, 1975।

प्ररूप माई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 जुलाई, 1975

निर्देश सं० भ्र-ई 3/635/74-75:—-भ्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा,

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- र० से अधिक है भौर जिसकी सं० नं० 177 सी० टी० एस० नं० 2499 प्लाट नं० 131 है, जो एक्सरे बेरिबली (पूर्व) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 5-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्थमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

यतः, अब, धारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः--

- श्री तरुणकुमार सी० नानावटी, श्रीमती कलावती तरुण-कुमार नानावटी, धार० के० बिल्डिंग, 39 खेतवाडी बम्बई-4 (धन्तरक)
- 2. मैंसर्स ढाबलिया बिल्डर्स द्वारा जगदीम स्टील कार्पी० एम० जी० रोड, इलरोस होटेल, बोरिवली (पूर्व) (ग्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती सरोज सुरेश शाह, श्री महेन्द्र रतीलाल दोशी, श्री मनुभाई जीवनजी नायक, श्री केशवराव ग्राबसाहेब लाड (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमिखंड प्रथवा उसका भाग जो एक्सर दो लखनगर बोरीवली पूर्व सड़क नं० 9 पतले तालुका भ्रौर उप-जिला को रावली भ्रभी बृहत्तर बम्बई जिला भ्रौर उप-जिला बम्बई उपनगर में स्थित है, माप में 500 वर्गगज समकक्ष 418.05 वर्गमीटर है जिस पर एक पहले की इमारत जिसका सर्वेक्षण नं० 177 भौर जिसका सिटी सर्वेक्षण नं० 2499 भीर जिसका प्लाट नं० 131 है भ्रौर इस प्रकार घरा हुआ है ।

पूर्व की ग्रोर से प्लाट नं० 208 की जायदाद द्वारा पश्चिम की ग्रोर से प्लाट नं० 9 द्वारा, उत्तर की ग्रोर से प्लाट नं० 129 की जायदाद द्वारा, दक्षिण की ग्रोर से प्लाट नं० 133 की जायदाद द्वारा।

> जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज 3, बम्बई ।

तारीखा: 7 जुलाई, 1975

प्ररूप धाई० टी॰ एन० एस०-

मायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

ार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० भ्र०ई०-1/1002-10/नवम्बर, 74:---भ्रतः मुझे, श्री शं० फडके,

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ द० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० सर्वे नं० 217 एन्ट्री नं० 432 है, जो 24 माऊंट मेरी रोड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता, ग्रधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 11-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, 'उक्त मधिनियम', के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्य में क्षमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मीर/पा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियांगया था, या किया जामा चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रंब 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थातु:— 1. श्री डी० ग्रार० सोल्जर

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स डायमंड कन्स्ट्रवशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों झीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के झब्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं झर्च होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि या पट्टेवाली जमीन का वह तमाम दुकड़ा गृहवाटीका भौर निवास गृह या बंगलो भाऊट हाऊस सहित जो भव रीट्रीट नाम से ज्ञात जो 24 माऊंट मेरी रोड़ बाद्रा में स्थित या मौजूद है जो माप से 2553 वर्ग गज या 2134.63 वर्गमीटर या उसके समकक्ष है सर्वे नं० 217 भौर इन्ट्री नं ० 432।

> श्री ग्रं० फडके, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज,1, बम्बई

तारीख: 10 जुलाई, 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस•---

मायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्वालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता,

तारीख: 17-7-75

निदेश सं० टी० प्रार०-362/सी०-348/कल-1/74-75:—
यतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती
अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्
'उक्त अधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- र०से प्रधिक
भीर जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है
(श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेंट पलेस नार्थ,
कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनयम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रधीन, तारीख 16-12-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्थह प्रति-शत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अस्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिय-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविका के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्री हेमचन्दः रामचन्दः

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा ग्रीर तिलक प्रानजीवन जेठा (ग्रन्तरिती)
- श्री बी० मधुकर एण्ड कंपनी
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्धारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध काव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं ० 48, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का 1/18 प्रविभाजित भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्ठा 8 छटाक कम या ग्रिधिक हैं।

> एस० के० चकवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16,

तारीखः 1*7-7-75* मोहरः प्ररूप आई० टी० एम० एस०——

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज~I

कलकत्ता, दिनांक 17 जूलाई 1975

निदेश सं० टी० भार०-268/सी०-265/वंबई/64-65-श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम,'कहा गया है) की बारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकसा स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वासं करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्देश्य से अन्तरण शिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं** किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269 - ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ध की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थाःत् 1. श्री भगवान दास रामचन्द

(ग्रन्तरक)

- 2. श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा श्रौर विलक प्रानजीवन जेठा (श्रन्तरिती)
- 3. श्री बी० मधुकर एण्ड कंपनी (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पथ्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं० 48, इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का श्रविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्र फल एक मकान (पक्का) के साथ 12 कट्टा 8 छटौंक है।

> एस० के चक्रवर्ती, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), सक्षम भ्रधिकारी, भ्रजन रेंज,—I 54, रफीभ्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16,

तारीख: 17-7-75 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन०एस∙----

म्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज.—I

कलकता, दिनांक: 17-7-75

निदेश सं० टी० म्रार०-276/सी०-267/बंबई/74-75---श्रतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रंधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से भ्रधिक हैं। श्रौर जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बंबई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि--नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुम्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और मन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, जक्त मधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

मत: मब उन्त प्रधिनियम की धारा 26 9-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात :--- 1. श्री धर्मदास राम्बन्द

(भ्रन्तरक)

- 2 श्री मधुकर प्रानजीवन जेटा श्रौर तिलक प्रानजीवन जेटा (ग्रन्तरिती)
- श्री वी० मधुकर एण्ड कंपनी
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें ऋयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याम में विया गया है।

अनुसूची

संपत्ति नं ० 48, इजरा स्ट्रीट, फलकत्ता का मिविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्टा 8 छटौंक कम या मिधक एक पक्के मकान के साथ है ।

> एस० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीखाः 17-7-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-I,

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निदेश सं० टी॰श्रार०-300/सी०-289/बम्बई/74-75:---श्रतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से श्रीर जिसकी सं० 48 है तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16-12-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से के दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भ्रौर अन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में भास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्चित्यम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- . (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, म उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:——7—176GI/75

1. श्री देवीदास रामचन्द

(भ्रन्तरक)

2 श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा ग्रौर तिलक प्रानजीवन जटा वी० मधुकर एण्ड कम्पनी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्न में श्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पढ़ों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

/ अमुसूची

सम्पत्ति नं० 48, ईजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का ग्रविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्टा श्रौर 8 छटांक कम या श्रधिक एक पक्के मकान के साथ है।

> एस० के० चन्नवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

तारीख: 17 ज्लाई, 1975

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1,कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निदेश सं० टी०श्रार०-280/सी०-263/कल-1/74-75:—-श्रतः, मुझ एस० के० चऋवर्ती,

आधकर भ्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० 12/1 है तथा जो मैक्टियाड स्ट्रीट, कलकता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गर्वनमेंट प्लेस नार्थ, कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-5-74 को

का 16) क श्रधान 26-5-74 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे

यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और

यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के

बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

कप से कथित नहीं किया गया है:──

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अन, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सचीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती गुणीला देवी श्रग्नवाल पत्नी दशरथ लाल श्रग्नवाल (1) वासी श्रहमद (2) फारूक श्रहमद (3) शबीर श्रहमद सभी मोहम्मद सलीम के पुत्त (4) शाबिद हुसैन (नावालिग) (5) ताज श्रख्तर नूरी, (नावालिग) पिता तथा वैध संरक्षक श्री ए० जब्बार नूरीद्वारा (6) कमाल श्रन्जुम (नावालिग) पिता तथा वैद्य संरक्षक श्री ए० श्रजीम श्रजम द्वारा, सभी का निवास स्थान
- 2. पिता तथा वैध संरक्षक हाजी ग्रब्दुल सत्तार द्वारा (1) सुखदेव ठाकुर (2) सन्तत ग्रली (3) बसीर (4) ग्राई०वी० कामिमेड, (5) देवनाथ धोबी, (6) विशेष्वर

38, जगदीश चन्द्र बोस रोड़ कलकत्ता-17।

(7) सैयद किश्वर ग्रली (8) मालूक ग्रली (9) एच० हाल (10) ग्रकुल बाहब (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करवायी भूमि का भाग जिसका क्षेत्रफल 4 कट्ठा 9 छटांक और 43 वर्ग फुट कम या प्रधिक एक दो तल्ले मकान के साथ जिसका नम्बर 12/1, मैक्लियाड स्ट्रीट, कलकत्ता है।

> एस० के० चऋवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 कलकत्ता 54, रकीग्रहमद किदवाई रोड़ कलकता-16

तारीख: 17-7-1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बिहार,

पटना, दिनांक 17 जुलाई, 1975

निर्देश सं० III-101/म्रर्जन/75-76/493:—-यतः, मुझे ज्योतीन्द्र नाथ,

श्रधिनयिम, 1961 भ्रायकर (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से अधिक है म्ल्य 25,000/-रु० ग्रौर जिसकी सं० मु० रो० ब०-665 वार्ड नं०-13 है तथा जो बड़ी, बाजार, मिलिट्री बाजार (मुंगेर) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबत <mark>प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्</mark>णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1. श्रीमित धारिली मिल्लिक जौजे, श्री केदार नाथ मिल्लिक सा०-श्री कृष्ण रोड़, धोणीटोला-बड़ी बाजार पो०/जिला-मुंगेर वर्तमान पता:—सा० श्रीखण्डा, थाना-कटवा जिला-वर्दवान (पं० बंगाल)। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित रामरती देवी जौजे, श्री विजय कुमार सिंह, श्रीमित सुभद्रा देवी जौजे, श्री श्ररुण कुमार सिंह सा०/पो०-महेशपुर जिला-मुंगेर। (श्रन्तरिती)
- (3) श्रीमित रखा देवी जौजे, श्री रामणीस सिंह सा०/पो०-मालदाह, जिला मुंगेर । (4) श्रीमित-मीरा देवी जौजे, श्री जय शंकर प्रसाद सिंह सा०-रामपुर, पो०-श्रभयपुर (पीरीबाजार) जिला-मुंगर ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मंजिला पक्का मकान के साथ जमीन रकबा 9 कट्ठा 5 धूरग्रौर 12 धूरकी, प्लाट नं०-34, तौजी नं०-1333 मुनिशिपल हो० नं० 665 वार्ड नं०-13 स्थित बड़ी बाजार, मिलिट्री बाजार थाना वो जिला मुंगेर जो कि दस्तावेज नं०-6685 दिनांक 8-11-74 में पूर्णतया वर्णित है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 17 जुलाई, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के श्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० टी० श्रार०-274/सी०-269/कल०-1/74-75:— श्रतः मझ, ए० के० चक्रवर्ती,

श्रायकर, श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह औसे श्रधिक है

भीर जिसकी सं० 69 है तथा जो प्रिन्सेप स्ट्रीट (ग्रभी 39 विष्लवी अनुकूल चन्द्र स्ट्रीट) कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, 5 गर्वनमन्ट प्लेस नार्थ, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक ' के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, 'उक्त भिधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भिधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों भ्रयीत:--- 1. श्रीमती चम्पावती (हेमनदास)

(ग्रन्तरक)

2. डा० श्रीमती शकुन्तला मुखर्जी, (1) महावीर सा मिल्स (2) कल्मलेन्द्रनाथ मुखर्जी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि था तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 69, प्रिन्सेप स्ट्रीट, कलकत्ता (प्रभी 39, विष्लवी श्रनुकूल चन्द्र स्ट्रीट) जिसका क्षेत्रफल 2 कट्ठा 11 छटांक है।

एस० के० चक्रवर्ती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I
54, रफीग्रहमद किदवाई रोड
कलकत्ता-16

तारीख: 18-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 जुलाई 1975

ि निदेश सं० टी० भ्रार०-275|सी-268|बंबई|74-75— श्रतः मुझे, एस० के० चकवर्ती अग्रकर स्पिनियम 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें

आयकर प्रिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 48 हैं तथा जो एजरा स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, वंबई में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 11-11-74 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षणपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, श्रब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नशिखित ध्यक्तियों, अर्घातः—

1. श्री ग्रम्तलाल रामचन्द

(भ्रन्तरक)

श्री मधुकर प्रानजीवन जेठा श्रीर तिलक प्रानजीवन जेठा
 श्री वी० मधुकर एण्ड कंपनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

संपत्ति नं० 48 इजरा स्ट्रीट, कलकत्ता का श्रविभाजित 1/18 भाग जिसका क्षेत्रफल 12 कट्ठा 8 छटाँक एक पक्का मकान के साथ है।

> एस० के० चक्रवर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

ता**रीखः** 1*7-7*-1975

प्ररूप स्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-१, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16-7-1975

निदेश सं । X /3/117/1974-75---पतः मुझे, जी व्यी शाबक आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु से श्रधिक है और जिसकी सं । 12/13, पी वी विश्वास में श्रिधक है जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16 नवम्बर

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क, ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :— (1) श्री के० वेंकटा चलम, बंगलूट

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० सूसीला देवी, मद्रास-21 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पैत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संब्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, रायपुरम पी० वी० कोईल स्ट्रीक डोर सं० 12 श्रौर 13 में 2055 स्कुयर फीट का भूमि श्रौर मकान ।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–I, मद्रास

तारीखाः 16-7-1975

ग़ेहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (।) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1975

निदेश सं० IX/3/118/74-75—यतः मुक्ते, जी० वी झावक

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 व 13, है, जो पी० व० कोईल स्ट्रीट, मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16 नवस्बर के को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित मुरूय से कम कें दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई श्रीर मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

भतः भव उक्त भ्रधिनियम की धारा 2,69-ग के भ्रनुसरण में. मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 2,69-भ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--- (1) श्री के० वेंकटाचलम बंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रार० सूसीला देवी, मद्रास (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मद्रास, रायपुरम पी० वी० कोईल स्ट्रीट डोर सं 12/13 में 1888 स्कुयर फीट का भूमि भौर मकान (ग्रार० एस० सं० 639 (भाग) ग्रीर 640/भाग) ।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~I, मद्रास

तारीख: 16-7-1975

प्ररूप आई० टी० एत० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 जुलाई 1975 निदेश सं० IX/3/115/74-75--- यतः मुझे, जी० वी० झावक **श्र**धिनियम भ्रायकर 1961 (1961 কা (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 41, स्पर टांक रोड, जो मद्रास-31 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नवम्बर 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-' नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ग के अनुसरण में। मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री एन० रामकृष्णन, मद्रास-31

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती दवी० रडी० ईस्वरम्मा ग्रोर श्रादी, मद्रास-34 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, स्पर टॉक रोड डोर सं 41 में 3722 स्कुयर फीट का भूमि श्रीर मकान (श्रार० एस० सं० 407/1 भाग)।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 16-7-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 जुलाई 1975

निर्देश सं० एक्स/10/17/74-75---यतः मुझे, जी० वी० भावक ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है') की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है और जिसकी सं० 22, टीन हाल रोड, जो मदुरै में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन नवम्बर 74 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्धत का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षायत नहीं

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखत व्यक्तियों अर्थात:--8--176G1/75

- (1) श्रीमती मीनाक्षी श्रम्माल श्रीर ग्रादी मदुरै (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० छम्मा हबीबा बीबी, महुरै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन</mark> के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित ह, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै, टौन हाल रोड डोर सं० 22 में 1260 स्कुयर फीट का भूमि श्रौर मकान (टी० एस० सं० 349) ।

> जी० वी० झाबक सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज–I, मद्रास

तारीख: 5-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस∙--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 16 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/धुले/नवस्बर 74/——यतः मुझे, एच०— एस० श्रीलख

म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सं ं नं 524/3 है तथा जो मौज कसबा, धुले में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, धुले में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूथिया के लिए।

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात्:— (1) श्रीमती सरूबाई धर्मा कंद्रे, धुले

(श्रन्तरक)

- (2) (ए) श्रीमती सोनाबाई शंकर इस्वार
 - (बी) श्रीमती शांताबाई किसनराव क्भार
 - (सी) श्री० हरी महादू खंडाले
 - (डी) श्री० सूर्यभान महादू खंडाले सभी रहने वाले, शिवाजीनगर गट नं० 3 धुले (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि जो भी अवधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ़ी होल्ड शेतजमीन, सं० नं० 524/3, मौजे कसवा, धुले म्युनिसोपल कक्षा में क्षेत्रफल 4 हेक्टर्स 75 धार

> एच० एस० श्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 16-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं े ग्राई०ए०सी०/एक्यू० 1 1/85 1/75/76/1657-यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं 3601 से 3615 (न या) श्याम भवन है जो फैज बजार, दरयागंज , दिल्ली में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 18-12-74

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुक्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के घधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बृज किशोर गुप्ता, सुपुत्र श्री ग्रोम प्रकाश संरक्षक नाबालिग पुत्र श्री राजीव कुमार तथा श्री संजीव कुमार, निवासी 100, सुन्दर नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बलदेव राज जुनेजा, सुपुत्र श्री एच० एल० जुनेजा निवासी 23-डी, विजय नगर, दिल्ली-9 (श्रन्तरिती)
 - 1. श्री ग्रार०सी० (3)द्कान नं० 1 ग्रानन्द

2. श्री राम लुभाया दुकान नं० 2

3.	श्री सातिन्द्र कुमार	दुकान न	रं० ३	
4.	श्री रतन सिंह	दुकान न	jo 4	
5.	श्री एम० एल० शर्मा	मकान व	नं० 15 <u>~</u>	14
6.	श्री एन० एल० शर्मा	मकान	नं०	15-16
7.	श्री भ्रचरल राम	मकान	नं०	17
8.	श्री एस० एन० चौपड़ा	मकान	नं० 1	18
9.	श्री उजागरमल जगन्नाथ	मकान	नं०	19
10.	श्री नहर राम	एक कि	लको .	
11.	श्री बिशन सिंह	फ्लेट नं	13पर	2 मंजिल
12.	श्री दयाल सिंह	फ्लेट	नं०	7
13.	श्री सत प्रकाश	फ्लेट	नं ०	6
14.	श्री जी० एस० बेदी	फ्लेट	नं ०	5
15.	मै० राम चन्द श्याम लाल	(फ्लेट	नं ०	8

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित~ बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फी होल्ड प्लाट की भूमि जिसपर दुर्माजला बिलर्डिंग में दुकानें तथा बरसाती बनी हुई हैं जिसका क्षेत्रफल करीब 1700 वर्ग गज है, जो कि 4718 से 4757 (पुराना) तथा 3601 से 3615 (नया), दरया गंज, दिल्ली-6 में श्याम भवन के नाम से प्रसिद्ध है।

> एस० एन० एल० भ्रम्भवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज $\sim 1/2$, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-7-1975

प्ररूप श्राई • टी • एन • एस • ----

ध्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004 पूना-411004, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं०सी० ए० 5/ नवम्बर '74/हवेली-H—यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी संख्या सि० एस० ऋ० 231/2 है तथा जो नाना पेट (पुना) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-11-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बाजार मृल्य से कम **ध्रन्सरित** की गई है ग्रीर मुझे यह विष्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भुल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रक्षिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन-कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) मेसर्स नाटेकर बंब कन्स्ट्रवशन कंपनी 1206 बी/15 शिवाजी नगर, डेक्कन जिमखाना पूना-4 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री नचीकेन को--ग्रॉपरेटिव हार्ऊासंग सोमायटी चेयरमन-बैंकट कुमार दामोदर तोष्णीवाल 231/2 नाना पेट, पूना-2 (ग्रन्तरिती)

- (3) 1. श्री गणपत लाल हेमाजी परमार
- 2. श्री चतुर्भोज बिशंभरदयाल ग्रगरवाल
- 3. श्री मोहनदारा वसीयोमल वाधवानी
- 4. सौ० पानीबाई चंदनमल सोलंकी
- 5. श्री बंसीलाल जिवराज वंब
- 6. श्री रसिकलाल माणिकचंद थाडीवाल
- 7. श्री रमेशलाल लखनलाल हेमराजानी
- श्री भ्रात्माराम पृथीसिंह शर्मा
- 9. श्री माणिकचंद नारायणदास दुगड
- 10. श्री बंकटलाल दामोदर तोषनीवाल
- 11. सौ० फुलकंबरबाई भगवानदास परतानी
- 12. सौ० सूरजकंबरबाई श्रानंद राम कोठारी
- 13. श्री मन्तालाल गोविंदराम धून सौ० लिलावाई म० धुन
- 14. श्री गुगवंतराव गंगाधरे जिनकर
- 15. श्री चुनिलाल लालचंद फाजेड
- 16. श्री विश्वनाथ चन्द्रशेखर शिलवंत
- 17. श्री हर्षकुमार पोपटलाल बंब
- 18. श्री ऋरणकुमार पोपटलाल बंब
- 19. श्री किरणकुमार पोपटलाल वंब
- 20. श्री नंदलाल मुरलीधर मणियार
- 21. श्री हरिकिसन गंगाबिसन मणियार
- 22. श्री विनोदकुमार पोपटलाल बंब

सबका पता:--निवकेन को०-ग्रॉप० हाँसिंग सोमायटी लि० 231/2, नाना पेठ, पुणें-2

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्स सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों को, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृक्षी

फ्री होल्ड-मोनरिभण नेमीस के प्लाट्ग 231/2 नाना पेठ. पूना-2 जमीन का क्षेत्रफल-3678 वर्ग फीट प्लॉट--भॉप कापेंट एरिया-7098 वर्ग फीट जिसा कि रजिस्ट्रीकत के विलेख नं० 2049 नवम्बर '74 में सबरजिस्ट्रार हवेली-II(पूना)के दफ्तर में लिखा हैं]

> एच० एस० ग्रौलख सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

त्रारीख: 11-7-1975

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०----

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज---चार, बम्बई

वम्बई, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 207/प्राई०ए०सी०/ए०ग्रार-4/ 75-76--- अतः मुझे श्री एम० जे० माथन सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चार बम्बई, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त श्रिधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० -143/9 जो सर्वेक्षण नं० 143 है जो गांव--ग्राम्बीवली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उप० र० वम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का. 16) के प्रधीन दिनांक 15-11-1974 को सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य के लिए ग्रन्तरित कम के दुश्यमान प्रतिफल है श्रीर यह विश्वास मुझे कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और है भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत प्रिश्चित्यम, या धनकर श्रीश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा श्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. जिम रुसदिन प्रा० लि० 16/ए ग्रलटा माऊंट रोड, खम्भला हिल, बम्बई-26 (ग्रन्तरक)
- 2. सेन्ट लूईज सोसायटी सेजर रोड, श्राम्बोली अन्धेरी पश्चिम बम्बई--58 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं:——

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का बह तमाम टुकड़ा या जमीन का खण्ड या जमीन जो गांव ग्राम्बीवली में जो पूर्वतः उपजीला वान्द्रा में साउथ सालसेट तालुका बम्बई उपनगर में स्थित हैं, जिसका हक अधिकार के प्रभिलेख दि० 28 नवम्बर, 1969 में सर्वेक्षण भौर भू० प्रभिलेख के जिला निरीक्षक द्वारा कियक किये गये क्षेत्र मापन बम्बई शहर के प्रनुसार उसके नं० 2692(2) के अन्तर्गत लिखित हैं—माप में 4177 वर्गगज ग्रथवा 3493 वर्गमीटर या उसके आसपास है जिसका प्लाट नं० 143/9 जो व सर्वेक्षण नं० 143 जो ग्राम्बीवली गांव में हैं थौर उक्त जगह साथ में लगाये हुए संलग्न प्लान के प्रनुसार इस प्रकार घरा हुया है प्रथात पूर्व की ग्रोर से प्लाट नं० 143/8 ग्रीर सर्वेक्षण नं० 143, ग्राम्बीवली है, द्वारा उत्तर की ग्रोर से 30 'चौरा ग्रांतरिक बनाया हुया रस्ते द्वारा पश्चिम की ग्रोर से प्रथा की ग्रोर हिसण की ग्रोर से प्रशा की ग्रोर से प्रशा की ग्रोर से प्रशा की ग्रोर से प्रशा की ग्रोर से व्याग की ग्रोर से प्रशा की ग्रोर से व्याग की ग्रोर की ग्रांतरिक बनाया हुया रस्ते द्वारा पश्चिम की ग्रांत से विस्ता की ग्रोर की ग्रांतरिक वनाया हुया रस्ते द्वारा प्रशास की ग्रोर की ग्रांतरिक वनाया स्था की ग्रांत व्याग की ग्रांत की ग्रा

्मर जेर पाथन. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेन रेज-चार, बस्बई

तारीख 10-7-1975 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना 411004

पूना-41/1004, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए०5/नवम्बर'74/हबेली-II/(पूना)/ 214/ 75-76--यतः मुझे एच० एस० ग्रीलख म्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे ऋ० 101 बी सि० टी० एस० ऋ० 2073-ऐ है तथा जो येखडा (पूना) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हवेली-II (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-11-1974 को उचित पुर्वोक्त सम्पक्ति के बाजार मृत्य दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की मुझे गई है श्रीर यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- श्री दि महाराजा आंफ धार द्वारा—नानु होरमसर्जी एण्ड कंपनी के सॉलीसीटर्स फोर्ट, बम्बई (श्रन्तरक)
- 2. दि सोसायटी स्रॉफ कारमेलिट्स, ट्रस्टी—रेव्ह० सिस्टर श्रॅडेलरीच 9 बर रोड, पूना-3 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के धर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पब्दोकरण:-इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के श्रध्याय 20 क में परिचाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फीहोल्ड बिल्डिंग—सर्वे क० 101, बी, सी०टी० एस० क० 2073-ए प्लॉट क०—18, ग्रहमदनगर रोड, येरवडा, पूना जमीन का कुल क्षेत्रफल—87120 वर्ग फीट बिल्डिंग (ग्राऊट हाऊस सह) क्षेत्रफल—12000 वर्ग फीट जिसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1216, नवम्बर 74 में सब रजिस्ट्रार हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है]

एच० एस० श्रौलख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 11-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद-I, दिनांक 11 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यु० 23-1-423 (204) 16-6/ 74-75--थतः मुझे जे० कथूरिया भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), सक्षम प्राधिकारी को, की धारा 269-ख के अधीन यष्ट विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक भ्रौर जिस की सं० सर्वे नं० 297 पैकी है तथा जो राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने के लिए सूकर बनाना; और/या

मे कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, के लिए सुकर बनाना।

अतः अब, उक्त प्रधिनियम द्यारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) मैसर्ज गुलाबराय एण्ड कम्पनी, पंचनाथ, राजकोट के हेतु तथा उसकी घोर से भागीदारः—
 - (1) श्री घनश्याम बाबु हरिलाल
 - (2) श्री मणिसाल हरिलाल
 - (3) श्री गुलाबराय हरिलाल (ग्रन्तरक)
- (2) श्री गुरुजन को० श्रापरेटिय हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड, 19, केवडावाडी शेरी, राजकोट
 - (1) श्री हरगोविन्ददास प्रभुदास (प्रधान)
 - (2) श्री भावसंग खेंगारजी (उपप्रधान)
 - (3) श्री शान्ति लाल माधवजी

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्ग्रारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बिन खेती वाली भूमि जो श्रानन्द नगर गुजरात गवर्नमेंट हाऊसिंग बोर्ड क्वाटर्ज के निकट, राजकोट में स्थित है तथा जिसका सर्वे नं० 297 (पैकी) है श्रौर जिसका कुल क्षेत्रफल दो एकड़ है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 11-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1 4/14ए, श्रासफश्रली रोड, नई दिल्ली दिल्ली-1, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० म्रार-III/ नवम्वर~11/515/(19)--यतः मुझे चं० श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25000/- से अधिक है श्रीर जिस की सं० प्लाट नं० एन-170 है, जो ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 21-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धूरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कार देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-क्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के धधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती रामा सक्सेना, पत्नी डा० श्रार० पी० सक्सेना प्लेट नं० 7, 2, मैन्सफील्ड रोड़, हांग कांग (अन्तरक)
- 2. श्री जगननरथ प्रसाद भटनागर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मुनशी शिव लाल निवासी मोहल्ला छाह शिरइन, बिजनौर (यू० पी०) श्रौर श्री शमशेर वहादुर भटनागर, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राज बहाजर भटनागर, निवासी एन-170, ग्रेटर केलाश-1, नई दिल्ली-48 (श्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती राज चावला साहनी, प्रो० मैं० एशियन एन्टीक्एस ग्रार्टेस एण्ड हेन्डीकाफ्टस (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद जोकि फ्रीहोल्ड भूमि पर हैं जिसका क्षेत्रफल 300 वर्ग गज हैं और 2 1/2 मंजिला मकान के साथ बना हुन्ना है तथा जिसमें सभी प्रकार फिटिग्स, सुरजीत इत्यादि तथा पानी ग्रौर सिने-टरी ग्रादि का कनेक्शन मिला हुन्ना है तथा जो एन-170 निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्व : 40 फुट सड़क पश्चिम : प्लाट नं० 168-ए उत्तर : सर्विस लेन दक्षिण : 30 फुट सड़क

> मं० वि० गुप्ते सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण, ग्रर्जन रेंज----1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10 जुलाई 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज--3 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० म्राई 3/642/74-75—म्प्रतः मुझे, जे० एम० मेहरा म्रायकर भ्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से ग्रधिक है ग्रीर जिस की सं० प्लाट नं० 7 ए० नं० 105, 106, 107, 109 से 112 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के अधीन 15-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर श्रन्तरक (भन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त अधिनियम,' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---9-176GI/75

- 1. मेसर्स सोमाणी एण्ड कं० प्राई० लिभिटेड लक्ष्मी भवन 158/164 कालबादेवी रोड बम्बई—2 (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स श्रीगोपाल कार्पोरेशन 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई--2 (स्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करसा हूं । ै

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजगत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्यीक्षरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृघी

जमीन के प्लाट के वे सभी टुकड़े या भाग जिसका प्लाट नं० 7, सोमानी ग्राम, राममंदिर रोड, गोरेगांव (पिश्चम) बम्बई-62 बम्बई उपनगर जिला ग्रीर रिजस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर ग्रीर वम्बई उपनगर जिला है गाप में 1591 वर्गमीटर (1902.83 वर्गगज) है। उत्तर की ग्रोर से प्रस्तावित ग्रांतरिक 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा पूर्व की ग्रोर से प्लाट नं० 6 द्वारा दक्षिण की ग्रोर से प्लाट नं० 12-13 ग्रीर सर्वेक्षण नं० 107 हिस्सा नं० 1 द्वारा ग्रीर पश्चिम की ग्रोर से प्लाट नं० 8 जिसका नं० सी० टी० एस० नम्बर है, द्वारा घिरा हुआ है।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--3, बम्बई ।

तारीखाः 7 जुलाई 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की खार। 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० भ्राई/III/646/74-75--- ग्रत: मुझे, जे० एम०

मेहरा

गायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को

यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार सूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

श्रौर जिस की सं ० प्लाट नं ० 6, सर्वे नं ० 105, 106, 107, 109

से 112 है, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध
श्रनसची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

(1903 का 16) के प्रधीन 18-11-1974
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है प्रीर अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तविक रूप से कथित मही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम, के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दामिस्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी घन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने म सुविधा के लिए।

अतः अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्यनिश्चित व्यक्तियों, प्रयीत्:--

- 1. मेसर्स सोमानी एण्ड कं प्राईवेट लि कक्ष्मी निवास, 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई-2 (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स विनय एल्टरप्राईज, लक्ष्मी निवास, 158/164 कालबादेवी रोड बम्बई-2 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस स्चना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य श्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उक्त श्रिवित्यम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बड़ी पर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट नं० 6, सोमानीग्राम राममंदिर कास रोड, गोरेगांव (पश्चिम) सर्वेक्षण नं० 105, 106, 107, 109 से 112, माप में 1609.50 वर्गमीटर (1925.00 वर्गगज) हैं।

जमीन के प्लाट के वे सभी टुकड़े या भाग जिसका प्लाट नं० 6, सोमानी ग्राम राममंदिर रोड गोरेगांव (पिष्पम) बम्बई-62 बम्बई उपनगर जिला ग्रौर रिजस्ट्रेशन उपजिला बम्बई नगर बौर श्रौर बम्बई उपनगर जिला हैं। माप में 1609.50 वर्ग मीटर (1925.00 वर्गगज) उत्तर की श्रोर से प्रस्तावित श्रांतरिक 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा पूर्व की श्रोर प्लाट नं० 5 द्वारा दक्षिण की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 107 हिस्सा नं० 1 द्वारा श्रौर पश्चिम की श्रोर से प्लाट नं० 7 जिसका नं० सि० टी० एस नं०

> जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--3, बम्बई।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3 कार्यालय, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 जलाई 1975

निर्वेश सं० आई/111/641/74-75—अतः मुझे जे० एम० मेहरा

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भ्रौर जिस की सं० प्लाट नं० 8 सर्वे नं० 105, 106, 107, 109, से 112 हैं, जो गोरेगांव (पश्चिम) में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 16-11-1974 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रव्यक्त है और यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रोर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त प्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रवं 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:--

- मेसर्स सोमानी एण्ड कं० प्रा० लि० लक्ष्मी निवास 158/
 164 कावलादेवी रोड बम्बई 2 (प्रस्तापक)
 - 2. मेसर्स श्री प्रारविद कारपोरेशन लक्ष्मी निवास 158/164 कालवादेवी रोड बम्बई 2 (श्रन्तिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उसन मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जभीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लाट नं० 8 शोमानी ग्राम, राम मंदिर रोड, गोरेगांत्र (पिष्वम) वम्बई 62, बम्बई उपनगर जिला और रिजस्ट्रेशन उपिजला बम्बई नगर शीर अम्बई उपनगर जिला में स्थित हैं माप में 1591.00 वर्ग मीटर (1902.83 वर्गगज) है उत्तर की श्रोर से प्रस्तावित 30 फीट चौड़े श्रांतीक मार्ग द्वारा, पूर्व की श्रोर से प्लाट नं० 7 द्वारा, दक्षिण की श्रोर से प्लाट नं० 12 श्रीर 11 द्वारा श्रोर पिष्वम की श्रोर से प्लाट नं० 5 जिसका नं० सी. टी. एम० नम्बर है, द्वारा घिरा हुश्रा है।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, बम्बई

तारीख: ७ जुलाई 1975 ।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्रई/III/632/74-75—ग्रतः मुझे, जे०, एम० मेहरा, ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य र० 25,000-/ से ग्रधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बी रामगली सर्वे नं० 67 हि० नं०-3 (ग्रंश) है, जो मालाड में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 7-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम जिल्लाम पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरम जिल्लाम पाया निवास में नास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्री मशीवांत केशवलाल बलेरा, कर्ता श्रीर ए० यु० एफ० के मैंनेजर
 - (2) बमलाबाई के बलेरा (3) अनिलकुमार के
- बलेरा (4) पियुश एस० बलेरा (5) सेजल ऐस० बलेरा

- (6) म्रत्या ए० वलेरा (7) जिम्ना ए० वलेरा (भ्रन्तरक)
- 2. श्री विना वि० शहा (2) जयंतीलाल एन० त्रिवेदी (भ्रन्तरिती)
- 3. (1) श्री केगवजी हरीभाई कोटालाया
 - (2) पुरशोतम कानजे राठोड (बह व्यक्ति, जिसके श्रधि-भोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परि-भाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकडा या भाग जो असर्वेक्षणित गांव करने मालाड, रजिस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर पहले कांदीवली महानगर पालिका की सीमांतरित और अभी वृहत्तर बम्बई महानगर निगम की सीमा में स्थित है, माप में 1182.22 वर्गगज समकक्ष 988.48 वर्गमीटर या आसपास है और जिसका सर्वेक्षण नं० 67, हिस्सा नं० 3 भ्रांग, राम गली गांव करने मालाड भ्रौर जिसका प्लाट नं० वी है भ्रौर इस प्रकार घरा हुआ है भ्रथात उत्तर कर भ्रोर से सुरेन्द्रनगर हाउसिंग को आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड की बिल्डिंग के नाम से ज्ञात जायदाद द्वारा, दक्षिण की भ्रोर से महाने निवास के श्री महाने की जायदाद द्वारा, पूर्व की श्रोर से विकेता की बाकी बची जायदाद प्रयांत प्लाट नं० ए द्वारा भ्रौर पण्चिम की श्रोर से श्री विठ्ठलदास भाटिया की जायदाद द्वारा।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1975 .

निर्देश सं० प्रार० ए० सी० 55/75-76--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के आधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य ६० 25,000/- से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1-8-94 चिकड पल्ली है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 2-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव, उनत श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत :---

- (1) श्री कलीमुश्लीसा बेगम पत्नी नवाब महेद्रो हसन खान 22-1-923, सुलतानपुरा, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री के० सुब्बा लक्ष्मी परनी के० बी० सुब्बाराव, 1-8-94, चिकड़ पल्ली हैदराबाद।
- श्रीमती लक्ष्मी बाई पत्नी सत्य न(रायना 21-2-750, रिकाब गंज, हैदराबाद। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति **के ग्रार्जन के लिए** कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ता सरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गड़दों भीर पदों का, औ उपतः प्रधिनियम, के ग्रह्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जी उस प्रध्याय में दिया गया है।

अतसरी

तल मंजिल और पहला मंजिल का सामने का भाग नं 1-8-94 चिकड़परली, हैदराबाद, क्षेत्रफल 109. 19 वर्ग मीटर्स।

> कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-75

ं भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देण सं० श्रार०ए० सी० 59/75-76—-यतः मझे के० एस० वेंकटरामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि

स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 3-5-121--142 ऐडेन बाग है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-11-74

पूर्वोक्त सम्पति के उचित काजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) शेहजादी ग्रह्ममुदुन्नीसा बेगम, ग्रिलयास शेहजादी पाशा पुत्री स्व० नवाब मीर ग्रस्मान ग्रली खान (नीझम-VII)
 मुख्तार नामाडारा श्रीएम० मंजूर ग्रली पुत्र मस्तान ग्रली 1-11-249, वेगम पेट, हैदराबाद
(2) हादी ग्रलीखान ग्रलियास हादी नवाव पुत्र स्व० सय्याद ग्रब्बास ग्रली खान, तालाब बाग मीर ग्रालम,

(भ्रन्तरक)

हैदराबाद।
2. श्रीमती सिद्धिख बानू पत्नी सय्यद
युसूफ नवाब ऐडन बाग, रामकोट,
हैटराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

नं० 3-5-121 ग्रीर 142 का भाग, ऐडेन भाग, रामकोट, हैदराबाद।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

ता**रीख:** 9-7-75

(ग्रन्तरक)

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 75

सं० ग्रार० ए० सी० 77 | 75-76⊷ – पतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 था 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 9 युनीटी हाऊस, है जो एबिड रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 25-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
 को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा
 पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रंब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण में, में, 'उक्त भधिनियम' की धारा 269-भ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—

- मैसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, एबिड रोड, हैदराबाद !
- 2. श्रीमती प्रथिवा देवी श्रगरवाल, 21-7-107 घांसी बाजार, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

दुकान नं० 9, तल मंजले पर, युनिटी हाऊस ईमारत में, एबिड रोड, हैवराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 11-7-75

प्ररूप माई०टी०एन०एस०--

भायकर भाधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्नायुक्तर त्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदरावाद

दिनांक 11 जुलाई, 1975

सं० प्रार० ए० सी० 80/75-76---- यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की आरा 269- य के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को
नाह किश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
जाचित काजार मूल्य 25,000/- र० से प्रधिक है
प्रीर जिसकी सं० 1-2-265 सिकन्वराबाद है, जो सिकन्दराबाद में
स्थित है (प्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के क्रिथीन 25-11-1974

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भश्चित्यम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (41) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिल्हों भाउतीय माय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए ;

श्रतः, श्रव, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के श्रनुसरण भें, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उप-दारा (1) के श्रधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-

- डाक्टर श्राय फरनेस पुत्र एस० पी० (अन्तरक)
 फरनेस, 100, एस० डी० रोड,
 सिकन्दराबाद।
- 2. श्री सि० जे० श्रमरनाथ राव पुत्र सी० (अन्तरिती) जे० गोपाल राव, 31/बी०, ईस्ट, मारेड पल्ली, सिकन्दराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके **धर्जन के लिए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रद्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

कवेली का मकान जो ''कारनर काटेज'' नाम से पहचाना जाता है नं० 1-2-265, एस० डी० रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, हैवराबाद

ता**रीख**: 11-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक 11 जुलाई, 1975

निर्देश सं श्रार० ए० सी० 72/75-76—पतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 16-8-931/2 मलकपेठ है, जो हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 29-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित के वाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल **अ**न्तरित की गई है। और मुझे करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और **अन्तरिती (अन्तरितियों)** के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिन्नियम, के भन्नी कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ध्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

- (1) उमानुल जमील पत्नी नसीह
 दीन खान (2) मोयनु दीन पुत्र
 साप्रदीन खान (अन्तरक)
- 2. श्री खेतणी भाई पुत्र विश्राम पटेल, (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये खासकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त घर्घि-नियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है ।

अनुसूची

नं 16-8-931/2 का भाग क्षेत्रफलं 1028.57 वर्ग मीटर्स मलक पेठ, हैदराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 11-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रापकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 9 जुलाई, 1975

सं श्रार ए ए सी ऽ 54/75-76---- यत: मुझे के ० एस० वेंकटरामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-8-94 चिक्कडपल्ली है जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर उससे उपावब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भार-तीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और यह मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नद्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भतः अब उक्त श्रधिनियमकी, धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- 1. (1) श्री कलोमुश्लीमा वेगम पत्नी नवाव मेहदी हमन खान, (श्रन्तरक) 22-1-923, सुल्तानपूरा, हैदराबाद
- के० सुब्बा लक्ष्मी पत्नी के० बी० सुद्धाराय, 1-8-94, चिकडपल्ली, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यवितयों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखड़ किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

पिछला भाग का निचला मंजिल श्रौर पहला मंजिल नं॰ 1-8-94/ए, चिकड़ पल्ली, हैदराबाद में स्थित है क्षेत्रफल 53.31 वर्ग मीटर्स है।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारी**ख**: 9-7-75

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 जुलाई 1975

सं० श्रार० ए० सी० 47/75-76—⊶यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त श्रधिनियम' गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 12-2-825/3 महदी पटनम् है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रज़िस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 1-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तप पापा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना चाहिए या, अियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीज निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात:—

- श्रीमती रिझवानाफारूख पत्नी डाक्ट० (ग्रन्तरक) सलीम मोहम्मद फारूख, जी० पी० ए० बारा, डाक्ट० फाट्टीम एम० फारूख, 9-4-2, टोली चौकी, हैदराबाद
- श्रीमती मेहर.नीसा वेगम, पत्नी सय्यद गुलाम मोहयुजीन, 11-3-745, नई मल्लापेल्ली, हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्तित के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उश्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगरभालिका नं० 12-2-825/3 का विश्वण भाग जिसका क्षेत्रफल 1329.5 वर्ग मीटर्स जी मेहदीपट्टणग, हैदराबाद में स्थित है। जिसका चौहदी---

उत्तर——मकान नं० 12-2-825/3
दक्षिण——श्रीमती झहरा फातीमा हैदर
की मकान,
पूर्य— बही
पश्चिम——श्रायकर कालनी का सी० सी० रोड।

कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-7-75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई, 1975

सं० स्रार० ए० सी० 58/76-76—-यतः <mark>मुझे के० एस०</mark> वेंकट रामन,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भीर श्रीर जिसकी सं० 13/261 गुडुर है, जो गुडुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध धनसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता अधिकारी के कार्यालय गुडूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार श्रम्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक (भ्रन्तरकों) और ग्रन्तरक (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनयम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: भ्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपजारा (1) के घधीन निम्नलिखित अर्थात:---

- श्रीमती के ० शशिकला पत्नी जी ० कुष्णा (ग्रन्तरक) रेड्डी, नेहरू नगर, पूर्व गुडूर, गुडूर।
- 2. श्री वाई० विवेक रेड्डी, प्रवयस्क, (मन्तरिती) पालक श्रनन्तपदम नाभ रेड्डी, 9-टी० ग्रामानी स्ट० संयोम, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही सर्थं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 13/261, क्षेत्रफल 528.51 वर्ग मीटर्स जो पुरानी छत का इमारत, फैक्टरी, झिक शीट्स, गोडावन।

> कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज हैदराबाद ।

तारीख: 9-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज ज(लन्धर

ं दिनांक 7 जुलाई, 1975

निर्देश सं० ए० पी० 975—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मस्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 6805 श्रक्तूबर 1974 में है तथा जो रेलवे मंडी रोड,

जालन्धर में स्थित है (ग्रीर उसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्त-रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः जब उन्त म्रधिनियम की, धारा 269-ग के म्रनुसरण में मैं उन्त म्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों म्रथीत्:— श्री कृष्णलाल चड्ढा, कुन्दन लाल चड्ढा, सपुत्र झान चन्द चड्ढा वारा चडढा प्रिंटिंग प्रेस न्यू रेलवे रोड, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

 श्री करनजीत सिंह पुत्र महंगा सिंह, गांव विलगा पट्टी नालोबाल जिला जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रूची रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकढ़ किसो अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुखी

मकान जैसा कि प्रधिकृत विलख सं० 6805 प्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 7-7-75

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का की धारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश स०ए०पी० 976--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-- ए० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी स० जैसाकि ग्रिधिकृत विलेख नं० 6781 श्रक्तूबर 1974 में है तथा जो न्यू रेलवे रोड, जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख भ्रक्तूबर 1974

की पूर्विकत सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर **अन्तरक (अन्तरकों) और** अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उहेश्य के उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त म्रिविनयम', के ग्रधीन कर वेने धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 या 'उक्त श्रधिनियम,' (1922 का 11) धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त प्रक्रिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:--

- श्रो कृष्णलाल चड्ढा मृन्दनलाल चडढा, (ग्रन्तरक) सपुत्र ज्ञान चन्द, जालन्धर।
- 2. श्रीमती श्रधम कौर पत्नी महंगा सिंह बिलगा पट्टी नोलोबाल, जालन्धर। (भ्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्वित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अधिनियम' के अध्याय परिभाषित है, अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विथा गया है

अनुसूची

दुकान जैसा कि अधिकृत विलख सं० 6781 अक्सूबर 1974 को रजिस्द्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर, में लिखा है।

> रवीन्द्र क्रमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक द्यायकर भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर।

मोहर :

विनांक 7-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्त्रर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्वेश सं० 977—यतः मुझे रथीन्द्र कुमार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(ि असे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रविकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति
प्रौर जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1822 अन्सूबर
1974 में है तथा जो वीर नलोगी में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध
प्रतुसूवी में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी
के कार्यालय नवोणहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908
(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान

प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

थतः भव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमनशाराम सपुन्न भुला राम सपुन्न तेरू राम वासी 615-ई० श्रवाद पुरा जलन्धर, रखा राम सपुन्न गुलाबा सपुन्न गुरदयाल वासी वलश्राकला तहसील नकोदर।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, श्रवतार सिंह, सपुत्र चनन सिंह, सपुत्र उजागर सिंह, वासी वीरवालोगी, तहसील नकोदर

(ग्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित**बद्ध है**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूधना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितक के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं 18, 22 श्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 7-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० 978---यतः मुझे, रवीन्द्र कूमार, प्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रु० से ग्रधिक हैं उचित बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि भ्रधिकृत विलेख नं० 1829, शक्तुबर 1974 में है तथा जो शंकर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ऋधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख भ्रक्तुबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवित याजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, ठिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव धारा 269-म के ग्रानुसरण में, पै. 'उनर मिमिनसम,' की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों भ्रयात्:—

- श्री फुमन सिंह सपुत्र प्रताप सिंह, (ग्रन्तरक) शंकर
- 2. श्री कुल दीप सिंह सपुत्र हरबंस सिंह, सपुत्र देवा सिंह, शंकर (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं ० 1829, श्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मुजैन रेंज, जालन्सर

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 979—–यतः मुझे रवीन्द्र कुमार म्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/-रुपए से अधिक ग्रौर जिसकी **सं० जै**सा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 1736 श्रक्तूबर 1974 में है तथा जो फेबन चुहारसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नाकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्तूबर, 1974 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/यांं
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री लेख राज और जी० ए० टू शाम (श्रन्तरक) सुन्दर और हरबन्स लाल सपुत्र हाकम चन्द वासी C/3/1 राना प्रताप बाग, दिल्ली।
- श्री मलिकयत सिंह, गुरदीप सिंह मपुत महंगा सिंह ग्रीर सरवन कौर पत्नी महंगा सिंह वासी चैंक विन्टल (ग्रन्तरिती)
 जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (षह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियौं करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्वध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं 1736 श्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० ए० पी० 980—यतः मुझे, रवीन्त्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रिधिकृत विलेख नं० 1743 श्रक्तूबर 1974 में है तथा जो ए वन चूहारमी में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिध-कारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख श्रक्तूबर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

'अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अग्निमियम, के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

धता अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित टयक्तियों, अर्थात्:——

- श्री लेख राज भ्रौर जीफेट शाम, सुन्दर श्रौर हरवंस लालं सपुत्र हुकमचंद वासी सी/3/1 राना प्रताप बाग, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री सुच्चा सिंह, हरपाल सिंह, गुरुगम
 सिंह, सपुत्र भाग सिंह,
 वासी कुराली, तहसील जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में ध्वि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 1743, श्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० पी० 981---रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६पये से श्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रिधिकृत विलेख नं० 1737 श्रक्तूबर 1974 है तथा जो ग्रवान शहर सी० में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, ग्रक्तूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्सरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काथिस नहीं किया गया है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरका के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: ग्रब 'उक्त मिमिनियम' की घारा 269—ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269—व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषींस्:---

- 1 श्रीमती रामदीती, कृष्णा कुमारी पुत्नी (श्रन्तरक) हुकम चन्द द्वारा लेख राज सपुत्र हुकम चन्द सी०-3/1 राना प्रताप बाग दिल्ली।
- 2. सुच्चा सिचे हरपाल सिंह, गुरनाम सिंह, सपुत्र भागमल गांव करवाला तहसील जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जेन के लिए एतदुद्वारा कार्यवाहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1737, भक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर म लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 7-7-1975 मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्ध्रर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश सं० 982—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के ग्राधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से ग्राधिक है

भीर जिसकी सं जैस कि अधिकृत विलेख नं० 1690, अक्टूबर 1974 म है तथा को लिदरां में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नकोद्दर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने भें सुविधा के लिये।

श्रतः अब उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—

- (1) श्री वियंत कौर नासीवी छिनदो, श्रनबो पत्नी गुरबचना गांव लिंदरो तहसील नकोदर (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह, पाल सिंह पुत्र निर्जन सिंह गांव लिंदरो तहसील नकोदर (मन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि स्रधिकृत विलेख नं 1690 स्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी∙ एन० एस०-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० 983—-यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है)की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1691 ग्रक्तूबर 1974 में है तथा जो लिंदरों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिष्यत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- (1) श्री वियंत कौर नसीवो, छिन्दो, श्ररवी पुत्रो गुरवचना गांव लिंदरो लहसील नकोदर (श्रन्तरक)
- (2) श्री मलकीत कौर पत्नी चरनदास पुत्न हरवामा वासी खान पुर ढदा (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 में है।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 1691 ग्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर मिधनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-घ (1) के भर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 984—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी संब जैसा कि ग्रिधिकृत विलेख नंव 1702 ग्रक्टूबर 1974 में है तथा को वालहाकीम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नकोदर में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:—

श्रत: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:—

- (1) श्री श्रजीत सिंह सपुत्र हरनाम सिंह गांव बोदाराये काला तहसील नकोधर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राम लाल, जोगिन्द्र सपुत्र गुरवचन गांव लिंदरां (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के <mark>क्षर्जन के</mark> लिए कार्यवा**हियां** करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबाड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 1702 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख : 7 जुलाई 1975

प्ररूप भ्राई० टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश नं० ए० पी० 985—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269—ध के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक हैं और जिसकी सं० जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 1726 ग्रक्टूवर 1974 में है तथा सिंगपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), राजस्ट्रीकरी श्रधिकारी के कार्यालय, नकोदर में राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्टूवर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रम्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अग्निनयम', के अग्नीन कर देने के अन्तरक के दायित्म में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः **अव,** 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपघारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत :—

- (1) श्री गुरदीप सिंह, जगजीत सिंह, कश्मीर सिंह सपुत्र सरदारा सिंह गुरमीत कौर पत्नी गुरदीप सिंह, सुरजीत कौर पत्नी जगजीत सिंह, चनन कौर पत्नी काष्मीर सिंह गांव सिंगपुर तहसील नकोदर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सतनाम सिंह दलविन्द्र सिंह सपुत्र गुरवक्श सिंह सपुत्र नराणजन सिंह वासी लाढ्यां खुरद तहसील जालन्धर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिमाणित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि श्रिधिकृत विलेख नं० 1726 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी नकोदर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 986—-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की बारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रिधिकृत नं० विलेख 9359 ग्रक्टूबर 1974 में है तथा को लजरहा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के ग्रार्थालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख भ्रक्टूबर 1974

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर / या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः अब 'उक्त ग्रधिनियम,' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रीनिर्मल सिंह स्पुत्न ऊधम सिंह स्पुत्न फतेह सिंह, कर्म कौर पत्नी ऊधम सिंह स्पुत्न फतेह सिंह गांव चकदाना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री घमन लाल स्पुल घदोराम स्पुल ज्ञाया गांव गांव पुत्रारी तहसील फलौर द्वारा देवराज स्पुल ऊधोराम पुत्रारा (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उमत अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

जभीन जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 9359 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7-7-1975

प्रस्रप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांग 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 987—यतः मुझे रवित्र कुमार मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्स प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द्रपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 2828/9158 प्रक्टूबर 1974 में है तथा जो पुपारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुस्ची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकर्राण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक्त स्म से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:---12—176GI/75

- (1) श्रीमती ठाकरी पत्तनी ऊदो गांव पुद्धारी तहसील फलौर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रशपाल सिंह स्पुन्न सिंब सिंह गांच भार सिंह पुरा तहसील फलौर (मन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं. 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुजि रखताहो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुक्ष करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी क्य से 4.8 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि श्रिधिकृत विलेख नं० 2888/9158 भक्टूबर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम स्रधिकारी, सहायक भ्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण),

श्रर्जन्देंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 988----यतः मझे रवीन्द्र कुमार पधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) 269-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 2883/ 9183 ध्रक्टूबर 1974 में है तथा जो माठ में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में घीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्री करण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख ग्रक्टबर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं किया गया है: ---

(ख) ए कसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन् भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 क. 1) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छितारों में मुविधा के लिए।

भतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में मैं 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :----

- (1) श्री जनन सिंह स्पुत्न देहरू गाँव माउ तहसील फलौर (ग्रन्सरक)
- . (2) श्री बहादुर सिंह, गुरदेव सिंह, करनेल सिंह, जरनेल सिंह, जोगिन्त्र सिंह स्पुत्र बावासिह सपुत्र कुणाला गांव खिल्ल तहसील वावार (ग्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ब्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 45-धिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिन्नबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिक्षिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

जमीन जैसा कि श्रिधिकृत् विलेख नं० 2883/9183 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्रकृप आई० टी० एन● एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज जालन्धर

्जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 989—-यतः मुझे रवीन्द्र कुमार प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि ग्रिधकृत विलेख न० 9095 प्रक्टूबर 1974 में है तथा को फलौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, फलौर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रक्वटूर 1974

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों, श्रथीतः :--

- (1) श्री बुलगर सिंह सपुत्र शाम सिंह सपुत्र विशन सिंह वासी रामगड़ तहसील फलौर (श्रन्तरक)
 - (2) मर्स्स फरेन्डस श्रटो इन्डस्ट्रीस रामगढ़ फलौर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पंत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-कद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 9095 अक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोंज जालन्धर ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्रारूप आई०टी०एम० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-अ (1) के अधीम सुजना

भारत सरकार

सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

मजंन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 990--यतः मक्ष रवीन्द्र कुमार भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' **महा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी** को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 9246/ 2946 प्रबद्बर 1974 में है तथा जो फलीर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अक्टूबर 1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 🖁 कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत **अधिक है** और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अथ, उक्त अविनियम, की घारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-म की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री बुलगर सिंह सपुत्र ग्राम सिंह सपुत्र विशन सिंह वासी रामगढ़ सहसील फलौर (धन्तरक)
- (2) मैर्स्स फरेन्डस भोटो इन्डस्ट्रीज रामगढ़ तहसील फलोर (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके ग्रधियोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां नुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यद्यापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 9246/2946 भक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्सा भिधकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम मधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनाक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 991—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से भौर जिसकी सं० जैसा कि प्रधिकृत विलेख नं० 2918/9218 प्रकट्वर 1974 में है तथा तलवन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत 'जक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्री वलवीर सिंह जोगिन्द्र सिंह, मोहिन्द्र सिंह सपुत्र नराणजन सिंह गांव तहसील तलवन (श्रन्तरक)
- (2) श्री दयाल सिंह, हरभजन सिंह सपुत्र शनकर सिंह, मुखत्यार सिंह, दयाल सिंह, श्रनुप सिंह सपुत्र हरभजन सिंह गांव रूडकी (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अक्षितियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूचो

जमीन जैसा कि श्रधिकृत विलेख नं० 2918/9218 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज जालन्धर ।

तारीख: 7-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्वेश नं० 992--यतः मुझे रवीन्द्रकुमार भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० नं० 2920/9220 श्रन्ट्बर 1974 में है तथा को तलवन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फलौर में रजिस्ट्र-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख प्रकट्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मह्म, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए

त्तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखि उद्देश्य से अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं;---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, म्रोर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया वाहिए या, छिपाने में सुविधा जामा लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा

(1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री जागीर, मलकीत, सपुत्र हरदिता सपूत्र रूलजिये (अन्तरक) गांव शेरपुर तहसील फलौर
- (2) श्री मोहिन्द्र सिंह सपुत्र किडण सिंह संपुत्र वसन्त सिंह, जीत सिंह सपुत्र कृष्ण सिंह, वसन्त गांव ऊपल भया (भ्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिप्तबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के झर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की भवधि जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20क में यथापरिभाषित है, वही प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि मधिकृत विलेख नं० 2920/9220 ग्रस्ट्रबर 1974 को रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी फलौर में लिखा है।

> रवोन्द्र कुमार, संक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीखः: 7 जुलाई 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०———— श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुवना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायम श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

प्रजीन रोज, जासन्धर

जालन्ध र, दिनांभ 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 993---यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके 'उन्त अधिनियम' पश्चात गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ग्रचित काजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6557 धन्टूबर 1974 में है तथा जो नजदीक बुलन्दपुर में स्थित है (ब्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन. तारीख ग्रन्ट्बर 1974

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (कां) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उपत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अय 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-न के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) श्री गुनवन्त सिंह हर सिंह स्पुत्न मुनन्ना सिंह बुलन्दपुर तहसील जालन्धर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ध्रमर चन्द स्पुत्न फकीर चन्द गांव बुलन्द पुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6557 ग्रक्तूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्त्र कुमार, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, जालन्धर ।

तारीखः : ७ जुलाई 1974

प्रकृष आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के आधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० 994---यतः मुझे रबीन्द्र कुमार, श्रायकर श्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिक्षित्यम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्म 25,000/- छवमें के अधिक और जिसकी सं० जैसा कि श्रिधकृत विलेख नं० 6656 श्रक्टूबर 1974 है तथा बुलन्दपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), राजस्ट्रीकर्ता श्रिक्षारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से ऐसे बुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अः ी बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरः दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिनाने में सुविधा के लिए।

अतः भव 'उमत अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री गुलवन्त सिह, हरी सिह स्पुत्र मुन्शा सिह वासी बुलन्दपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती धनकौर पत्नी श्रमर चन्द स्पुत फकीर चंद वासी बुलन्दपुर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सप्पृक्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में झधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना ने राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का जो 'उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विजी नया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि प्रधिकृत विलेख नं० 6656 अक्टूबर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सद्गायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 7 जुलाई 1975

मोइर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(वा) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्ध र, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 995—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रिधिकृत विलेख नं० 6629 श्रन्टूबर 1974 में है तथा जो वुलन्दपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख श्रन्टूबर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत' उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निजित व्यक्तियों, अर्थातः-

13 --- 176GT/75

- (1) श्री गुलंबन्त सिंह, हसी सिंह स्पुन्न मुन्<mark>षा सिंह</mark> वुलन्दपुर जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री सोडी राम स्पुछ अमर चंद वुलन्दपुर तहसील जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ब्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उभत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6629 श्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं ० ए० पी० 996--यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम,' कहा गया है) के ग्रधीन सक्षम 269-ख श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु० से श्रधिक हैं श्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6623 धक्टबर 1974 में है तथा जो रायेपुर रासूलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रनट्वर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर अन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया ्गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राम की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ध्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त ग्रिधिनियम', या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त श्रिवितयम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थातः ——

- (1) श्री नरेश चंद्र स्पुत्न वनारसी दास स्पुत्न गनेश दास वासी सैक्टर-R, मोडल टाउन जालन्धर (श्रन्तरक)
- (2) श्री करोडी लाल सेहनी स्पुत लेट मोती राम लाजपत नगर जालन्धर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में एचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तिद्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही श्रर्थहोगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6623 भ्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार सक्षम अधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 7 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निर्देश नं० ए० पी० 997—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि ग्रिधिकृत विलेख नं० 6528 ग्रक्टूबर 1974 में है तथा जो रायेपुर रामुलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्टूबर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री नरेण चन्द्र स्पुत्र वंसी दास जालन्धर 500-एल० मोडल टाऊन जालन्धर (म्रन्तरक)
- (2) श्री नाथू राम साहनी स्पुत्र लेट ले० मोती राम 217 लाजपत राये नगर जालन्धर (अन्तरिती)
 - (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानताहै कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी सासे 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त गड़्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।.

अमृसूची

जमीन जैसा कि ग्रधिकृत विलेख नं० 6528 ग्रक्टूबर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 7 जुलाई 1975

मोह :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 76/75-76—यत:, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 28 तलमजला है, जो एविड रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी द्याय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नर्लिखित व्यक्तियों श्रयीत :——

- मैंसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, एबिड रोड, हैबराबाद
 (ग्रन्तरक)
- श्री सुरेन्दर कुमार श्रवस्यक पालक द्वारा श्री रामावतार,
 एबिंड रोड, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 28 नल मजले पर जो "युनिटी हाऊस" एबिड रोड, हैदराबाद में स्थित है ।

> के० एस० वेंकट र।मन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-7-1975 मोहर : प्ररूप आई०टी०एन०एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 75/75-76——यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11-5-294 श्रौर 295 रेड हिल है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भ्रव, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269ग के ब्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रर्थात् :-

- श्री मीर मुझफर ग्रली खान (2) मीर ग्राजम ग्रली खान मुख्तार नामादार मीर मुझफर ग्रली खान सीता महल, बम्बई-26 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नजमा सुल्ताना पत्नी ग्रब्दुल खौर, सिद्द्खी 11-5-294, रेड हिल, हैदराबाद (त्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदृद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:—

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्लोकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जमीन तथा इमारत नं∘ 11-5-294 औ≥ 295, रेड हिल, हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 11-7-75 भोहर : प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 78/75-76—-यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन

म्रायकर म्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० दुकान नं० 10, युनिटी हाऊस है, जो एविड रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकार्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम' के म्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भ्रतः भ्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--

- 1. मैंसर्स हिन्दुस्तान बिल्डर्स, एबिड रोड, हैवराबाद (अन्तरक)
- 2. श्री ग्रमरचन्द ग्रगरवाल 15-2-388 मुखतारगंज, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्रेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उम्सत श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिटी हाऊस नामक ईमारत में तल मजले पर दुकान नं० 10, एबिड रोड, हैदराबाद ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज: हैदराबाद

तारीख 11-7-1975 मोहर : प्ररूप भाई • टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 56/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, । जसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 16/552 संकर श्रग्रहारम् हैं, जो नेल्लूर में स्थित है (श्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नेल्लूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 6-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई िक्सी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम,' के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (खा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम,' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भत : भव 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम,' की घारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्मलिखित व्यक्तियों मर्थात्:--

- श्री सी० रतनम् मुदलियार पुत्र सी० मुदलियार जयराम कृलिङ्किस, ट्रंक रोड, नेल्लूर (श्रन्तरक)
- श्रीमती वाय जय लक्ष्मी पत्नी स्रीनीवासुलू, बेलीगेंडला, एसिस्टेंट इंजीनियर, एयर फोर्स अक्याडमी प्रोजेकट, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी फ्रन्य व्यक्ति, दारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं ० 16/552, संकरा ग्रग्रहारम्, नेल्लूर ।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
प्रार्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 48/75-76---यतः, मुझे, के० एस० वेंकटरामन,

स्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संव 12-2-826/1 मेहदी पट्टनम है, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 1-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:—

- श्रीमती रीझवाना फारूख पत्नी डा० सलीग मोहमूद फारूख जी० पी ए० द्वारा डा० फाहीम फारूख, 9-4-2, टोक्की चौकी, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- श्रीमती शाकीरा जेहान पत्नी सय्यद महबूब मोहयुद्दीन, पेखापल्ली, करीमनगर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

नगर पालिका नं० 12-2-825/3 का उत्तरीय भाग क्षेत्रफल 1271 वर्ग मीटर्स, जो मेहदी पट्टनम्, हैदराबाद में स्थित है और चौहद्दी

उत्तर--- श्रीमती झेहरा फातिमा हैदर का मकान पूरब--- श्रीमती झेहरा फातिमा हैदर का मकान दिक्षण--- श्रीमती मेहरुन्नीसा बेगम का मकान पश्चिम --- श्रीयकर कालोनी के सी० सी० रोड

के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 9-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कांकीनाडा

काकी नाडा, दिनांक 14 जुलाई 1975

Acq. File No. 207/LNo. EG. 421/74-75.— यत:, मुझे B. V. Subba Rao श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) 'उक्त (जिसे इसमें इसके पश्चात श्रधिनियम' गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० 46-19-61, Danavaipeta, है जो Rajahmundry में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-10-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान का प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तर-ह (अन्तरकों) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यवितयों, अर्थातः :---

14—176GI/75

(1) Sri Vadrevu Suryanarayana Murthy Sri Vadrevu Subramanyam, RJY.

(ग्रन्तरक)

(2) Kotipalli Tej Bahadur Saproo (Minor) represented by father Rama Rao, RJY. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिन के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्गत्ति में हित-बक्ष किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मर्जेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The property schedule as per sale deed dt. 22-10-1974 vlde document No. 4321/74 of SRO, Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख: 14-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 14 जुलाई, 1975

Acq. File No. 206/J-No. I (387)/74-75.— यत:, मुझे B. V. Subbarao,

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं०

11-49-54 है जो Sivalayam Street, है

Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada

में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, 31--10--1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) Sri Siyakoti Lakshminarasimham, S/o. Pullaiah, Governopeta, Vijayawada, (মন্বৰ্ক)
- (2) Sri Pulletikurthi Prasad S/o. Veerabrahmanandam, Islampetam, Vijayawada. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिक अर्जनके **लिए** कार्यवाहियां णुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

The schedule property as per sale deed dt, 26th September 1974 *vide* document No. 3714 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada dt. 29-10-74.

B. V. SUBBARAO,
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),
 श्रर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 14-7-1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-घ (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 16 जुलाई 1975

J. No. I(162)/VSP/74-75/Acq.File No. 208.→ यतः, मुझे, B. V. Subbarao धायकर मधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं०

Industrial Estate, Vantitadi Agraharam, है जो Vizianagaram में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, Vizianagaram

में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के ग्रधीन 30-11-1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

धतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत् :— (1) Shri Chakka Ramarao, S/o Sarabhalingam, Vizianagaram.

(ग्रन्तरक)

(2) Shri Yarlagadda Rangarato, S/o Soshayya, Vizia-nagaram.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिकाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per sale deed dated 20-11-1974 vide document No. 4664 registered before the S.R.O., Vizianagaram.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख: 16-7-75

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) अर्जन रोज काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 7 जुलाई 1975

J. No. 461/75-76/Acq File No. 205.— यत:, मुझे, B. V. Subbarao, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 8-9-58 है, जो Vankayalavari Street, Rajahmundry

में स्थित है (श्रौर इससे उपाब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Rajahmundry

में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, 15-11-1974 को

प्रधान, 15-11-1974 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के ध्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत्:—

- (1) 1. Delhi Narasingarao, By General Power of Attorney holder Sarangu Laxminarasimharao, Tanuku.
 - 2. Panuganti Jagannadharao.
 - 3. P. V. Ramanarao.

(श्रन्तरक)

(2) Sait Sampat Kumar Bang, Rajahmundry. (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Property schedule as per salc deeds dated 6-11-74 and 17-3-74 vide documents Nos. 4473 and 4475 registered before S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारी**ख**: 7-7-75

आयकर अधि(भयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 10 जूलाई 1975

J. No. 1(415)/WG/74-75/Acq.File No. 206.— यतः, मुझं, B. V. Subbarao

भायकर श्रिविनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 7-2-33

है जोYenamanduru Pantakalva

में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय Bhimavaram में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-11-74 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत :--- (1)Shri Akula Chenchu Punneswararao, S/o V. R. K. Rao, Vijayawada,

(ग्रन्तरक)

(2) Smt. Pulaparty Ranganaikamma, W/o P. Visweswararao, Gunupudi.

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितयम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

Property schedule as per document No. 2710 of 1974 registered before the S.R.O., Bhimavaram.

B. V. SUBBARAO. सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख : 10-7-, उ

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना धारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भ्रमृतसर

भम्तसर दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० फरीवकोट/117/75-76---यतः, मुझे, वी० श्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है सम्पत्ति, जिसका मि स्थावर धाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० सम्पत्ति है जो मुक्तसर में स्थित है (भौर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, नवस्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रक्षिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करमे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के सधीन मिम्निखिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री रनधीर सिंह पुत्र बलदेव सिंह पुत्र तरलोक सिंह वासी गांव शेरगढ़ तहसील डबवाली (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोहन सिंह पुत्र मनोहर सिंह पुत्र हरनाम सिंह गली दमदामा, मुक्तसर । (श्रन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है भ्रौर किराएदार (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. कोई व्यक्ति जो सम्तत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2218 मवम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, मुक्तसर

> वी० घार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), घर्जन रेंज, घमृतसर

दिनांक: 15-7-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, श्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 15 जुलाई, 1975

निर्देण सं० पठानकोट/118/75-76—यतः मुझे बी० धार० सागर,
श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है
श्रौर जिसकी सं० खेती बाड़ी जमीन जो गांव सुंदर चक में स्थित
है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है),
रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पठामकोट में रजिस्ट्रीकरण
श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1974

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्राधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्थ भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:—

- श्री ब्रिजलाल पुत्र श्री उत्तम चन्द गांव सुंदर चक तहसील पठानकोट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री सरजंग बहादुर पुत्र श्री ब्रिजलाल गांव सुंदर चक । (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेताबाड़ी जमीन जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1535 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी पठानकोट में लिखा है।

> वी० ग्रार० सागर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

दिनांक : 15-7-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनाँक 15 जुलाई, 1975

निर्देश स० फगवाड़ा/119/75-76----यतः म्झे वी० ध्रार० सगर, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं०सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपावढ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख नवम्बर 1974 सम्पत्ति के उचित पूर्वीक्त वाजार के दुश्यमान प्रतिफल ब्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ते जन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री तेल् राम पुत्र श्री रामधनमल फगवाड़ा । (ग्रन्तरक्षी
- श्री बलवंत सिंह पुत्र श्री भगत सिंह वासी पलाही। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है श्रीर किराएदार।
 (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित्त हैं)
- कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1501 नवम्बर 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, फगवाड़ा में लिखा है।

> बी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर।

. दिनांक : 15-7-1975

प्रकप धाई • टी ॰ एन ॰ एस ॰---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, ममुतसर

ग्रमृतसर, दिनांक, 15 जुलाई, 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/120/75-76---यतः मुझे वी० स्नार० स्रगर, **धायकर प्रधि**नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया की धारा 269অ के धधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रु० से भ्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो फगवाड़ा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से दुश्यम(न प्रसिफल लिए की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दृश्यमाम प्रतिफल ऐसे प्रतिभात से अधिक है भीर घन्तरक (अन्तरकों) भौर मन्तरिती (म्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से फियत नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे भ्रष्तने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

- 1. श्री तेलू राम पुत्न श्री रामधनमल वासी फगवाड़ा। (श्रन्तरकः)
- 2. श्री बलवंत सिंह पुत्र भगत सिंह पुत्र मिहां सिंह वासी पलाही। (मन्तरिती)
 - जैसा कि नं० 2 पर है श्रोर किराएदार ।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)
 - कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता हो।
 (यह व्यक्ति, जिसके बारे में घ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपस में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए खासकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1435 नवम्बर 1974 को रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रैंज, भ्रमृतसर।

दिनांका: 15-7-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० एस० ग्रार०/इन्दौर/6-11-74:--ग्रत:, मुझे, **ब्ही**० के० सिन्हा, आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-स० से ग्रधिक भौर जिसकी सं० मकान है, जो राजेन्द्र नगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकृत ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-11-74 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के भ्रमुसार धन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है श्रोर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त झिधिनियम,' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः धव 'उक्त प्रधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :---

- 1. श्री बंसत पिता श्री दताव्रय रानडे निवास 90/2 स्नेहलता गंज इन्दौर । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सौभाग्य बेन पति श्री वसन्ती लाल निवास-दालवाडा माउन्ट श्राबु राजस्थान । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी, श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट म्रार्ट मकान नं० 6-ए० राजेन्द्र नगर इन्दौर क्षेत्रफल 2925 वर्ग ।

> व्ही ० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेंज, भोपाल।

तारीख: 10 जुलाई, 1975

भामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय भोगाल, दिनांक 10 जुलाई 1975

निवेश सं० एम० मार०/इन्दौर/ 4-11-74—मतः, मुझे, क्ही० के० सिन्हा,

अहार कर सिन्हा, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ॰ से मधिक है भौर जिसकी सं॰ प्लाट नं॰ 173 है, जो श्री नगर कालौनी में स्थित है (भौर इससे उपाबद मनुमूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकृत प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 4-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के

वृश्यमान प्रतिफल के लिए
धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्यास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्र
प्रतिशत से भिक्षक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम,' के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (बा) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भिधिनियम,' या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

भतः श्रव, 'उक्त श्रिधिनियम' की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, 'उक्त श्रीधिनियम,' की धारा 269-न की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:-

- डा० निलकंठ बाल कुब्ण टेम्बेकर, निवास लिंक रोड़ नम्बर-2, भोपाल । (धन्तरक)
 - श्री निवास पाई, निवास मार्तण्ड चौक, इन्बौर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर, उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वज्योकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनयम' के श्रद्ध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 173 पर बना हुम्रा मकान एक मंजिला लम्बाई 60 फीट, चौड़ाई 40 फीट, श्रीनगर कालौनी, इन्दौर ।

> व्ही० के० सिन्ह्या, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ख**: 10 जुलाई, 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निवेश सं० एम० भ्रार०/इन्दौर/9-11-74—-श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 25,000/- ४० से अधिक है भीर जो प्लाट श्रीर मकान, महात्मा गांधी मार्ग, में जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के म्रधीन 9-11-74। को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अता अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री गेंदा लाल पिता मोती लाल पवार निवास पठरीनाथ पथ, इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कोमल कुमारी पित रमेश कुमार जैन पित सुभाष चन्द्र जैन पठरीनाथ पथ, इन्दौर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया शुरू केंरता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूधी

प्लाट स्रोर मकान मुनिस्पल नं० 128/2 महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर।

> व्ही० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 10 जुलाई, 1975

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के भाषीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षक सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त भोपाल, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० भार०/उज्जैन/18-11-74---श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट श्रीर मकान है, जो माध्य नगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, उज्जीन में रिजस्ट्रीकृत प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 18-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अरू, 'उस्त अधिनियम', स्ती धारा 269-व के अनु-सरण में, मैं, 'उस्त अधिनियम,' की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नेलिखित व्यक्तियों अर्थात् :— 1. श्रीमती उमिला देवी पति गनपत लाल निवास माधन नगर, उज्जैन ।

(भन्तरफ)

2. श्री तिलोक सिंह पिता हरनाम सिंह, जामा मस्जिव, उज्जैन । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पद्यों का, जो 'उन्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट ग्रौर मकान मुनिश्पल नं० 6-117.9 माधव नगर, उज्जैन।

> न्ही० के० सिम्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 10 जुलाई 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

जायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

निरीक्षक सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त का कार्यालय भोपाल, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० एम० श्रार०/इन्दौर/28-11-74---श्रतः, मुझे, इही०के० सिन्हा,

पायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह पिण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 17 है, जो राजेश नगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्थालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकृत श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-11-74

नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान 28-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (अन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन कर ग्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, गैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्राचीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

- श्रीमती मंजु श्री पति ग्रमृत राय द्वारा श्री नानक राम पिलं कालूराम निवास-29 पालसीकर, कालौनी, इंग्वौर । (मन्तरक)
- 2. श्री प्रकाश चन्द पिता गनपत लाल निवास 1 नन्दलाल पुरा, इन्दौर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध म कोई भी भाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी है के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ऋधिनियम', के ऋष्ट्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 17 झीर एक मंजिला मकान राजेश नगर, इन्दौर।

> व्ही० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखः : 10 जुलाई, 1975

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

मझो, व्ही० के० सिन्हा भायकर भाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० कालौनी है, जो श्रीनगर कालौनी में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित वाजार मृल्यसेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृ्ल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिणल से अधिक है और यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हुसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरम सिकित में बास्तविश कप से कथित नहीं किया वया है:---

- (च) बन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी थाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आरकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

कतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्रीमती तिकादेवी पति प्रदीप सिंग, निवास 66 साकेंत नगर,इन्दौर। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री पुरुषोत्तम एम० नागर, ग्वालियर। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपळ में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषिण है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

186 श्रीनगर कालोनी, $40{ imes}60$ सक्वायर फीट, इन्दौर ।

व्ही० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख: 8-7-1975

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एस० भार०/इन्दौर/21-11-74---भत:, मुझे, मही० के० सिन्हा, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 町 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका डिचित बाजार मूल्य 25,000/- ष० से अधिक है और भीर जिसकी सं० खुला प्लाट है, जो जोरा कम्पाउन्ड में स्थित है, (ग्रीर इससे जपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 21-11-74 को पूर्वोक्त सभ्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से किम के दृश्यमान लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का इंचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से के लिए तय उन्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निजियत व्यक्तियों शर्थात्:---

- 1. श्री राजेन्द्र कुमार पिता भवर लाल, निवास मानिक भेक्ते. तुकोगंज इन्दौर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रजीत कुमार पिता शान्ती लाल (2) श्रीमती कमलाबाई पति शान्ती लाल 460 एम० जी० रोड़, इन्दौर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, बदी अर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला प्लाट नं० 45 वी० 3640 सक्वायर फीट जोरा कम्पाउन्ड इन्दौर ।

> व्ही० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 8-7-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० ग्रार०/इन्दौर/6-11-74---श्रतः, मुझे, व्ही० के० सिन्हा श्रधिनियम, 1961 (1961 কা मायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० मकान है, जो बड़ा सराफा में स्थित है (क्रौर इससे उपायब क्रनुसूची में क्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 6-11-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से धुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए; और
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ि जिपाने में सुविधा के लिए।

लतः स्वयः, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में में, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों अर्थात्:—
16—176GI/75

- 1. श्रोमतो चन्द्रशन्ता बाई पति रतन लाल, निवास नं० 4 राधा नगर कालौनी, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- श्री रामचन्द्र पिता हिन्दजी जोशी 27 छीपा बाखल, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'जन्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसु ची

मकान नं ० 24 बड़ा सराफा आगों का हिस्सा तीन मंजिल एरिया-1000 वर्ग फीट, इन्धौर ।

> व्ही० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल ।

सारीख: 8-7-1975

आयकर विभिन्नम, 1981 (1961 का 43) की झारा 269-घ (1) के अजीन मूचना

शायम भ्रमार

याम्लयः सत्तायक श्रामकर दायुक्त (विरीक्षण) अर्वत रोगः शोराम

भीषाल, दिहांक 8 जुमाई 1975

निवेश सं ० ए ६० अ.र०/इ होर/ 23-11-74:— न्या. म्यो. व्हीं ० के० तिन्हा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसले इसके पश्चात् 'उनत राधिनियम' काम गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्रानियारों को महिलास गरने गा कारण है कि स्थावर गयाति, जिसका उचित जालाश मृत्य 25,090/- क० में अधिक है

श्रीर जिसकी सं अंगाह है, जो बर्ग गार में स्थित है (श्रीर इससे उपायह शतुमूची में और पूर्ण कर ने वर्गित है). र जिस्टी कर्ची शिक्त शिक्षित कारी के कार्यालय, इन्होंर में रिजिय्ड्रीहत प्रधितिरम, 1908 (1903 का 16) के प्रधीत 22-11-72 को प्रबंधित

सम्पति के छिति वणार मृत्य में सम छे पृथ्यनान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और मुझे गई जिस्ताम करने का कारण है कि स्थानुनीयन एम्पलि का एक्ति अध्यार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐने दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और श्रम्पिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरम के तिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिधित उड़ेग्य से अन्तरण लिखित में बास्नविक रूप में शित्र नहीं दिया गणा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुनिया के निए;

ग्रतः अव, 'उनत ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उनत अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीपती पार्वती बाई पति रामस्यहप, निवास महेशनगर, दौर । (शन्तरक)
- 2. श्रीमती लीला बाई पति बाबू लाल (2) श्रीकती वमला बाई पति कचर लाल, कस्या खोत गांत्र । (श्रन्तरिती) को वह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : --

- (कः) इम सूचना दे राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविध्य जो भी अविध्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में दिसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी अन्य व्यक्ति दारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिन्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इममें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो 'उक्त अधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में स्थापरिभाषित हैं, वहीं अई होगा, जो उस अध्याय में तिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट न ० 1/9 पर बना हम्रा दो मंजिला महेशानगर, इन्दौर।

ती० के० जिन्हा, सञ्जय प्राधिकारी यहायक क्रायकर क्रायुक्त (जिरीक्षण), स्रजैन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 8 जुलाई, 1975

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल मोगाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निदेण सं० एस० आर०/इन्दौर/21-11-74:—- अतः, मुझे, वही० के० सिन्हा आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० प्लाट है, जो गांधी पार्क में स्थित है (स्रीर इसने उपायद्ध स्नन्यूची भे स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रोब गारों के कार्यालय, इन्सीर में रिजस्ट्रीइन्द स्रधिनियस, 1908 (1903 का 16) के स्रबीन 21-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कान के दृश्यान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिजत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखा में बास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के निए नुकर बनाना; और
- (ख) प्ती किसी आप या किसी धन या अन्य आस्त्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हाटा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियन की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :--

- 1. डा॰ योगेन्द्र पुष्पार भिना सहावली प्रयाद तिवारी निवास महाराको पोठ एकोर । (अन्तरक)
- 2. सत्य कारायत विकास इताबोली बाज्यत मीत कोडा इन्होंता (अन्तरिती)

को यह गुणना चाले अपके पुलेका सन्तरीय के **अर्जन** के विषे कार्यज्ञिल्स मुक्त करण हूं।

उदा सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस गुक्ता के याज्या में यह एक को तारीख में 45 दिन की एवं कि या इस्त्रेमकारी व्यक्तियों पर सूचना की हानी व से 30 दिन की अविद्या, जो भी अविध बाद में प्रमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूच्या के राज्यत में प्रशासन को तारीख से 45 किन के नीतर उपत स्वापर अम्पत्ति में हितनद किसी अन्य व्यक्ति हारा, अधीहस्ताक्षरी के भारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इतमें प्रयुक्त शक्तों और पहें का, जो उक्त अधिकान कि सब्दाय 20-क में यथा परिभाषित है, पहीं अर्थ होगा, जो उस अकाय में दिया गया है।

अनुस्वी

नोर्छ। पार्क यहाँ पारिधार सम्बर 145 पर बन्धा प्रश्ना पश्चिम मुखीको पंजित्वा लग्यादे दक्ति ४७ चौग्र ई फीट 25 ।

> व्हीं० के० सिन्हा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल ।

तारीख: 8-7-1975

नोहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भौपाल

भौपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

निर्देश सं० एम० म्रार०/इन्दौर/7-11-74--म्रत: मुझे, व्ही० के० सिन्हा म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितवाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० प्लाट है, जो मनोरमागंज में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रध-कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-11-1974 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य के दुश्यभान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित म्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री सेठ इन्द्रराज पिता बालमुकुन्द निवास मनोरमागंज इन्दौर। (श्रन्तरक)
- श्री देवकी नन्दन पिता मदनलास निवास बामोरी जिला रायसेन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतक्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 4 क्षेत्रफल 9600 वर्गफीट मनोरमागंज इन्दौर।

वी० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीखा: 8-7-1975

मुझे,

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

निर्देश सं० एस० म्रार०/इन्दौर/19-11-74---म्रत:

भोपाल, दिनांक 8 जुलाई 1975

व्ही० के० सिन्हा
आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से ग्रिधिक है
श्रौर जिसकी सं० जमीन है, जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपा-

बद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी

के कार्बालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-11-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः, श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपघारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :----

- मैतर्स ईक्वर स्टील्स रिज० भागीदारी फर्म 339 शिवानी नगर इन्दौर बारा पार्टनर (1) शिवाजी वावनराव (2) राधेक्याम बद्रीनारायन (3) सत्यनारायन एण्ड राधाकिशन पुत्र बद्रीनारायन, प्रकाश पिता वसन्तराव भोभप्रकाश पिता वावनराव महेशकुमार दिलीप कुमार पुत्र वाल किशन राज कुमार पिता बावू लाल। (भ्रन्तरक)
- श्री गान्ती लाल पिता धेवर चन्द निवास 18/4 मल्हार गंज, इन्दौर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ईश्वर स्टील्स कारखाना (रोलिंग मिल) जमीन 12300 वर्ग फीट एवं उसमें लगी मशीनरी व प्लाट, रोलिंग मशीन मैन ड्राईव यूनिट, चिमनी इलैंकिट्रक मोटर फर्नेस, श्राईल टैंक श्रादि चालू हालत में।

> व्ही० के० सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रेंज, भोपाल ।

तारीखाः 8-7-1975

प्ररूप श्राई०टी०एन०एस०---

भ्रायकर श्राधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 मार्च 1975

निर्देश सं० एस० श्रार०/जबलपुर/28-11-74—श्रतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

भायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं ० दो मंजिला है, जो सदर बाजार में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूर्वी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित से है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकृत श्रिधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन 28-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ध को उप-धारा (1) के ग्रधीन निभ्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.-

- श्री वसंत पिता तेजूमल कुललाकी 6/35 क्याम निवास वस्वई-26 । (श्रन्तरक)
- 2. श्री गुरु सिंह (1) श्रेसीडेंट सरकार राजेन्द्र सिंह पिता सरवार वेजर सिंह नियासी 9/10 लाकपत कुन्स भिन्ड राजहंस होटल नेपीबार टाउन जयलपुर (11) मुलबन्त सिंह विवास गोविन्द भयन पास में जैन्द्रन होटल सिविल लाईन जयलपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तत्क्वंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारान की तारीख़ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों ना, जो उनत श्राधिनियम, के श्रद्धाय 20-क में स्था परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला बिल्डिंग (मथुरा बिल्डिंग) बनी हुई पास में कालो मंदिर गुरुद्वारा कल्टोमेन्ट सदर बाजार जबलपुर ।

> एम० एक० मुन्की स्वाम शासिकारी, सहापक आपकर प्रायुक्त (निरीदाण), अर्जन रेंज, भोवाल।

तारीख: 24-3-1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, महान

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उनत ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिन्नकी सं० 20, 136 ग्रीर 137 टी० एस० ग्रार० जित्र स्टीट, कुम्बिहोदन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से दर्णित है), व रजिल्ट्रीवर्ता अधिकारी के नार्यानय, जे ० एस० जार० ग्रो० मज़ास में रजिस्ट्रीकरण ग्रवि-निमम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवस्वर 1974 को पूर्वीका सम्पत्ति के अवित बाजार मृत्य से कम कं दृश्यमान पतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य हो उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से डुई किसो आय की बायत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में नुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रतु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्;—

- 1. श्री एस० कृश्नस्वामी ग्रायंगार । (ग्रन्तरक)
- श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन; श्रीर वासु (मैनर) (घाडियन मीनाशीसुन्दर्म) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० म्रार० बिघ स्ट्रीट म डार स० 20, 136 स्रौर 137 में स्राधा भाग में 1/3 भाग।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 18 जुलाई 1975

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975 निदेश सं० 3240/74-75--पतः मुझे, जी० वी० झाबक

भ्रधिनियम (1961 का ग्रायकर 1961 'उक्त श्रधिनियम' कहा इसके पश्चात (जिसे इसमें गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु० से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० 20, 136, 137 टी० एस० म्रार० है तथा जो बंघ स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० ग्रार० श्रो० मद्रास (डाकुमेन्ट 3681/74) में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-निग्रम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तियों, अर्थातः --- 1. श्री के० दवारधनान।

(भ्रन्तरक)

 श्री एम० कलियवेरुमाल; एम० कार्तिकेसन; ग्रौर नासु (मैनर) (घाडियन मीताशीसुन्दरम) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम; टी० एस० श्रार० बिघ स्ट्रीट डोर सं० 20, 136 श्रौर 137 में श्राघा भाग में 1/3 भाग।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ग्रा, मृद्रास्

सारीख : 18-7-1975

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्योलय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 3240/74-75---- यतः मुझे, जी० वी० **भाव**क

श्रायकर श्रिश्रित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिश्रित्यम' कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रिश्रीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ ६० से श्रिष्ठक है

स्रीर जिसकी सं० 20, 136 स्रीर 137 है तथा जो टी० एस० स्रार्ध बिध स्ट्रीट, कुम्बकीनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती स्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० सार० भी० मद्रास (डाकुमेन्ट नं० 3682/74) में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख नवम्बर

1974 - 南 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मृह्य से कम के दुश्यमान प्रतिपः त अन्तरित की गई स्रोर विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) में बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई फिंसी आय की बाबत उक्षत अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिराने में सुविधा के लिए,

भत: भव उक्त मिधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, मर्थात् :~- 17—176GI/75

1. श्री के० अशोकः।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन; श्रीर वासु (मैनर) (घाडियन मीनाजीसुन्दरम) । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका समानि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजाल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ_सूची

कुम्बकोनम, टी० एस० श्रार० विघ स्ट्रीट, डोर सं ● 20, 136, 137 में श्राधा भाग में 1/3 भाग।

> र्जा० वी**० झावक,** स**क्षम प्राधिकारी,** सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 18-7-1975

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 3240/74-75--पत: मुझे, जी० वी० साबकः आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 20, 136, 137 टी० एस० श्रार० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० श्रो० मद्रास (डाकुमेन्ट 3683/74) में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नालेखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क, श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उन्त ग्रिधिनियम, के श्रदीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ात: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, म, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. श्री एस० श्रीनिवासन ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्निकेसन ग्रौर वासु (मैनर) (गाडियन मीनाक्षीसुन्दरम) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम टी० एस० ग्रार० विग स्ट्रीट, होर सं० 20, 136 ग्रीर 137 में ग्राधा भाग में चौथा भाग है।

> जी० वी० झावक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, मद्रास

तारीख: 18-7-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रामकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I. महास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

वो० निर्देश सं 3240/74-75---यतः मुझे, जी० झायक श्रधिनियम, 1961 (1961 朝 प्रायकर (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार रु० से भ्रधिक है भ्रीर जिसकी 25,000/-सं० 20, 136, 137 टी० एस० ग्रार० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कृम्बकोनम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भार० भ्रो० मद्रास (डाकुमेन्ट 3684/74) में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, नवम्बर प्वोक्त सम्पति के 1974 को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से माधक है भीर म्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:— 1. श्री एस० बद्धि नारायणन ।

(अन्तरक)

.2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन ग्रीर वासु (माईनर) (गार्डियन मीनाक्षीसुन्दरम)

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध फिसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० श्रार० बिग स्ट्रीट डोर सं० 20, 136 श्रीर 137 में श्राधा भाग में चौथा भाग है।

> जी० बी० **क्षाबक** सक्षम अधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 18-7-1975

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० 3240/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक और जिसकी सं० 20, 136 और 137 टी० एस० आर० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० आर० यो० मद्रास (डाकुमेन्ट 3685/74) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नवम्बर 1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

नाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-गत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वासाविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—- 1. श्री एस० लक्ष्मीनारायणन ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० कलियपेरुमाल; एम० कार्तिकेसन और बासु (माईनर) (गार्डियन मीनाक्षीसुन्दरम) । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राज्यपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी अयक्तियों पर सूजना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में है किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में द्वितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्यब्हीकरण:-इसमें प्रयुक्त शन्त्रों और पदों का जो उन्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० भ्रार० बिग स्ट्रीट, डोर सं० 20, 136 श्रीर 137 में श्राधा भाग में चौथा भाग हैं।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 18 ज्लाई 1975

प्रस्प धाई० टी० एन० एस०-----

भावकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० 3240/74-75:---यतः, मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्राधक है भौर जिसकी सं० 20, 136 स्रौर 137, टी० एस० स्रार० बिग स्ट्रीट, है तथा जो कुम्बकोनम में स्थित है (ग्रीर इससे) उपाबद्ध श्रतुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वॉंगत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार० श्रो० मदास (डाकुमेन्ट सं० 3686) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, नवम्बर, 1974 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाआर मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है ग्रीर श्रन्तरक (श्रन्त-रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव 'उनत श्रधिनियम,' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उनत 'श्रिविनयम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निवित व्यक्तियों, शर्यात :---

(1) श्री एस० सस्यनारायणन

(श्रन्तरक)

(2) श्री एम० कलियमेरुमाल ; एम० कार्तिकेसन ग्रीर बासु (माईनर) (गार्डियन मीनाक्षीसुन्दरमः।) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्दारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

ह्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त प्रधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुम्बकोनम, टी० एस० ब्रार० बिग स्ट्रीट में डोर सं० 20, 136, ब्रौर 137 में ब्राधा भाग में चौथा भाग है।

> जी० वी० **झायक,** सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण),</mark> प्रजंन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख: 18 जुलाई, 1975

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० 1445/74-75:---यत:, मुझे, जी० बी० झाबक, म्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 78, जेनरल पेटर्स रोड है तथा जो मद्रास में स्थित है (स्रोर इसते उपाबद्ध प्रनुसुची में स्रोरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 4139/74) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 29-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित गई है और मुझे यह करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

म्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चन्द्रा, श्री डी० तिरुमले रेडियार,

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. सजिब ट्रस्ट;
 - विनोद ट्रस्ट ;
 - 3. विनोद, सजिव और विनिता ट्रस्ट; (ग्रन्तरिती)
 - 4. विनिता दुस्ट; श्रौर
 - श्रीमती सिसि तिमोति ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमा मुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, जेनरल पेटर्स रोड, डोर सं० 78 में $1\frac{1}{2}$ प्राउण्ड की खाली भूमि जिसकी धार० एस० सं० 375/128 है।

जी० वी० झायक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख:** 18 जुलाई, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 18 जुलाई, 1975

निदेश सं० 1467/74-75:---यत:, मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० 77 जेनरल पेटर्स रोड है तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास (डाकुमेन्ट सं० 4140/ 74) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि भ्रन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण

(क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उनतः प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उनत प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयांत् :--- () श्री डी॰ तिस्मलै रेड्डि

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. सजिव दुस्ट;
 - 2. विनोद ट्रस्ट ;
 - 3. विनोद, सजिब भ्रौर विनिता ट्रस्ट ;
 - 4. विनिता ट्रस्ट ; श्रौर
 - 5. श्रीमति सिसि तिमोति ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—-इसमें प्रयुक्त गडदों श्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रद्भाय 20-क में परिभाषित हैं, यही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

मद्रास, जेनरल पेटर्स रोड, डोर सं० 77 में 4 ग्राउन्ड ग्रौर 577 स्क्वायर फीट की खाली भूमि जिसकी ग्रार० एस० सं० 375/27 है।

> जी० वी० झाबक, सक्षमप्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

ता**रीख** : 18 जुलाई, 1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 975

निदेश सं० 2332/74-75:---यतः, मुझे, जी० बी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत ग्रधिमियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भगरण है कि सम्पत्ति, जिसका स्थावर से अधिक है ग्रौर बाजार मृत्य 25,000/- ६० जिसकी सर्वे सं० 69 श्रौर 157/बी-3 है तथा जो मार्च नायनक पालयम में स्थित है (स्रौर इससे उपायद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रनमले (डाक्मेन्ट सं० 1166/74) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-11-1974 की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

जतः जब उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- (1) श्री के० कुमारसामि गौन्डंर
- (भ्रन्तरक)
- (2) श्री के० एन० ग्रब्बुल मजिद ;
 के० एम० श्रब्दुल श्रजीज ;
 के० एम० श्रब्दुल हिकम ;
 के० एम० बंशीर ;
 शाजखान श्रीर एम० सिराज्दीन । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी के 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी कसे 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्यो

पोल्लाचि तालुक, मार्चनायकन पालयम में 5-25 एकड़ की भूमि, मकान ; में शिनरी ग्रादि जिसकी सर्वे सं० 169 भौर 157/बी-3 है।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्ते (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10 जुलाई, 1975

प्रकप आई० टी० एम० एस०--

भ्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्टीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-II, भद्वास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2335/74-75:---यतः, मुझे, जी० वी० झाबकः, भायकर भधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' नहा गया है) की घारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपये से अधिक है भौर जिसकी सं०102 श्रीर102/1 चिक्कदसम है तथा जो पालयम (मेट्टुपालयम टाउन)में स्थित है (भीर इससे उपाबन प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेन्ट सं० 4458/74) में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 25-11-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 🛊 कि प्रधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्देश्य से** उक्त अन्तरण शिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269 - ग के ग्रनु-सरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्: 18—176 GI/75

- (1) श्री एम० राजगोपाल श्रौर युनाईटेड थियेटर्स (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्रार० के० शन्भुघम चेट्टियार ;
 - 2. एन० सुक्रमनियन ;
 - 3. एन० पलनिस्वामि ; भौर
 - 4. एन० कार्तिकेयन ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थे होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चिक्कदसमपालयम (मेट्टुपालयम टाउन)में ''सेन्तिल थियेटर' जिसका डोर सं० 102 थ्रौर 102/1 है ।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-Ц, मद्रास

तारीख: 10 जुलाई, 1975

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2342/74-75:— यत:, मुझे, जी० बी० झावक, श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सर्वे सं०22 बी, 23बी, 53 श्रीर 54ए है तथा जो पुन्जे दुरैयम्पालयम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गोबिचेट्टिपालयम (डाकमन्ट सं० 3346) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नवम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात्:---

- (1) श्री एस० नरिसम्म राघ ; नागराजन श्रौर हनुमन्त राव (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमती जानकी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पुन्जे दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 2/3 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22 बी; 23बी; 53 श्रौर 54ए है।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 10 जुलाई, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2342/74-75---यतः, मुझे जी० वी० झाबक, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ ६० से प्रधिक है भौर जिस की सं० 22बी, 23 बी, 53 भौर 54ए है, तथा जो पुन्जे दुरैयम्पालयम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, गोपिचेट्टिपालयम (डाकुमेन्ट सं० 3347) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन, नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिनिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या मन्य म्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त म्रिधिनियम', या धनकर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत्:—

- (1) श्री एस० नरिसम्म रात्र; नागराजन श्रीर हनुमन्त रात्र (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जानकी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुन्जे दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 क्ष्री एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22बी; 23बी; 53 ग्रीर 54ए है।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख :10-7-75

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 10 जुलाई, 1975

निदेश सं० 2342/74-75--यतः मुझे, जी. बी. झाबक **प्रायकर अधिनियम,** 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- ६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सर्वे सं० 22 बी, 23बी, 53 श्रीर 54ए है तथा जो पून्जै दुरैयम्पालयम में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गोबिचेद्रिपालयम (डाकुमेन्ट सं० 3348) में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, नवम्बर 1974 को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना;

यता, अब, घारा 269-ग का उक्त अधिनियम के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) के श्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:--

- (1) श्री एस० नरिसम्म राव; नागराजन श्रीर हनुमन्त राव (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती जानकी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पुन्जै दुरैयम्पालयम गांव में 3-48 हुँ एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 22 बी; 23बी, 53 श्रीर 54 ए है।

> जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) घ्रजंन रज-II, मद्रास

तारीख 10-7-75

प्रस्प आई० टी० एन० एस० —

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269(भ) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, तारीख 10-7-75

निदेश स० 2342/74-75---यतः मुझे जी० बी० झाबक अधिनियम 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रुपये से अधिक है भीर जिसकी सर्वे सं० 224, है तथा जो भलुकुलि गांव में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, गोबिचेट्टिपालयम (डाकुमन्ट सं० 3250) में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 20-11-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है बौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उम्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उन्त ग्रिविनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्घात:-

(1) श्रीमती पी० जानकी

(भ्रन्तरक)

(2) बी० कालियन्न गौण्डर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपदा में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोद्वस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-कार्में भाषित है, वही अर्थ होगा, अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्रालुकुलि गांव में 3-14 🖢 एकड़ की भूमि, जिसकी सर्वे सं० 224 है।

> जी० बी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II, भद्रास

तारीख 10-7-1975

मायकर मिधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II मद्रास

तारीख 10-7-1975

निदेश स॰ 2342/74-75---यतः मुझे, जी० वी० झाबक **भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम,' कहा गया है) के भ्रधीन सक्षम प्रधिकारी 269-₹ को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से मधिक है श्रीर जिस की सर्वे सं० 224 है तथा जो प्रलुकुलि गांव में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, गोबिचेट्टिपालयम (डाकुमेन्ट सं० 3251) में, रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-11-1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मृल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भ्रम्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, 'उक्त भिधिनियम', के भिधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श्र) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-व की उपघारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--- ं (1) श्रीमती पी० जानकी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इस्वरमूर्ती

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्तिद्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम,' के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं प्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रलुकुिल गांव में 3-14 $\frac{1}{2}$ एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं० 224 है ।

जी ० वी ० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 10-7-1975

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुर्वत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं० 3221/74-75--यतः मुझ, जी० वी० झाबक म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रीर जिस की सर्वे सं० 22/2, 70 श्रीर 71 है तथा जो पार्वतिपुरम गांव म स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कुरिन्जिपाडि (डाक्-मन्ट सं० 3116/74) में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 26-11-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रोर मुझे यह भिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है मीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त श्रीधिनियम,' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया । या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत : ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों मर्थात:--- (1) श्री सुन्दरम श्रायगार

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जी० रायर पडयाचि

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति, दारा श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस धध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

पार्वतिपुरम गांव में 22-38 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे स॰ 22/2, 70 श्रीर 71 है।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

बायकर बितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के बितीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण),
भर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निवेश सं० 3221/74-75—यतः मुझे जी० वी० झाबक मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त प्रधिनियम कहा गया है), की बारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से प्रधिक है भौर जिसका जी पार्वतिपुरम गांव में स्थित है (शौर इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुरिन्जिपाडि (डाकुमेन्ट सं० 3117/74 में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 26-11-1974

का 16) के प्रधीन, दिनांक 26-11-1974
को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के
बूब्यमान प्रतिफल के लिए वन्तरित की गई है और
बुध्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान
प्रतिफल के ऐसे बृब्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक
है और बन्तरक (बन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उम्स अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्ष से खित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (ख) ऐसी भिसी आय या किसी घन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए ।

श्रतः, जब उन्त श्रधिनियम की धारा, 269-ग के श्रनुसरण म मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रधीतः-- (1) श्री सुन्दरम द्यायंगार

(घन्तरक)

(2) श्रीमती तायनायि मन्माल

(भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त मान्यों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पार्वतिपुरम गांव में 22-38 एकड़ की भूमि जिसकी सर्वे सं॰ 22/2, 70 श्रीर 71 है।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय सहायक भायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज I महास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं XVI /13/1ए/74-75----यत: मुझे, जी ०

वी॰ झाबन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ६० 25,000/- से घ्रधिक है भौर जिसकी सं० एस० 333, मुलुनायकम्पट्टी है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-

स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भ्रोमलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण

प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 16 नवस्बर 1974 को पूर्वोक्त

तबम्बर 1974 का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (क) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम' या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भतः भव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

- (1) श्रीमती मरगतम, चिन्नैयन ग्रार ग्रंगन्न (ग्रन्तरक)
- (2) राजू गौन्डर, मुतुनायसम्पट्टी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्मच्हींकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त ग्राधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुतुनायकम्पट्टी एस० सं० 333 में 3 एका खेती का भूमि।

जी० वी० झामक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज I, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

मोद्वर :

प्रकथ बाई॰ टी॰ एन॰ एत॰--

यानकर जमिनिश्रम, 1961 (1961 का 43) की श्रारा 269-ण (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय ,सहायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेण सं० X^{VI}/13/1बी/74-75----यतः मुझे, जी० वीक्षाबक

भायकर श्रिधितियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधितियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से श्रिधिक है

श्रीर जिस की सं० एस 333 श्रार 329/6, मतुनायकम्पट्टी है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीमलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन दिनांक 16 नवम्बर 1974 को

क प्रधान दिनाक 16 नव भ्वर 1974 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रिधिनियम', के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन वा मण्ड मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त मिधिनयम' वा धन-कर मिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अमोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, खिपाने में सुविधा के लिए।

झत: श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की बारा 269- न के झनुकरक में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की भारा 269- घ की उपभारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीत्:~

- (1) श्रीमती मरगतमः चिन्नं मन भौर ग्रंगन्नन (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती तंगम्माल (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्भन्ध भें भीई भी ग्राक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की झबधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण :- इसमें प्रमुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त घिधनियम', के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस धध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मृतुनायकम्पट्टी एस० सं० 333 घीर 329/6 में 2.75 एका खेती का भूमि

> जी • वी • झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्राक्ष

तारीख 10-7-1975 : मोहर : प्रकप आई० टी० एन० एस०—

भामकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अघीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निवेश सं० XII/9/1/74-75--यतः, मुझे जी० बी० ज्ञाबक सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षक) रेंज, मद्रास बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 2.69-ख के अधीन सक्षम को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिस की सं० है, जो भम्मनपुरम में स्थित है (भीर इससे उपावस सनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, कुरुम्बूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण मधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 16 नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बहु कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन वर देने के अन्तरक के दायिक्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घत या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थातृः—

- ं (1) श्रो मोइम्नद सानजुदीन ग्रौर ग्रादी (श्रन्तरक)
 - (2) जेबवीरन, कीलपुतुकुडी ग्रम्मनपुरम पोस्ट (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के सिए एतव्**दारा कार्यवाहियां शुरू** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी ध्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 357/2, 356, 355/1, 357/1, 354/5, 354/3, 358/5 भीर 358 में 2.44 एकड़ खेती की भूमि।

जी • वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-I, मद्रास

सारीख: ा १-७-७-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-अ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, मन्नास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्वेश सं० XII/9/2/74-75— यतः मुझे, जी० वी० झाबकः भायकर प्राधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० कीलपुतुकुडी, श्रम्मनपुरम है, जो में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, कुरुम्बूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रधीन नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, ग्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत्:—

(1) श्री मोहम्मद सामसुदीन ग्रीर ग्रादी (ग्रन्तरक)

(2) पानकीयताय श्रम्माल, कीलपुतुकुडी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 344, 347/2, 345/23 श्रीर 345/18 में 2.54 एकड़ खेती की भूमि।

जी० वी० झायक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० XII/9/3/74-75—-श्रतः, मुझे जी० बी० झाबक आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिस की सं० कीलतुकुडी, श्रम्भपुनपुरम पोस्ट है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कुरूम्बूर में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नवम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य

से मम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधिनियम, या धनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, ग्रव, उक्त श्रिविनयम की धारा 269ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269-थ की उपधारा (1) कें श्रिधीन निम्नजिखित क्यक्तियों; श्रर्थात् :--

- (1) श्री मोहमद सामसुदीन और श्रादी (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भ्रहर्मैनायग नाडार, कीलपुतुकुडी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:—

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप,--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्रम्मनपुरम पोस्ट, कीलपुतुकुडी गांव एस० सं० 344, 360/5, 354/1 मौर 345/6 में 2.65 एकड़ खेती का भूमि।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मज्ञास

सारीख: 10-7-1975

प्रकप आई• टी॰ एन• एस॰---

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1). के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रावकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेख सं

XVI | 5 | 74-75—यतः, मुझे जी० वी॰ साबक
धायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रिधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है भीर जिस की सं० भार० एस० सं० 333 | 2, है जो कुरूम्पट्टी गांव है जो में स्थित है (भीर इससे उपावद भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, नामक्कस में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन नवस्वर 1974 को

वृबॉक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर वैने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः जब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निकिश्वत व्यक्तियों, प्रचीत्:— (1) श्री रामसामि, कुरम्पट्टी

(मन्तरक)

(2) श्री सेलवकुमाए, तगायूर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबन्ध में कोई भी झाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास मिखित में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यजापरिधाधित हैं, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

नामक्कल, कुरूपट्टी गांव ग्रार० एस० सं० 333/2 में 8.51 एकड़ खेती का भिम में ग्राधा भाग।

> जी० वी० झासक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-ा, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

प्रकप धाई॰ टी॰ एनं॰ एस॰---

भायकर धिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मं(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्जालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं XVI/5/4/74-75— बतः, मुझे जी वी शानक भायकर भिक्षिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिक्षितियम' कहा गया है), की भारा 269ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से

प्रधिक है

भौर जिस की सं० भार० एस० 333/2, हैं, जो कुश्म्पट्टी नामक्कल में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नामक्कल में रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नामक्कल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नवम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत ग्राधिक है और यह कि धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत 'उक्त भिष्ठिनियम', के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाग-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त मिनियम', या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव 'उक्त भधिनियम', की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-प की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नस्थित व्यक्तियों, प्रचीत:- (1) श्री शामसामि, कुरुम्पट्टी

(मन्तरक)

(2) श्री मोनीयन, तंगाबूर

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिजे एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इन्द्र सम्पत्ति के संजन के संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में त्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिओं पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: ---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को 'उक्त प्रिवित्यम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया भया है।

अनुसूची

नामक्कल, क्रुक्म्पट्टी मांव ग्रार० एस० सं० 333/2 में 8.51 एकड़ खेती का भूमि में श्राधा भाग।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सङ्गयक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजेन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एक०--

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

भायांलय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भजेन रेज-I मन्नास

मद्रास, दिनांक 15-7-1975

निदेश सं॰ $1 \times /7/95/74-75$ —यतः, मुझे जी॰ वी॰ माबक श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिस की सं० 6/23, हारींटन ऐवेन्यू, है, जो मद्रास में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वेस्ट मद्रास में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवस्थर 1974 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे **प्र**न्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ध्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्मात्:——

- (1) श्रीमती सुलोचना मेनन 10, क्लब रोड, मद्रास-33 (प्रन्तरक)
- (2) श्री मशोक कुमार, मद्रास-16 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी ब्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रष्ट्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मद्रास हारीटन ऐवेन्यू डोर सं० 6/23 में 7200 स्क्वेयर फुंट का भूमि मौर मकान (मार० एस० सं० 353 (भाग)।

जी० बी० झाबक सक्षम प्राधिकारी, सहायक झायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, मधास

तारीख: 15-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० XIX 1/9/74-75—यतः, मुझे जी० वी० झाबक म्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात्, 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 2.69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ब्रौर जिस की सं० एस० 482, 477/1 ब्रौर 477/2, है, जो कोन्डानगरम/खरिसलकुलम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, तिस्नेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूरुय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैऔर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अस्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत:, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 20—176 GI/75

- (1) श्री एम० ए० शेकमीरान राउक्षर ग्रौर ग्रादि (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० एस० ग्रब्दुल कयुम खान, तिरूनेलवेली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी सासे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

कोन्डानगरम/खरिसलकुलम एस सं० 482, 477/1, श्रौर 477/2 में 11.13 एकड़ खेती का भूमि ।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) घ्रजैन रेंज-I, मद्रास

सारीख: 10-7-1975

प्ररूप आई० ही० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10-7-1975

निदेश सं० XIX/1/10/74-75—~यतः, मुझे जी० वी० **झाब**क

भायकर श्रिधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से अधिक है और जिसकी सं० है, जो कोन्डानगरम/करिसलकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्याक्षय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिसम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- (1) श्रीमती टी० पी० रोकैया बीवी श्रीर श्रादि (स्रन्तरक)
- (2) श्री एम॰ एस॰ गुलाम मोहमद राऊतर तिरुनेलवेली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रीर पनों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अमुसूची

कोन्डानगरम/करिसलकुलम एस सं० 481, 476/1, 487/1, 488/1, श्रीर 476/2 में 12.56 एकड़ खेती का भूमि ।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 10-7-1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०-----

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 जुलाई 1975

निर्देश सं० XIX /1/11/74-75—स्तः, मुझे, जी० वी० झाबक आयकर श्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है

श्रौर जिस की सं० जो कोन्डानगरम/करिसलकुलम में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यलय, तिरुनेववेली में रजिस्ट्रीकरण \$

अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विसम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयां था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

भ्रतः भ्रव उक्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त भ्रष्ठिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रष्टीत्:—

- (1)श्रीमती टी० पी० रोकैय्या बीबी ग्रौर नबीण वीबी, तिरुनेलवेली (ग्रन्तरक)
- (2) एन० एस० मोहम्मद ईबरहिम राऊतर, तिक्तेलवेली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोन्डानगरम/करिसलकुलम एस० सं० 489/1 '478, 476/2 श्रौर 483 में 17 एकड़ खेती की भूमि।

> जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 10-7-1975

प्ररूप भाई० टी० एत० एस०------भायकर प्रोधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-A, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/831/75/76— यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० बी-15 (पिश्चम भाग) है, जो कीर्ती नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबख श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) ग्रौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भग्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रश्चित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधितियम या धनकर श्रधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

 श्रीमती दर्शन कौर बावा पत्नी स्वर्गीय श्री ध्यान सिंह बावा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली, श्रपने लिए तथा (9) लोगों के लिए जनरल एटारनी (1) श्री मोहिन्द्र सिंह बावा (2) श्री सुखबीर सिंह बावा (3) श्री जसवन्त सिंह बाबा, सुपुत्र स्वर्गीय श्री ध्यान सिंह

- बावा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (4) श्रीमती तेज प्रकाण कौर रेखी, पत्नी श्री प्रमरिक सिंह रेखी, निवासी ए-18, जंगपुरा एक्सटैनणन, नई दिल्ली (5) श्रीमती तजीन्द्र कौर वधवा, पत्नी श्री जोगिन्द्र सिंह वधवा, जोकि वधवा स्पोंस, गाजियाबाद (यू० पी०) के हैं (6) श्रीमती जसिपन्द्र कौर, पत्नी श्री दिवन्द्र सिंह कक्कर, गली नं० 4, पहाइगंज, नई दिल्ली (7) एसर्० गुरदीप सिंह बावा, सुपुन्न श्री ध्यान सिंह बावा, निवासी बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (8) श्रीमती हरिमन्द्र कौर, पत्नी श्री सुरजीत सिंह, 230 थिस्टल डराईव, सिलवर स्परिंग, एम० डी०, यू० एस० ए० (9) डा० उज्जागर सिंह बावा सुपुन्न एल० एस० ध्यान सिंह बावा, निवासी सानी हाईटस, बलूम्सबर्ग, पी० ए० 17815 यू० एस० ए०
- 2. श्री श्रीराम गुलाटी, सुपुत्र श्री लादा राम गुलाटी, मकान नं 13, रहगरपुरा, करौल बाग, नई दिल्ली लेकिन अब बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं भ्रथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अमुसूची

पश्चिम भाग का क्षेत्रफल 160 वर्ग गज है तथा जोकि एक मंजिला जायदाद पर है जिसका नं ० बी-15, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार की सीमाश्रों में स्थित हैं:——

पूर्व : प्रकाट नं० 16 पश्चिम : प्रकाट नं० 14-ए

उत्तर : सर्विसः लेन दक्षिण : सङ्क

> चं० वि० गुरते सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 5 मई, 1975

मोहरः

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20; the 2nd July 1975

No. EST-I-2(207).—Shri S. S. Aggarwal, Director (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay retired from Service with effect from 31-5-1975 (A.N.) on attaining the age of Superannuation.

R. P. KAPOOR, Textile Commissioner.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) INDIAN BUREAU OF MINES Nagpur, the 21st June 1975

No. A19011(126)/75-Estt.A.—On his promotion to Grade III of the I.S.S. in the Directorate General of Employment and Training. (Ministry of Labour) as Statistical Officer, Shri D. Siva Prasad, Grade IV I.S.S. officer and Assistant Mineral Economist of this department has relinquished the charge of the post of Assistant Mineral Economist with effect from the afternoon of 21st June, 1975.

A. K. RAGHAVACHARY, Sr. Adm. Officer for Controller.

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS New Delhi-1, the 20th June 1975

No. A-1/1(1023).—Shri D. P. Gaur, Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi has been reverted to the non-

gazetted post of Junior Field Officer with effect from the forenoon of 5th June, 1975.

The 27th June 1975

No. A-17011/90/75-A.6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri Sukumar Som, Asstt. Director of Supplies (Grade II) in the D.S. & D Calcutta to officiate as Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle w.e.f. the forenoon of the 22-5-75 until further orders.

Shri Som relinquished the charge of the post of Assistant Director of Supplies (Grade II) in the D.S.&D. Calcutta on the forenoon of 13-5-75 and assumed charge of the post of Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Madras Inspection Circle on 22-5-75 (F.N.).

K. L. KOHLI,

Deputy Director (Administration)

for Director General of Supplies & Disposals.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-13, the 9th June 1975

No. 4-88/73/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) D. Danda to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) at Central India, Station, of this Survey at Nagpur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 30th May, 1975, until further orders.

C. T. THOMAS, Senior Administrative Officer.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 25th June 1975

No. A-31014/4/74-SVI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints the following officers in the Grade of Audience Research Officer, All India Radio in a substantive capacity with effect from the date indicated against each:—

S. No	Name			Present position	Post against which made substantive	Date of substantive appointment
$\overline{(1)}$	Shri J. P. Gupta	···	 	A.R.O. AIR Lucknow	All India Radio, Calcutta	20-5-72
(2)	Shri S. B. Hiwarale		 	A.R.O. AIR Bombay	All India Radio, Jaipur	20-5-72
(3)	Shri B. R. Chalapathi	Rao	 	A.R.O. AIR, TV Centre, New Delhi	All India Radio, Hyderabad	23-5-74
(4)	Shri Baldeb Mishra		 	A.R.O. AIR, Cuttack	All India Radio, Trivandrum	23-5-74
(5)	Shri S. C. Agarwal			A.R.O. AIR, Ahmedabad	Television Centre, AIR, New Delhi	23-5-74
(6)	Shii B. S. S. Rao			A.R.O. AIR, Hyderabad	All India Radio, Bombay	23-5-74

^{2.} Their confirmation is subject to the condition that they will be liable to transfer at any time to service under a Public Corporation, if formed, and that on such transfer, they will be liable to the conditions of service to be laid down for the employees of that Corporation.

The 26th June 1975

No. 4(90)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. P. Shastri as Programme Executive, All India Radio, Udaipur in a temporary capacity with effect from the 4th June, 1975 and until further orders.

No. 5(54)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Satyendra Kumar Bose as Programme Executive, All India Radio Bikaner in a temporary capacity with effect from the 6th June, 1975 and until further orders.

The 3rd July 1975

No. 5(75)/61-SI.—On attaining the age of superannuation Shri A. H. Burq, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar retired from service with effect from the afternoon of the 30th April, 1975.

2. This Directorate's Notification No. 5(75)/61-SI, dated the 28th April, 1975 is hereby cancelled.

The 4th July, 1975

No. 4(3) 73-S1—The Director General, All India Radio hereby appoints the following ad hoc Programme Executives, All India Radio, on a regular basis with effect from the date shown against each:

Sl. Name No.		Station/Office where working	Date of regular appointment.
1. Shri R. K. Sinha		TV Centre, New Delhi.	1-4-1975
2. Smt. Urbashi Joshi		Cuttack	8-4-1975
3. Kum, Manjula Bhatnag	ar	External Services	29-3-1975
		Division, New Delhi	
4. Shri G. S. Sharma		Varanasi	31-3-1975
5. Shri B. K. Sarkar		Hyderabad	29-3-1975
Shri M. K. Singh		Imphal	1-4-1975
7. Shri H. C. Sharma		Raipur	2-4-1975
8. Smt. Indubai Ramesh		New Delhi	28-4-1975

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 26th June 1975

No. 12/9/(i)/74-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Abdul Aziz Ansari, Senior Research Assistant, in the Office of the Chief Scientist, Dry Land Agriculture Project, College of Agriculture, Indore, as Farm Radio Officer in All India Radio, Gwalior with effect from the 24th May, 1975 (F.N.) in a temporary capacity until further orders.

HARJIT SINGH, Dy. Director Administration, for Director General.

New Delhi, the 25th June 1975

No. 2/9/74-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Moti Ram in the Cadre of Assistant Engineer in an officiating Capacity at the All India Radio station at Cwallor with effect from 9th June, 1975 (Forenoon).

The 27th June 1975

No. 2/4/74-SHI.—The Director General All India Radio hereby appoints the following Senior Engineering Assistants to officiate in the Grade of Assistant Engineers with effect from the date mentioned against each at the stations/Offices of All India Radio as shown against their names, until further orders:—

- S. No., Name Place of posting and Date of Appointment.
 1. S/Shri S. N. Agashe, SEA AIR, Sangli—HPT, AIR,
 Malad—20-3-75 (FN).
- 2. G. Subramanian, SEA, HPT AIR, Avadi Madras-All India Radio, Raipur-9-6-75 (FN).

In partial modification of this Directorate's Notification No. 2/6/73-SIII dated 19-9-74 appointing Ad hoc Assistant Engineers to officiate in the Grade of Assistant Engineers on regular basis with effect from 27th February, 1974, the name of Shri S. K. Sharma appearing at Sl. No. 38 is hereby deleted from the said notification.

P. K. SINHA,
Dy. Director of Administration,
for Director General.

(PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

New Delhi, the 21st July 1975

A-19015/3/72-D(S).—Consequent upon his retirement on superannuation with effect from 30-11-74 (A.N.), Shri Hariharan relinquished charge of Chief Draftsman Planning and Development Unit, Directorate General, All India Radio, New Delhi.

T. R. SABHARWAL, Dy. Development Officer (Admn.)

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 24th June 1975

No. A-12023/2/74-CWI.—The Director General All India Radio, is pleased to appoint Shri C. S. Balasubramanian, as Assistant Engineer (Civil), in the Civil Construction Wing. All India Radio, with effect from 20-3-75 (F.N.) and to post him as Assistant Engineer (Civil) in the Sub-Divisional Office at Bombay, under the Divisional Office (Civil), Bombay until further orders.

K. G. KRISHNAMURTHY, Engineer Officer to C.E. (Civil) for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY New Delhi-1, the 25th June 1975

No. 2/250/56-Est.I.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri N. S. Shami, officiating Senior Accountant to officiate as Accounts Officer in this Directorate on a putely ad hoc basis with effect from the 31st May, 1975 until further orders.

The 26th June 1975

No. A.19012/1/75-Est.II.—The Director of Advertising & Visual Publicity appoints Shri S. R. Pushkar to officiate as Field Exhibition Officer in the Field Exhibition Unit of this Directorate at Simla with effect from 14th April, 1975 (Forenoon) until further orders.

R. L. JAIN, rector (Admn.)

Dy. Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 18th June 1975

No. 38-1/75-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. Ashok Kumar relinquished charge of the post of Junior Medical Officer (GDO Grade II) in the Rural Health Training Centre, Najafgrh (DELHI) on an ad hoc basis on the afternoon of the 21st May, 1975, and assumed charge of the post of Assistant Airport Health Officer (GDO Grade II) in the Airport Health Organisation, Delhi Airport, Palam, on the forenoon of the 22nd May, 1975, on an ad hoc basis.

(CHS, II SECTION)

The 26th June 1975

No. 2-38/75-CHSJ1.—Consequent upon the acceptance of his resignation, Dr. J. C. Asthana relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 14th May, 1975.

The 30th June 1975

No. 48-1275-CHS.I.—The Director General of Health Services hereby appoints Dr. R. Ravi as Judior Medical Officer in the IIPMER, Pondicherry with effect from the forenoon of the 17th March, 1975 on an ad hoc basis until further orders.

R. N. TEWARI, Dy. Director Administration (CHS).

New Delhi, the 1st July 1975

No. 40-36/75-D.—The Director General of Health Services is pleased to accept the resignation of Shri U. V. Kamat from the post of Junior Scientific Officer (Pharmacology) in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad on the afternoon of the 6th June, 1975.

S. S. GOTHOSKAR,
Drugs Controller (India)
for Director General of Health Services.

New Delhi, the 25th June 1975

No. 17-5/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Sharma in a substantive capacity to the permanent post of Architect in the Directorate General of Health Services with effect from the 30th June, 1972.

The 2nd July 1975

No. 10-8/72-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. K. C. Guha in a substantive capacity to the permanent post of Senior Analyst at the Central Food Laboratory, Calcutta, with effect from the 6th November, 1971.

S. P. JINDAL, Dy. Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 24th June 1975

No. F.3(44)/9/72-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Finance Department (Central Revenues) Customs Notification No. 12 dated the 9th June, 1945 and Customs Notification No. 1 Camp dated 5th January, 1946 and Covernment of India, Ministry of Finance (Revenue Division) Customs Notification No. 6 dated 5th February, 1949 and the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 64 dated 17th June, 1961, I hereby authorise Shri Hari Prasad, Assistant Marketing Officer to issue Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of tobacco which has been graded in accordance with the Tobacco Grading and Marking Rules, 1937 (as amended) and export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

N. K. MURALIDHARA RAO, Agricultural Marketing Advisor. to the Goyt, of India.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Bombay-400 085, the 27th June 1975

No. 5/1/75/Estt.V/414.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri Dattatray Shankar Ingle, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in a temporary capacity in this Research Centre for the period 28-4-75 to 16-6-75.

A. SANTHAKUMARA MENON, Dy. Establishment Officer.

(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 10th June 1975

No. PA/81(28)/75-R-IV.—The Director, Bhabba Atomic Research Centre, appoints Shri Nand Lal Wadhwani, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints the undermentioned temporary Scientific Asistants (C) in the Bhaba Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders:

- 1. Shri Biswanath Dasmajumdar.
- 2. Shri Ratilal Joitaram Patel.

No. PA/81(57)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Krishna Nanda Naik, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Chencheriathu Vasudeva Panicker Gopalakrishnan Nair a permanent Scientific Assistant (A) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February J, 1975, until further orders.

No. PA/81(95)/74-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Dinesh Digambar Panse, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(32)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoint Shri Karlapudi Venkata Bhavanlvara Prasad, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre (presently working in VEC Project) as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

The 11th June 1975

No. PA/81(30)/75-R-IV.—The Director Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned permanent Scientific Assistants (B) and officiating Scientific Assistants (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officers/Engineers-Crade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders:

- 1. Shri Eledeth Gopinathan.
- 2. Shri Ellikkal Kunjhunny Viswanathan.

The 12th June 1975

No. PA/81(54)/75-R-IV.—The Director Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vinayak Gangadhar Bapat, temporary Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

No. PA/81(54)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Shankar Shrikrishna Shahane, temporary Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN, Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 12th June 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est.—In continuation of this Directoate notification No. DPS/A/35011/1/73/Est dated February 1, 1975, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate, as a temporary Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period from March 1, 1975 to May 31, 1975.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

Bombay-400001, the 30th May 1975

No. DPS/A/3201/2/73/Estt.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Nelluvai Harihara Aiyar Krishnan, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Accountant of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Directorate for the following periods:—

- from 25-11-1974 to 27-2-1975 vice Shri V. K. Potdar, Asstt. Accounts Officer, deputed for training in Advance Management Course in ISTM, New Delhi.
- (ii) from 14-4-1975 to 13-6-1975 vice Shri V. K. Potdar, Asstt. Accounts Officer, granted leave,

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Babubhai Mohanlal Ganatra (a permanent Assistant Accountant and officiating Accountant Western Railway now on deputation to this Directorate in the same capacity) to officiate as Assistant Accounts in the same Directorate for the following periods vice Shri G. L. Haldipur, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer II.

- (i) 19-10-1974 to 18-1-1975.
- (ii) 24-3-1975 to 7-6-1975.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director Purchase & Stores appoints Shri Vasant Yeshwant Gokhale, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the same Director in the same Director the same Directorate for the period from 10-3-1975 to 12-5-1975 vice Maj. K. J. Philipose, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase & Stores appoints Shri Mihir Chandra Roy, a permanent Storekeeper of his Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from 16-12-1974 (FN) to 7-2-1975 (AN) vice Shri A. R. Tondwalkar, Asstt. Stores Officer granted leave.

The 31st May 1975

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri Govindaraja Srinivasan, a Technical Inspector of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer in the same Directorate for the period from 29-3-1975 (FN) to 23-5-1975 (AN) viac Shri P. John Jacob, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est.—The Director, Purchase and Stores appoints Shri S. R. Vaidya, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the same Directorate for the period from 28-4-1975 to 14-6-1975 vice Shri M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave.

No. DPS/A/32011/2/73/Est,-The Director, Purchase & Stores appoints Shri B. Laxman Rao, a permanent Assistant Storekeeper and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scame Dtc. for the period from 28-4-1975 to 14-6-197. Nair, Asstt. Stores Officer, granted leave. 14-6-1975 vice Shri G. N.

> B. G. KULKARNI for Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500040, the 23rd June 1975

NFC/Adm/2213/(2)/825.—The Officer-on-Special Duty, Nuclear Fuel Complex appoints Shri J. Suryaofficer, in an officiating capacity, in the Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, for a period from July 1, 1975 to February 29, 1976, or until further orders, whichever is earlier.

> S. P. MHATRE Senior Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Bombay-401504, the 19th June 1975

No. TAPS/ADM/947.—The Chief Superintendent pur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, extends the ad-hoc appointment of Shri Y, R, Velankar as Assistant Accounts Officer for the period from 21-6-1975 to 30-8-1975 or till a regular incumbent is appointed whichever date is earlier,

> K. V. SETHUMADHAVAN Chief Administrative Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION (NARORA ATOMIC POWER PROJECT)

Bombay-5, the 20th June 1975

No. NAPP/2(3)/74-Adm.—On his transfer from Engineering Group, Kalpakkam to Narora Atomic Power Project, Shri P. P. Sharma, a temporary Scientific Officer/ Engineer-Grade SB relinquished charge of his post in Civil Engineering Group, Kalpakkam on the afternoon of August 31, 1974 and assumed charge of the same grade in NAPP on the forenoon of September 14, 1974.

2. Shri P. P. Sharma shall continue to hold of his post in grade SB in NAPP until further orders.

> R. J. BHATIA General Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL

OF CIVIL AVIATION New Delhi, the 26th June 1975

No. A. 32014/2/74-EC--The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the undermentioned Communication Assistants in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department as Assistant Communication Officers in an officiating capacity and until further orders with effect from the date shown against their names :-

Sl. Name No.		Date from which appointed	Station posted	to which
1. Shri M. K. Kurien		31-1-1975 (FN)	A.C.S.,	Bombay
2. Shri N. S. Pillai	••	3-1-1975 (FN)	A.C.S.,	Bhubanes* war

2. This Office Notification No. A 32014/2/74-EC dated the29 th May, 1975, may please be treated as cancelled.

The 27th June 1975

No. A.32013/8/75-EC.—The President is pleased to ap-Shri G. Govindaswamy, Assistant Director (Communication) in the Civil Aviation Department, New Delhi (Headquarters) to officiate as Controller, Central Radio Stores Depot New Delhi, with effect from the 31st March, 1975 (Afternoon) purely on ad hoc basis until further orders.

The 4th July 1975

No. A.32014/375-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri T. V. Natarajan, Communication Assistant in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department to officiate as Assistant Communication Officer at Aeronautical Communication Station, Bombay w.e.f. the 10-5-1975 (FN) on purely on ad-hoc basis vice Shri P. I. David, Assistant Computer of the state munication Officer granted leave.

> H. L. KOHLI, Director of Administration, Dy. Director of Administration,

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 28th June 1975

No. 16/115/67-Ests-I2-The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to confirm Shri Madan Mohan Singh in the permanent post of Assistant Mensuration Officer, at the Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, with effect from 19th January, 1972.

The 5th July 1975

No. 16/204/72-Ests-1.—The services of Shi S. R. Majumdar, Accounts Officer, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun are replaced at the disposal of the Controller of Defence Account (Air Force) with effect from the afternoon of 31-5-75 on expiry of the term of his deputation.

PREM KAPUR,
Registrar,
Forest Research Institute and Colleges.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS

Calcutta, the 20th June 1975

No. 33.—On promotion to the grade of Superintendent of Central Excise Class II Sri Satya Ranjan Mukherjee, assumed charge in Chandernagore Central Excise Division on 26-5-75 F.N.

No. 34.—On transfer from Mathabhanga Range under Jalpaiguri Central Excise Division Sri S, N. Bhattacharjec, Superintendent of Central Excise Class-II assumed charge in West Bengal Collectorate Hdqrs, office on 16-5-75 F.N.

On 35.—On transfer from Collectorate Hdqrs. office, West Bengal Sri Sibram Gon, Superintendent of Central Excise Class II took over charge of special squad in Chandernagore Central Excise Division on 24-5-75 F.N. relieving Sri M. N. Mukherjee. Superintendent of Central Excise Class—II of the additional charge.

N. N. ROY CHOUDHURY, Collector.

Collector of Central Excise

Patna, the 26th June 1975

Regd. C. No. II(7) 5-ET/75/--In pursuance of this Office Estt. Order No 156/75 dated 22-4-75 issued under endt. C. No. II (343)-Et/73/Loose/19346-61 dated 23-4-75, appointing S/Shri C. S. Chakravarty and Bharat Singh, Inspectors (S. G.) of Central Excise to officiate provisionally as Superintendent of Central Excise Class-II in the time scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, they have assumed charge as Superintendent Central Excise Class-II at place and with effect from dates and hour indicated against each.

. (Prev), Cen- 19-5-1975
xcise, Gaya. (F. N.)
c., Central 14-5-1975 e, Mahnar (F. N.)
lt Se

Madurai, the 2nd July 1975

No. 1/75—The following Inspectors of Central Excise (SG) Madurai Collectorate are appointed to officiate until further orders as Superintendent of Central Excise Class II in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-EB-4

1200. They have assumed charge as Superintendents on the dates noted against each:—

S. Name of Officer No.	Place of posting	Date of assump- tion
1. Shri G. Ponnuswamy	Supdt. of C.E. Cl. II Trichy M.O.R.A.	23-3-75
 Shri R. Krishnamurthy Shri S. Ahmamed 	Do. Ngt.	27-3-75
Hussian	Do. Hqrs Office Madurai	26-3-75
4. Shri S. K. Balasiva- subramaniayam	Do. Thiruthurai- pundi	23-4-75
5. Shri K. Thiruvadina- than	Do. Hqrs. Office, Madurai	16-5 -75
6. Shri A. Syed Mohamed Ali	Do. Mortutico- rin	28-5-75
7. Shri S. A. Mohamed	Do. Sathur M. O. R. II	29-5-75
8. Shri Murugandy	Do. Nagercoil M.O.R.	31-5-75
9. Shri Kalingaraj	Do. Hqrs Office, Madurai	31-5-75
10. Shri G. Subramanian	Do. P. G. Siva- kasi	6-6-75
11. Shri S. Kaliaperumal	Do. M.O.R. III	12-6-75

M. S. SUBRAMANYAM Collector of Central Excise, Madurai

Bombay-400038, the

May 1975

Customs

No. 4.—On attaining the age of superannuation, Shri C. D'Cruz, Preventive Inspector of the Bombay Custom House retired from service with effect from the afternoon of 28th February, 1975.

No. 5.—On attaining the age of superannuation, Shri M. N. Butani, Preventive Inspector of the Bombay Custom House retired from service with effect from the afternoon of 31-1-75.

B. B. GUJRAL, Collector of Customs, Bombay.

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 4th July 1975

S. No. 15.—On his reinstatement ordered vide Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Order F. No. C-17012/1/75-Ad.II dated the 28th May 1975, Shri D. D. Sharma, who was compulsorily retired from Government service vide the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Order F. No. C-16012/6/72-Ad.II dated the 20th May 1974, took over charge as Intelligence Officer, Narcotics Intelligence Bureau, Narcotics Commissioner's Office, Gwalior with effect from 29th May 1975 (forenoon) vice a vacancy.

S. No. 16.—Shri Amrik Singh a permanent Assistant Chief Accounts Officer, working as Sales Officer, Government Opium and Alkaloid Works Undertaking, Export Cell, New Delhi against the post of Administrative Officer, took

21—176GI/75

over charge as Superintendent (Executive) against the vacant post sanctioned for Narcotics Commissioner's C Gwalior with effect from 31st May 1975 (afternoon). Headquarter of Shri Amrik Singh shall continue to be at New Delhi under S.R. 59.

- S. No. 17.—Shri R. P. Tyagi, an officiating Assistant Chief Accounts Officer posted as Deputy Financial Adviser and Assistant Chief Accounts Officer, Government Opium and Alkalo d Works Undertaking, Neemuch, took over the Alkalo d Works Undertaking, Neemuch, took over the Works Alkalo d Works Undertaking, Neemuch, took over the Workshop of the New York of the Workshop of the Work charge as Administrative Officer with effect from 15th June 1975, in the same undertaking against the post vacated by Shri Amrik Singh.
- 18.—On his appointment as Assistant Chief Accounts Officer, Shri B. S. Dard, Superintendent (Ministerial) took over charge as Deputy Financial Advisor and Assistant Chief Accounts Officer in the scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 15th June 1975 (forenoon) in the Government Opium and Alkaloid Works Undertaking Nee-
- S. No. 19.—On his appointment as Administrative Officer, Shri Rajni Kant Suvastava, Deputy Superintendent (Ministerial) took over charge as Administrative Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the forenoon of 31st May 1975, in the office of the Deputy Narcotics Commissioner. Ghazipur, relieving Shri S, K. Ram, of the additional charge.

A. SHANKER. Narcotics Commissioner of India.

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Dolhi, the 24th June 1975

No. 27-EE/B(2)/69-ECI.—Shri K. N. Bhar, Executive Engineer (Electrical) on deputation to the Government of Laq on foreign service and previously attached to Air Conditioning Division No. IV. C.P.W.D. New Delhi, expired on 16th April, 1975.

> P. S. PARWANI, Dy. Director of Administration.

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT PORT OF NEW TUTICORIN Tuticorin-628004, the 16th June 1975

A.22013/1-75/Admn/D.2945.—The Chief Engineer & A.Iministrator. Port of New Tuticorin is pleased to appoint S/Shri M. Nagu, Draftsman Grade I and D. J. Masillamani, Junior Engineer (Civil) in the Port of New Tutocorin, on promotion, as Assistant Engineers (Civil) in the Port on the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th June 1975 and in the forenoon of the 30th May 1975 reproductively and make noon of the 30th May, 1975 respectively and until further orders.

Chief Engineer & Administrator.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 30th June 1975

No. A-19012/513/74-Adm.7.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri G. Raghu Nadh, Supervisor to officiate as an Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad-hoc basis. He will be entitled to draw his pay in the scale of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/ Assistant Figure 1740 sistant Research Officer (Engineering) viz. Rs. 650-30-740 -35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 on an adhoc basis with effect from the forenoon of 28th October, 1974 until further orders.

Shri G. Raghu Nadh took over charge of the Office of Assistant Engineer Central Flood Forecasting Circle, C.W. P.C., Gauhati in the Central 1 Water Power and

Commission (Water Wing) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON, Under Secy.

New Delhi, the 25th June 1975

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm, V, dated 10-2-75 and 25-3-75, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistants (Engihereby appoints the following Research Assistants (Engineering), to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on a purely temporary and ad-hoc basis, for a further period with effect from 1-4-75 to 30-6-

- 1. Shri Ch. Bhujanga Rao.
- 2. Shri K. A. Ismail,
- 3. Shri D. M. Khambete.
- 4. Shri A. G. Phansalkar.
- 5. Shri K. N. Appukuttan,
- 6. Shri S. N. Mone.
- 7. Shri M. S. Shitole,
- 8. Shri S. Guha.

K. P. B. MENON for Chairman, C. W. Commission.

INTEGRAL COACH FACTORY OFFICE OF THE GENERAL MANAGER Madras-38, the 26th June 1975

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri A. Balkrishnan, Officiating Chief Mechanical Engineer (SA) has been posted to look after the duties of the post of General Manager/I.C.F. in addition to his own during the period from 4-5-75 to 18-6-75 vice Sri J. Matthan, granted L.A.P. for the above period.

- Sri N. H. Krishna, Officiating Assistant Works Manager/Manufacturing/Furnishing (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Works Manager/Manufacturing/ Shell (S.S.) on ad hoc basis with effect from 7.5.1975.
- Sri R. Sivaraman, Shop Superintendent/Shop-80 has been promoted to officiate in Class II as Offg. Assistant Works Manager/Manufacturing/Furnishing (Class II) on ad hoc basis from 7-5-75.
- Sri V. Dilli Baboo, Officiating Welfare Officer (Class II) has been promoted to officiate in Senior Scale as Senior Personnel Officer/Furnishing (S.S.) on ad hoc basis with effect
- Sri R. Rajagopalan Chief Draftsman (class-III) has been promoted to Officiate as Assistant Engineer/Construction (Class II) with effect from 12-5-1975.
- Sri S. K. Datta, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/ Planning (J.A.) has been relieved from this Administration on 26-5-1975 A.N. to carry out his transfer to Northern Railway,

S. SUBRAMANIAN Deputy Chief Personnel Officer for General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES In the matter of the Companies Act, 1956, and of Naharkatia Brick Works Ltd. Shillong, the July 1975

No. 1208/560/1086.-Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof, the name of Naharkatia Brick Works Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

> S. P. VASHISHTHA, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Atunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Commercial Transport Limited Calcutta, the 28th June 1975

No. 8895/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of Commercial Transport Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of National Development Corporation Limited Calcutta, the 28th June 1975

No. 8876/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, the name of the National Development Corporation Limited, has this day been struck off and the said company is dissolved.

N. R. SIRCAR, Asstt. Registrar of Companies, West Bengal.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of Galaxy Products Private Limited. Delhi, the 27th June 1975

No. 2109/7914.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956. that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Galaxy Products Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. JAIN, Asstt. Registrar of Companies. Delhi & Haryana.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Obcroi Hotels (International) Private Limited.

Delhi, the 7th July 1975

No. 6078/8087.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Oberoi Hotels International Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

MRS. C. KAPOOR. Asstt. Registrar of Companies, Delhi & Haryana. In the matter of the Companies Act, 1956, and of The Chenthumara Chits Private Limited.

Madras-34, the 28th June 1975.

No. DN/5661/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of The Chenthamara Chits Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN, Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s, General Finance Private Limited.

Jullundur, the 1st July 1975

No. STAT/560/2228/4717.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. General Finance (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. WReato Laboratorics Ltd. (In Liqn.)

Jullundur, the 1st July 1975

No. G/Stat/1320/4712.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. WReato Laboratories Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/- ILLEGIBLE
Registrar of Companies,
Chandigarh, Link Road,
Model Town, Jullundur.

MINISTRY OF FINANCE

(DFPARTMENT OF REVENUE & INSURANCE)

INCOME -TAX DEPARTMENT

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the arms and the other particulars of the assessee who have been assessed under the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakks during the financial year 1973-74.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 42A of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessess aforesaid are hereby o iblished as unless:—

Names and other particulars of all the assessees who have been assessed to not woulth over Rs. 10 lakhs during the Financial year 1973-74.

Sl.	Name and address of the assessee	Status	Wealth returned	Tax payable by the assessee
No.	•	Asst. year	Wealth assessed	Tax paid by the assessee
1	2	3	4	5
	Mrs. Heera D. Vatcha,	Indl.	Rs. 13,11,274	Rs. 24,338
2.	4/2, Palace Road, Bangalore. Smt. M. A. Vengadammal,	73 · 74 Indl	13,11,300 11,90,573	24,339 17,202
	No. 20, Srinivasam, 9th cross, Malleshwaram, Bangalore-3	73.74	11,94,610	17,202

1 2	3	4	5
. Sri A. S. Lakshman,	Indl.	11,68,500	20,065
No. 14, Nethaji Road, Bangalore.	73 · 74	11,68,500	20,065
4. Sri Hajee Abdulla Sait,	(ndl.		11,281
No. 3, Hospital Road, B'lore	69.70	11,24,000	<u> </u>
	Indl.		9,700
	70 · 71	10,96,000	
	Indl,	—	42,098
	71 .72	11,45,000	
	Indl.		42,600
	72 · 73	11,30,000	
i, Sri V. S. Natarajan,	Indi,	13,80,523	14,642
C/o Standard Bricks & Tiles Co., Yelahanka, B'lore.	67 · 68	14,11,669	14,642
Telandiku, B Jote.	Indl,	15,58,761	18,231
	68 · 69	15,88,757	18,241
	Indl,	17,11,372	24,334
	69 · 70	17,20,018	24,334
	Indl.	14,82,746	21,749
	70 -71	16,08,920	21,749
	Jndl.	14,26,889	36,218
	71 ·72	15,36,870	36,218
Sri T. S. Shivabasayaswamy,	HUF	13,41,737	27,726
Banker, Mamballi, Yalandur Taluk, Mysore Dist,	73 · 74	14,24,200	27,726
Smt. Tripurasundarammani Trust,	Indl.	12,60,300	22,143
The Palace, Mysore.	72 · 73	12,60,300	22,143
Sri K. B. Ramachandraraja Urs,	HUF	14,08,272	21,064
Leela Vihar, Jayalakshmipuram, Mysorc.	69 · 70	13,92 · 205	21,054
, Sri Sardar K. Basavaraja Urs,	HUF	10,28,208	14,432
Leela Vihar, Jayalakshmipuram, Mysore,	69 · 70	10,28,208	
. Srl J. G. L. Moorris,	Indl•	25,75,890	14,432 58,036
By Agent D'Souza & D' Silva,			
Cubbon Road B'lore	73 -74	25,75,890	58,036
Sri D. Shiyappa Bettageri Estate,	HUF	12,82,951	21,149
Suntikoppa Coorg	69 ·70 HUF	15,85,953 12,43,367	21, 149 33,760
			 -
	70·71 HUF	12,75,400 14,85,091	33,760 39,340
	71 · 72 HUF	17,83,500 15,59,100	39,340 46,016
	72.73	17,00,200	46,016
	HUF	17,57,700	46,016 47,992
	73 · 74	77,24,900	47,992
Late Sri D. V. Dasappa	HUF	5,89,055	9,118
Belagunda Estate,			
Somwarpet, Coorg Dist.	70 · 71 HUF	11,04,700 8,91,776	9,118 19,765
	71 · 72	12,75,453	19,765
. Sri George Finlayson, "Dunkeld", Whitefiled,	Indl.	13,36,953	23,759
Bangalore.	73 -74	12,91,964	23,759
. Dr. K. C. Medappa, Lakkund Estate,	Indl.	8,40,692	16,725
Kutta, Coorg.	73 · 74	10,67,500	16,725

t	2	3	4	5
5.	Sri C. P. Appanna, Chettalli Estate,	HUF	10,05,788	15,873
	Chettalli Coorg.	73 · 74	10,29,100	15,873
5.	Dr. James Rodrigues,	Indl.	13,29,700	28,701
	Hanchibetta Estate, Pollibetta, Coorg.	73 · 74	14,56,700	28,701
٠.	Sri A. C. Shive Gowda,	HUF	13,63,252	25,809
	Coffee Planter, Chandragiri Estate, Chickamagalur District	73 -74	13,60,300	25,809
	Sri S. N. Srinivas,	HUF	7,67,078	6,675
	Coffee Planter, Fort, Chickmagalur.	70 - 71	10,70,000	6,675
	Sri M. C. Vijayendra,	HUF	5,65,527	13,114
	Coffee Planter, Kannagere & Nandibetta Estates,	$\frac{1}{71\cdot72}$	10,03,800	13,114
	B. Hosahalli Post, Mudigere Taluk,	HUF	9,23,750	15,015
	Chickmagalur Dist.	73 · 74	10,00,500	15,015
	Sri M. J. Rodrigues,	Indl.	13,60,200	28,689
	Elitza Estate, Pollibetta, Coorg.	73 · 74	14,56,300	28,689
	Sri T. R. Devappa Hegde,	HUF	6,91,200	8,604
	Coffee Planter, Shankarakodige Estate, Balehonnur Fost, Chickmagalur District.	70 -71	10,92,800	8,604
	Sri H. A. Moganna Gowda,	HUF	8,19,958	6,885
	Coffee Planter, Kanachur Estate, Devayrunda Post, Moodigere Taluk, Chickmagalur District.	70 · 71	10,15,400	6,885
	Smt. U. K. Puttamma,	Indl.	6,90,664	16,206
	C/o Sri M. D. Balakrishna, Coffee Panter, Koppa, Chickmagalur District.	$\frac{-}{73.74}$	10,40,200	16,206
	Sri H. Revenappa & Bros.,	HUF	14,27,729	16,178
	Narasimharajapura, Chickmagalur District.	70 .71	13,87,700	16,052
	Sri Dharamchand,	HUF	5,15,789	19,275
	Prop: Sardarmal Multanmal, Chickmagalur.	70 ·71	15,11,000	19,275
	B. B. Shivappa,	HUF	8,23,956	13,806
	Coffee Planter, Kumbarahally,	70 ·71 HUN	12,9 2, 235 9, 19107	13,806 17,662
	Sakaleshpur Taluk, Hassan District.	71 ·72 HUF	11,55,392 7,44,495	17,662 17,046
		$\overline{72.73}$	10,68,200	17,046
	Sri B. S. Mallikarjuna,	Indl.	10,08,946	15,823
	Coffee Planter, Ballupet, Sakalespur Taluk, Hassan District.	73 · 74	10,27,400	15,823
	***	HUF	12,06,692	11,802
	Bangalore Road, Bellary.	69 · 70	12,12,100	11,967

In the above cases either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Wealth-tax has expired without an appeal having been presented or the first appeal if presented has been disposed of.

A. BALASUBRAMANIAN, Commissioner of Wealth-tax, Karnataka-I, Bangalore.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest to publish the names and the other particulars hereinafter specified relating to assessees:—

- (i) being Individuals or Hindu Undivided families who have been assessed on an income of more than Rs. 1 lakh;
- (ii) being firms, Companies or other Association of Persons, who have been assessed on an income of more than Rs. 10 lakbs; during the financial year 1974-75.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by Section 287 of the Incometax Act, 1951 (43 of 1961) and of all other powers conferred enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessees aforesaid are hereby published as under:—

SCHEDULE. I Individuals & H. U. Fs who have been assessed on an Income of over Rs. 1 lakh during the Financial year 1974-75

SI,	Name and address of the assessee.	Status	Income returned	Taxpayable by the assessed
No.		Asst. year	Income assessed	Tax paid by the Assessed
1	2	3	4	5 , .
1.	Sri Ashok V. Chougule Marmagao,	Indl.	Rs. 1,33,800	Rs. 92,785
		74 · 75	1,35,770	92,785
2.	Sri, L. D. Chougule, Marmagao	HUF	3,39,410	3,02,040
	•	74 - 75	3,39,410	3,02,040
3.	Sri V. D. Chougule, Marmagao	HUF 	1,57,320	1,32,426
		74 - 75	1,57,320	1,32,426
4.	Sri V. D. Chougule, Marmagao	lndl,	1,39,471	1,81,109
	•	74 · 75	2,29,983	1,81,109
5.	Sri Y. D. Chougule, Marmagao	HUF	2,71,390	2,33,228
	Marinaga	74 · 75	2,68,958	2,33,228
6.	Sri Y. D. Chougule,	Indl.	1,29,110	88,465
	Marmagao	74 · 75	1,04,670	88,465
7.	Sti M. K. Dattaraj,	HUF	1,15,050	83,175
	Pr: Mrs. Krishna Flour Mills,	74 · 75	1,15,610	82,685
8.	O. T. Pet, B'lore Sri R. S. Hanumantharaj,	74 • 75 Indl.	1,32,550	62,065 98,145
٥,	Maruthi Mansions,			
^	Davanagere.	74-75	1,42,590	98,145
9.	Sri G. M. Halappa, C/o G. Mahadevappa & Sons,	HUF	21,320	93,471
	Davanagere.	74-75	1,26,210	93,471
0.		Indl.	1,08,630	69,571
	Maruthi Mansions, Dayanagere.	74-75	1,10,880	69,571
1.	Sri L. R. Jarkiholi,	HUF	1,21,329	91,276
	C/o M/s L. R. Jarkiholi, Gokak,	74-75	1,29,107	79,022
2.	Smt. & Sri V. S. Joshi,	,4-73 ВОГ	84,410	92,375
٠.	Vasco			
,	Color T. Francis	74-75 Indl,	1,39,567 73,565	92,275
13.	Sri N. T. Kapadia, Camp : Belgaum	mui,	73,303	75,016
	Camp : Bergaum	74-75	1,16,540	65,320
4.	Sri P. B. Kore, Ankali,	Indl.	1,04,070	46,552
	Chikodi Tq.	74-75	1,04,600	45,162
5.	Sri Moola Ramesh,	HUF	1,24,390	56,651
	St. Johns Road, Bangalore.	72 74	1,00,890	56.651
6.	Sri B. D. Mirji,	73-74 Indl.	1,00,084	56,651 64,453
	C/o Manickabag Engineers,			
	Belgaum	74-75	1,08,970	59,886
7.	Sri Nagindas H. Thakkar, Vasco	Indl.	1,08,550	66,658
		74-75	1,08,020	66,658
			(Re-opened assessmen	
8.		Indl.	1,17,360	54,310
	Prop: Gayathri Flour Mills, O. T. Pet, Bangalore.	65-66	1,02,690	38,858
		Indl.	1,58,710	1,00,968
		68-69	1,58,710	93,677
		Indl.	2,21,410	1,47,364
		69-70 Tadil	2,21,410	1,35,663
				
		69-70 Indl. 70-71	2,21,410 1,46,230 1,44,130	1,35,663 88,656 7,465

1	2	3	4	5
19.	Dr. C. A. Phalnikar,	Indl.	1,73,223	1,28,083
	C/o Mysore Kirloskar Ltd., Harihar.	74-75	1,74,220	1,28,083
20.	Sri R. S. Ravindranath, Maruthi Mansions,	HUF	93,610	68,896
	Davanagere.	74-75	1,01,070	68,896
21.	Sri R. R. Srinivasamurthy, Maruthi Mansions, Davanagere.	HUF (Larger)	1,40,560	1,27,101
	Davanagere.	74-75	1,61,380	1,27,101
22.	Smt. Sushceladevi R. Mancy, Pr : M/s Srinivasa Flour Mills,	Indl.	73,460	61,207
	O. T. Pet, Bangalorc.	73-74	1,01,320	61,207
23.	Sri S. V. Subramanian, C/o Metal Lump Caps (I) (P) Ltd.,	Indl.	1,55,536	1,19,423
	Murphy Road, Ulsoor, Bangalore.	72-73	1,56,090	86,696
24.	Sri S. A. Shetty,	Indl,	1,03,570	66,380
	Nipani.	74-75	1,07,600	42,693
25.	Sri Sunderlal Thakkar, Vasco.	Indl.	1,16,500	74,980
vasco.	vasco.	74-75	1,16,500	74,980
26.	Sri S. M. Tambake, Talikot.	HUF	1,69,262	1,03,923
	Talikot.	72-73	1,47,960	92,892
27.	Sri S. S. Tambake	HUF	1,63,325	98,468
	Talikot.	72-73	1,42,030	87,446
28.	Sri Vijay V. Chougule,	Indl.	1,48,890	1,06,751
	Marmgao.	74-75	1,50,860	1,06,751
29,		Indl.	1,52,020	1,16,604
	Maruthy Mansions, Davanagere.	74-75	1,62,740	1,16,604

SCHEDULE II

Firms, Association of Persons and Companies who have been assessed on an income of over Rs. 10 lakhs during the financial year 1974.75

Sl. No.	Name and address of the assessee	ee Status	Income returned	Tax payable by the	
INO.		Asst. year	Income assessed	Tax paid by the assessed	
		•			
1	2	3	4	5	
	M/s. Indian Telephone Inds. Doorvaninagar, Bangalore. 16.	(Re-Asst.) Com.	2,72,96,407	1,58,48,639	
		69 · 70	2,88,19,750	1,58,48,639	
	M/s. Karnataka Small Inds., Corpn. Ltd. Industrial Estate,	Com.	2,93,007	16,92,105	
	Rajajinagar, Bangalore.	74 · 75	29,30,070	16,92,105	

In the above cases (Schedule I & II) either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Income-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to publish the names and other particulars hereinafter specified relating to assessees on whom a penalty of not less than Rs. 5,000 was imposed during the financial year 1974-75 under the provisions of the Income-tax Act, 1961.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred under section 287 of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the aforesaid are hereby published as under:—

Particulars of cases in which Penalties were imposed during the Financial Year 1974-75.

Sl.		address of assessee	Status	Amount of penalty levied	Nature of penalty (Sec-	
No.	•		Asst. year		tion under which the penalty was levied)	
_	1	2	3	4	5	
1.	Sri K. Balara C/o Gayathr	m, Metal Works,	Indl.	5,000	271 (1) (c)	
	Prakash Nag	ar, Bangalore.	71 · 72			
2.		thukali Chettiar,	Indl.	40,140	271 (1) (c)	
	C/o Madras Chickpet, Ba		70.71			
3,	Sri C. G. Pac		Indl.	5,400	271 (1) (c)	
	Pr: M/s Mahaveer Trading Company, Chitradurga		72-73			

In the above cases either the time for presenting a first appeal has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

Whereas the Central Government is of the opinion that it is necessary and expendient in the public interest to publish the names and other particulars of the assessees who have been assessed under the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) on a net wealth exceeding Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

In pursuance of the above and in exercise of the powers conferred by section 42A of the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) and of all other powers enabling it in this behalf, the names and other particulars of the assessees aforesaid are here by published as under:—

Names and other particulars of all the assessees who have been assessed to net wealth over Rs. 10 lakhs during the financial year 1973-74.

Sl. No.	Name and address of the assessee	Status ———	Wealth-tax returned	Tax payable by the		
		Asst. yr.	Wealth-tax Assessed	Tax paid by the assessee		
	1 2	3	4	5		
1.	Sri M. K. Dattaraj, Partner: M/s. Krishna Flour Mills, O. T. Pet, Bangalore.	HUF	Rs. 11,81,800	Rs. 20,343		
		1973.74	11,78,100	20,343		
2.	Sri R. S. Hanumantharaju,	Indl.	11,95,050	21,153		
	Maruthi Mansion, Davanagere.	1973 • 74	12,05,100	21,153		
3.	Smt. R. S. Janabai,	Indl.	15,07,340	36,240		
	Maruthi Mansion, Dayanagere	1973 · 74	15,78,000	36,240		
4.	Smt. Malathi Ramakrishna Rao Fort, Bangalore.	Iadl.	12,79,500	20,254		
		1971 · 72	12,08,400	20,254		
		Indl,	11,76,100	20,755		
		1972 · 73	11,91,800	20,755		
		Indl.	12,87,000	23,633		
		1973-74	12,87,000	23,633		

1	2	3	4	5
5.	Sri R. S. Ravindranath.	Indl.	15,28,560	34,504
	Maruthi Mansion, Davanagere.	1973-74	15,56,200	34,504
			(Revised)	•
5.	Sri Syed Ismail,	Indl.	10,07,000	7,010
•	Armstrong Road,	1964-65	11,07,000	7,010
	Bangalore,	Indl,	10,07,000	11,053
		 _		
		1965-66 Indl.	11,08,200 11,50,400	11,053 15,700
				
		1966-67 Indl,	12,50,400 11,50,400	15,700 15,689
				
		1967-68 Indl.	12,50,400 12,12,400	15,689 18,117
		1968-69 Indl.	13,12,400 12,12,400	18,117 18,340
				
		1969-70 Jndl,	13,14,800 14,38,400	18,340 26,048
				
		1970-71 Indl.	15,34,400 14,63,000	26,084 82,806
		 -		
		1971-72 Indl.	15,62,900 14,38,000	82,806 80,915
				
		1972-73	15,38,750	80,915
		Indl,	12,78,000	61,544
		1973-74	12,78,250	61,544
7.	Sri R. S. Vishwanath, Maruthi Mansjon,	Indl,	12,32,590	21,978
	Davanagere.	1973-74	12,32,700	21,978
	Sri Mangesh R. Wagle, Panaji.	Indl,	17,22,240	25,849
	1 and,,	1970-71	17,54,000	25,849
		Indl.	15,66,540	33,239
		1971-72	16,06,000	33,239
		Indl.	14,73,130	32,029
		1972-73	15,25,400	32,029
).	Dr. V. V. Keni, Panaji.	HUF	11,19,770	14,243
		1970-71	13,09,700	9,365
		HUF	13,51,840	22,867
		1971-72	13,28,900	17,044
		HUF	11,73,400	19,614
		1972-73	11,53,800	19,614
		HUF	10,16,000	15,030
		1973-74	10,10,000	15,030
١.	Sri Anand R. Bandekar,	Indl.	12,03,644	20,490
	Vasco.	1973-74	11,83,110	20,490
١.	Sri Laxman R. Bandekar,	Indl.	11,74,714	9,652
•	Vasco.			
	S.J.V. D. Chowania Vocac	1969-70	11,65,900	9,652
2.	Sri V. D. Chowgule, Vasco.	HUF	6,04,50,350	14,43,900
		1969-70	5,96,79,800	14,43,900

1	2	3	4	5
		HUF	6,08,90,099	16,07,765
		1970-71	6,00,33,600	16,07,765
		HUF	5,32,23,943	22,24,343
		1971-72	5,14,12,500	22,24,343
		HUF	2,94,34,700	16,50,836
		1972-73	2,79,26,700	16,50,836
		HUF	2,39,66,358	12,17,300
		1973-74	2,29,40,081	12,17,300
	Sri V. D. Chowgule,	Indl,	18,07,500	49,515
,	Vasco.	1972-73	17,43,900	49,515
		Indl.	25,08,400	1,02,556
		1973-74	24,06,900	1,02,556
1. 5	Sri Y. D. Chowgule, Vasco.	HUF	1,89,66,439	4,52,122
	vasco.	1969-70	1,95,69,300	4,52,122
		HUF	1,99,34,310	5,14,340
		1970-71 HUF	2,00,44,900 1,65,00,428	5,14,340 6,76,579
		1971-72	1,64,92,600	6,76,579
		HUF	41,32,147	1,40,577
		1972-73 HUF	46,39,423 45,47,168	1,40,577 1,49,179
		1973-74	48,54,500	1,49,179
5.	Sri Y. D. Chowgule,	Indl.	11,02,600	18,320
	Vasco.	1973-74	11,10,680	17,921
6.	Sri L. D. Chowgule,	HUF	2,00,80,343	4,60,744
	Vasco.	1969-70	1,96,67,700	4,60,744
		HUF	2,00,26,657	5,07,286
		1970-71 HUF	2,00,96,570 1,64,43,476	5,07,286 6,53,661
		1971-72	1,57,19,000	6,53,661
		HUF	49,19,441	1,65,486
		1972-73	47,73,100	1,65,486
		HUF	50,58,013	1,66,550
		1973-74	49,18,350	1,66,550
7.	Sri L. D. Chowgule, Vasco.	Indl.	11,26,704	18,254
		1973-74	11,08,500	18,254
8.	Smt. Sarita V. Chowgule, Vasco.	Indl,	14,41,500	27,422
		1972-73	14,14,100	27,422
		Indl.	21,43,667	75,575
10	Smt Badmini V Charmel	1973-74 Indl,	20,69,192	75,575 26.496
19.	Smt. Padmini V. Chowgule, Vasco.		14,09,705	26,496
		1972-73 Indl.	13,83,209 21,69,750	26,496 77,389
		1973-74	20,92,361	77,389
20.	Srl Umaji V. Chowgule,	1973-74 Indl,	14,02,425	26,284
	Vasco.	1972-73	13,76,141	26,284
		1972-73 [nd],	22,80,112	85,260
			21,90,740	85,260

<u>- 1</u>	2	3	4	5
21.		Indl.	14,04,480	26,344
	Vasco.	1972-73	13,78,100	26,344
		ī n dl.	22,80,024	85,269
		1973-74	21,90,817	85,269
22.	Smt. Rohini V. Chowgule,	Indl.	14,90,700	26,496
	Vasco.	1972-73	13,83,200	26,496
		lndl,	21,19,577	73,752
		1973-74	20,46,900	73,752
23.	Smt. Shalini Bai V. Chowgule,	Indl.	13,87,079	32,246
	Vasco.	1972-73	15,28,100	31,766
		Indl.	19,16,100	70,940
		1973-74	20,11,760	70,940
4.		Indl.	14,02,847	26,296
	Vasco.	1972-73	13,76,600	26,296
		Indl.	21,99,991	78,907
		1973-74	21,11,345	78,907
25.		Indl.	14,08,000	26,446
	Vasco.	1972-73	13,81,500	26,446
		Indl.	14,16,395	26,088
		1973-74	13,69,600	26,088
26.	Sri Daulat Y. Chowgule,	Indl.	13,90,092	25,925
	Vasco.	1972-73	13,64,166	25,925
		Indl.	14,52,400	27,138
		1973-74	14,04,500	27,138
27.	Srl Jaywanth Y. Chowgule,	Indl.	13,90,638	25,941
	Vasco.	1972-73	13,64,700	25,941
		Indl.	14,84,134	28,588
		1973-74	14,53,000	28,588
28.	Sri Jagadesh Y. Chowgule,	Indl.	14,07,975	26,445
	Vasco.	1972-73	13,81,500	26,445
		Indl.	17,58,317	45,385
		1973-74	16,92,300	45,385
9.	Smt. Sheela Y. Chowgule,	Indl.	10,43,232	13,367
	Vasco.	1973-74	9,18,300	13,367
30.	Sri Deepak L. Chowgule,	Indl.	10,34,866	15,370
	Vasco.	1973-74	10,12,370	15,370
31.	Sri Santhosh L. Chowgule,	Indl.	10,16,964	15,057
	Vasco.	1973-74	10,01,907	15,057
	Sai Satish I. Chayenla	Indl.	10,32,539	15,203
32.	Sri Satish L. Chowgule, Vasco.			
• •	M. Wide V. Chausaida	1973-74 Indl.	10,10,100 10,45,707	15,203
33.	Miss. Vidya Y. Chowgule, Vasco.			15,757
		1973-74	10,25,300	15,757
34.	Sri Vasant S. Joshi Vasco.	Indl.	22,90,972	1,06,765
	A section in a	1973-74	24,66,371	1,06,765
35.	Smt. Prema V. Joshi,	Indl.	22,90,972	1,06,765
	Vasco.	1973-74	24,66,371	1,06,765
36.		HUF	18,74,000	59,793
	Margao.	1973-74	18,72,377	59,793

1	2	3	4	5
7.	Smt. Subada A. Poi Raiturcar, Margao.	Indl.	19,18,732	58,793
	Margao.	1973-74	18,59,907	58,793
8.	Sri Govinda G. Poi Raiturcar,	HUF	10,23,582	20,281
	Margao.	1973-74	11,76,019	15,250
9.	Sri Gopal G. Poi Raiturcar,	HUF	14,84,854	29,545
	Margao.	1972-73	14,84,854	29,545
).	Sri V. M. Salgaocar,	HUF	1,72,02,941	4,45,768
	Vasco,	1969-70	1,75,09,440	4,45,768
		HUF	1,75,54,031	5,61,719
		1970-71	1,91,73,981	4,98,121
		HUF	1,79,39,662	8,91,857
		1971-72	1,88,77,243	8,91,857
		HUF	72,35,359	4,94,402
		1972-73	73,04,998	4,94,402
		HUF	68,06,635	4,87,557
		1973-74	72,19,443	4,87,557
		Indl.	14,40,320	28,209
	Vasco.	1972-73	14,40,291	28,209
	,	Indl.	13,66,400	25,989
		1973-74	13,66,321	25,989
	Sri R. M. Salgaocar,	HUF	87,54,395	2,38,108
	Vasco.	1969-70	97,52,007	2,24,628
		HUF	98,94,968	2,84,107
		1970-71	1,04,19,655	2,68,349
		HUF	1,01,97,541	5,26,003
		1971-72	1,06,62,297	4,60,148
		HUF	28,66,479	1,49,640
		1972-73	29,95,460	1,49,640
		HUF	29,49,366	1,67,267
		1973-74	32,15,833	1,67,287
•	Sri R. M. Salgaocar, Vasco.	Indl,	4,38,897	8,429
		1970-71	10,57,171	1,695
		<u>Indl,</u>	4,03,586	14,514
		1971-72	10,17,186	3,036
		Indl.	10,99,199	45,644
		1972-73	16,95,556	16,069
		Indl.	9,78,100	41,859
	0 . W 1 W 0 1 -	1973-74	16,48,241	17,948
1 .	Smt. Heerabai V. Salgocar, Vasco.	Indl.	16,14,430	39,133
		1972-73 Indi	16,14,181	39,133
		<u>Indl.</u>	15,96,689	37,719
		1973-74	15,96,444	37,719
5.	Sri Dilip R. Salgocar, Vasco.	Indl.	15,05,932	32,852
		1972-73	15,35,642	32,852
		<u>Indl.</u>	14,43,277	27,859
		1973-74	14,28,690	27,859
6.	Sri A. R. Salgaocar, Vasco.	Indl,	14,84,106	28,792
	1 40001	1973-74	14,59,728	28,792

1	2	3	4	5
7. Smt. Rad	Smt. Radha Bai R. Salgaocar, Vasco.	Indl.	11,21,646	24,484
vasco.		1972-73	13,16,129	24,484
		Indl.	12,23,495	21,262
		1973-74	12,08,665	21,262
	raj V. Salgaocar,	Indl.	15,72,928	46,705
Vasco.		1972-73	17,08,830	46,705
		Indl.	15,64,127	43,405
		1973-74	16,67,540	43,405
. Sri Shivar	and V. Salgaocar,	Indl.	16,26,292	45,394
vasco.	Vasco.	1972-73	16,92,420	45,394
		Indl.	16,17,020	41,460
		1973-74	16,55,789	41,460
. Sri Pandu	Sri Pandura ng a D. Timblo Margao.	Indl.	19,55,810	90,374
wargao.		1972-73	22,54,676	90,374
		Indl.	22,90,351	1,04,341
		1973-74	24,29,259	1,04,341
. Smt. Suda	Smt. Sudani P. Timblo, Margao.	Indl.	19,55,810	90,374
wargao.		1972-73	22,54,676	90,374
		Indl.	22,90,351	1,04,341
		1973-74	24,29,259	1,04,341
	Sri V. M. Salgaocar, Vasco.	Indl.	16,05,413	38,415
y asco,		1972-73	16,05,165	38,415
		Indl.	13,60,154	25,852
		1973-74	13,61,748	25,852

In the above cases either the time for presenting an appeal to the Appellate Assistant Commissioner of Wealth-tax has expired without an appeal having been presented or the appeal if presented has been disposed of.

B. A. SHARIFF, Commissioner of Wealth-Tax, Karnataka-II, Bangalore.

FORM ITNS---

(1) Shri Govind son of Samji, Vasudoo S/o Shamji through A. Govind s/o Shamji Gujrati of Raigarh...
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

, . . .

(2) Smt. Gini Devi w/o Seth Brikhan Agrawal, R/o Gandhiganj, Raigarh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 190/1 to 5 Ward No. 18 (old) Raigarh situated at Raigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raigarh on 18-11-74

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by an yother persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 190/1 to 5, Ward No. 18 (old) Raigarh Town.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 4-7-1975

Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Byramji Mining Combine (P) Ltd., 204, Hornby Road, Fort, Bombay-400-001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narbadaprasad Agarwal, Nagpur Road, Chhindwara.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bhopal, the 4th July 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing

Masonry building and out houses situated at Chhindwara situated at Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Chhindwara on 2-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofExplanation: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Masonry building and out houses situated at Chhindwara.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

V. K. SINHA, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

Date: 4-7-1975

Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.--Whereas, I, V. K. SINHA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to belief that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 25,000/and bearing double storeyed house No. 895/850/1. Ward No. 10, Satna situated at Satna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Satna on 11-11-74,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Rampratap S/o Ramchandra Agarwal, (2)
 Smt. Chamelibai W/o Shri Babulal Agrawal R/o Satna.

(Transferor)

(2) Shri Chhatamal S/o Shri Pahlumal Sindhi R/o Satna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as re defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. 895/850/1, Ward No. 10, Satna.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 4-7-1975

Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1975

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. MUNSHI.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

two storeyed building, Mathura Building, Near Kali Temple, Near Gurdwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jabalpur on 28-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23—176GI/75

(1) Shri Vasant S/o Tejumal Kripalani, 6/35, Shyam Niwas, Wardon Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) (1) Shree Gurusingh Sabha (Gurudwara) Sadar Bazar, Jabalpur,

 President:—Sardar Rajindersingh S/o Sardar Vajirsingh R/o 9/10 Lajpat Kunj, Behind Rajhans Hotel Napier Town Jahahnur

hans Hotel, Napier Town, Jabalpur,

(ii) Shri Kulwantsingh R/o Govind Bhavan, Near Jackson Hotel, Civil Lines, Jabalpur

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building (Mathura Building) situated near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 24-3-1975

Scal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Rcf. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

Plot No. 15 Sitabagh Colony (Sub-divided part of 12, Meera Path), Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer__

at Indore on 7-11-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Shri Bhimdeorao Bhagwat S/o Shri Martandrao Bhagwant,

(2) Smt, Kumudinibai Bhagwat W/o Shri Bhimdeorao Bhagwat,

 (3) Shri Kirankumar S/o Shri Bhimdeorao Bhagwat,
 (4) Kumar Guru Bal D/o Sh. Bhimdeorao Bhagwat R/o 12 Mirapath Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kantilal Shah S/o Shri Vithaldas Shah, 141, Jawahar compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 15, Sitabagh Colony (sub-divided part of 12, Meera Path), Indore.

V. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal,

Date: 2-7-1975

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1st floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal situated at Phopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bhopal on 21-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Talib Hussain S/o Shri Fidai Asgar P/O M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Hardware and Paints shop, Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldar pura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Mishrilal S/o Kishanlalji Patel R/o Village Sagoniya, Teh, Bareli, Distt. Raisen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Phopal.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-7-1975

Seal:

FORM I.T.N.S.--

(2) Shri Shambhudayal Sanghi, Advocate, 511, M. G. Road, Indore-2.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IΛC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

open plot No. 1 situated at 6 Yeshwant Niwas Road, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-11-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Firm Murlidhar Kishangopal, 208 M. G. Road, Indore-2,
 - Shri Dhaunalalji Sardarmalji Thakuriya, 6, Yeshwant Niwas Road, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 1 situated at 6 Yeshwant Niwas Road, Indore.

V. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-7-1975

Scal:

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.--Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24(1), Roshan singh Bhandari Marg, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 5-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I here-

by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act,

to the following persons, namely:---

(1) (1) Shri Bhojraj Bhatia,

 Shri Laxmandas Bhatia,
 Shri Chunnilal Bhatia all sons of Shri Chabildas Bhatia R/o 2 Roshansingh Bhandari Marg, S. Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Pawankumar Chopda R/o 129 Station Road, Mhow Cantt. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24(1), Roshansingh Bhandari Marg, Indore.

V. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal,

Date: 2-7-1975

Scal:

SINHA.

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Talib Hussain S/o Shri Fidai Asgar P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Hardware and Paintshop, Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Chhabilal S/o Kishanlal Patel R/o Village, Sagoniya Teh. Bareli, Distt. Raison.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No land and ground floor portion of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda Nakkas Bhopal situated at Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bhopal on 21-11-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and ground floor portion of a building opposit to Hanumangani Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal.

V. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-7-1975

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2nd floor of a building opposit to Hanumangani Police Station, Ghoda Nakkas, Bhopal situated at Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Bhopal on 21-11-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Fidai Asgar S/o Haji Mulla Gulam Hussain P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Harward and Paintshop Zanda Chouk, Bhopal, R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Shadilal S/o Kishanlal Patel R/o Village Saoniya, Teh. Bareli, Distt. Raison.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor of a building opposit to Hanumangan; Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal

V. K. SINHA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal

Date: 2-7_1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 2nd July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3rd floor of a building opposit to Hanumangani Police Station, Ghoda Nakkas, Bhopal situated at Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

nt Bhopal on 21-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Fidai Asgar S/o Haji Mulla Gulam Hussain P/o M/s F.A. Gulam Hussain Bombaywala, Harward and Paintshop Zanda Chouk, Bhopal R/o Beldarpura, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Ramayani W/o Shri Shersingh Chouhan, R/o Village Sagoniya, Teh. Barell, Distt. Raisen. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3rd floor of a building opposit to Hanumanganj Police Station, Ghoda-Nakkas, Bhopal

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 2-7-1975

(1) Smt. Nirmala Gupta W/o Shri Vinod Chandra Gupta R/o Sultania Road, Phopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sant Nirankari Mandal, Delhi-9 through Shri Ramsaran S/o Shri Niyal Singh Secretary.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. BHOPAL

Bhopal, the 1st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.--Whereas, I, V. K. SINHA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing
No. half portion of plot area 72.5 ft. X 164.5 ft. near Jawabit line, Lilly Talkies, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto),

Jawabit line, Lilly Talkics, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal on 18-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

24—176GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Portion of plot area 72.5 ft, X 164.5 ft. near Jawabit Line, Lilly Talkies, Bhopal.

V. K. SINHA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 1-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/101/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property situated at Hall Bazar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object:—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Budh Singh s/o Shri Karam Singh, Chowk Passian, Amritsar,

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Mitter Seth s/o Shri Lachhman Dass, Hall Bazar Amritsar.

(Transferee)

(3) S/Shri Vishwa Mitter Sukhdev Singh Shadilal, Parshotam Dass, Smt. Surinder Puri and other tenants occupying the property.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 526, 527 & 474, 475 & 58, 59, 60, 61/1-1 Hall Bazar Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2607 of November 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 30-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/102/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Tungpai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Amritsar (Tehsil) in November 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ajaib Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tung Pai, Teh, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) M/s. Jaju Dycing & Printing Works, Shiv Nagar, Batala Road, Amritsar.

 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

Any person interested in the property (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6910 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar. (Tehsil).

V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range Amritsar

Date: 30-6-75

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/103/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Tung Pai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at (Tahsil) Amritsar in Nov., 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid propety and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Havela Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tund Pai Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (2) M/s. Jaju Dyeing & Printing Works, Shiv Nagar, Batala Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6911 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Amritsar

Dato: 30-6-75

Seal;

(2) M/s. Jaju Dyeing & Printing Works, Shiv Nagar, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/104/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Tung Pai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at (Tehsil) Amritsar in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagtar Singh s/o Shri Ujagar Singh V. Tung Pai (Amritsar).

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above,

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6912 of November, 1974 of the Registering Authority, Amritsar (Tehsil).

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range Amritsar

Date: 30-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/105/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refered to as the 'said Act') have reason to bolieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Ajnala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajnala in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dial Singh s/o Shri Hari Singh s/o Shri Kala Singh V. Ibrahempur Teh, Ajnala District Amritsar. (Transferor) (2) Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh, Smt. Bachittar Kaur w/o Shri Sadhu Singh V. Ajnala Teh. Ajnala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Decd No. 2575 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala,

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date: 30-6-75

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/106/75-76.—Whereas, I V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Near Ajnala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ajnala in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mitter Sing s/o Shri Hari Singh s/o Shri Kala Singh Ibrahimpura Tch. Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Manjit Singh, Shri Manohar Singh s/o Shri Sadhu Singh s/o Shri Narain Singh r/o Ajnala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2508 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 30-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/107/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority . under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. Land, situated at Juhu (and more fully described in the Schedule approved hereto), has been

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaitu in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jeeta Singh s/o Shri Rattan Singh V. Jaitu, Patti Sada.

(Transferor)

- (2) S/Shri Sat Pal, Rajinder Parshad ss/o Shri Brij Lal, Matarani Street, Jaitu.
 (Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 672 of November, 1974 of the Registering Authority, Jaitu.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/108/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. I.and situated at V. Jaitu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu in November 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jeeta Singh s/o Shri Rattan Singh, Village Jaitu, Patti Sada,

(Transferor)

- (2) Shri Kishori Lal s/o L. Kharaiti Mal, Jaitu Mandi.
 (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 671 of November, 1974 of the Registering Authority, Jaltu.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range American

Date: 30-6-75

Scal:

·25-176G1/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. ASR/109/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at V. Kohilia (and more fully described in the schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ajnala in November 1974 for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shri Sewa Singh s/o Shri Harnam Singh, Shri Agya Ram s/o Shri Wadhawa Ram V. Bohlia, Teh. Ajnala,

(Transferors)

(2) Shri Daljit Singh, Rana Partap Singh ss/o Shri Sawinder Singh s/o Shri Banta Singh V, Bohlia Teh. Ajnala (Presently in village Kot Mahmud Khan Teh. Tarn Taran.)

(Transferees)

(3) As at S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2629 of November, 1974 of the Registering Authority, Ajnala.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/110/75-76.-Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Property situated at Morakalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Saboo in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Balwant Singh s/o Shri Narain Singh, V. Maur Kala.

(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath s/o Shri Tirlok Chand Shri Parkash Chand s/o Shri Tirlok Chand, Pyare Lal, Shiv Chand Dev, Raj Behari Lal ss/o Shri Milkhi Ram, Mohan Lal, s/o Shri Parkash Chand c/o Mada Mal Trilok Chand, Mor Mandi.

(Transferees)

- *(3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1817 of November, 1974 of the Registering Authority. Talwandi Saboo

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsur, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/111/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Nehru Street Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ishar Dass s/o Shri Des Raj s/o Shri Nathul Ram r/o Bhatinda now partner of Tirlok Silicate, Yamunanagar.

(Transferor)

 Smt. Janak Dulari d/o Shri Atma Ram r/o Nehru Street, Bhatinda.

(Transferee)

- *(3) Shri O. P. Goyal tenant and as at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- *(4) Any person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are , defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

House at Nehru Street, Bhatinda as mentioned in the Registered Deed No. 4390 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal:

*(Strike off where not applicable)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACOUISITION RANGE. AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/112/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Som Dutt Gupta Traders, Hospital Bazar, Bhatinda, Shri Mohan Lal s/o Shri Bilori Mal, Smt, Saneh Lata w/o Shri Mohan Lal, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Mohan Lal s/o Shri Kidar Nath, Old Satta Bazar, Bhatinda, (Transferce)

"(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4562 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Seal:

*(Strike off where not applicable)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. BTD/113/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot of land situated at Goniana Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in November 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ta under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Som Dutt, Gupta Traders, Hospital Bazar, Bhatinda. Shri Mohan Lal s/o Shri Bilori Mal, Smt. Saneh Lata w/o Shri Mohan Lal, Sadar Bazar, Bhatinda.

(Transferors)

(2) Shri Kedar Nath s/o Shri Chote Ram Old Satta Bazar, Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the ____ on of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 4563 of November, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar.

Date: 30-6-75

(1) Shri Ramji Dass s/o Shri Sadhu Ram, Cloth Merchant, Mansa Mandi, Mansa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref No. BTD/114/75-76.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Chakarian Road, Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mansa in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Vishwa Nath s/o Shri Ganga Ram Mansa, Shri Jagdish Rai, Kapur Chand etc. ss/o Shri Ram Nath c/o Mahavir Factory Mansa.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 3571 of November, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. FDK/115/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Mission Ground Kotkapura Road, Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property

- and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shivnandan Lal Arore, Pritam Singh & S. Dayal Singh Sandhu r/o Muktsar,
 - (transferors
- (2) Shri Sarwan Singh s/o Shri Jagnandan Singh, Daljit Kaur w/o Shri Sarwan Singh Man, Smt. Kulwant Kaur d/o Shri Jagnandan Singh, Smt. Surjit Kaur w/o Shri Jagnandan Singh, V. Abulkhurana, (Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2253, 2254, 2255 & 2256 of November, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 30-6-75

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th June 1975

Ref. No. MGA/116/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar. being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Chotian Kalan

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moga in November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

26-176GI/75

(1) Shri Pakhar Singh s/o Shri Partap Singh s/o S. Sarmukh Singh r/o Nathuwala Jadid.

(Transferors)

(2) Shri Amar Singh s/o Shri Sucha Singh, Shri Malkiat Singh & Shri Jagir Singh ss/o Shri Sucha Singh r/o V. Kahan Singh Wala P.O. Sada Singh Wala.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

expressions used. Explanation: -The terms and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 5414, 5415 & 5416 of November, 1974 of the Registering Authority, Moga.

> V. R. SAGAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-6-75

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Huri Singh S/o Th. Bilal Singh, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sultan Singh S/o Shri Kan Singh C/o Bunglow No. 12, Civil Line, Jaipur (Rajasthan).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)242,—Whereas, I. S. R. Valsh being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jaipur on Dec. 7, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—»

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 bighas bearing Khasara No. (Old) 68 Part with appurtenances situated in Village Jhalana Chowd Durgapura, Farm, Teh. Sangner, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisitlon Range, Jaipur

Date: 6-6-1975

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/243.—Whereas, I, S. R. Vaish being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on Dec. 9, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Hari Singh S/o Th. Bijai Singh, C-Scheme, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Digvijai Singh S/o Shri Sardar Singh Uniara Bagh, Jaipur (Rajasthan).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bigha 10 Biswa bearing Khasra No. 71 (Old) with appurtenances in Village Jhalana Chowd, Durgapura farm, Teh. Sanganer, Distt. Jaipur.

S. R. VAISH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 6-6-1975

(2) Shri Keshri Nandan Jain S/o Shri Buddha Lal Jain, 34 Vikas Path Alwar at present Ram Bagh Quarters. Jaipur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 6th June 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/244.—Whereas, I, S. R. being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Details given below in the Schedule, situated at Jhalana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on Nov. 28, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arssing from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely: ---

(1) Shri Ghan Shyam Das Agrawal S/o Shri Ishwar Das Agrawal, 49, Dabson Road, Howrah (W. Bengal) through his general power of attorney Shri Hari Singh S/o Th. Bijai Singh, C-Scheme, Jaipur.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Bighas & 5 Biswa bearing Khasra No. (Old) 91 (New) 300, 301, 302 & 303 with appurtenances situated in Village Ihalana Chown Durgapura farm, Teh. Sanganer, Distt. Jaipur,

> S. R. VAISH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 6-6-1975

Seal:

(Transferor)

(1) M/s. Neel Kamal Exhibitors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-400 020,

Bombay-400 020, the 10th July 1975

Ref. No. ARI/996-4/Nov. 74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CS 2/657 Malabar & Cumballa Hill Division situated at 218 Tardeo Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registry, Bombay on 1-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- 7b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(2) M/s. Neel Kamal Exhibitors Pvt. Ltd.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground admeasuring 2769 sq. mts. (3312.37 sq. yds.) or thereabouts together with the buildings and structures standing thereon and to be hereafter erected thereon and known as Ganga Jamuna Theatres situate at 218 Tardeo Road (Jagee Dedayee Road) in the Registration Sub-District and District Bombay assessed under Municipal Nos. 42, 50, 50A and D Ward No. 3677, C.S. No. 2/659 Malbar & Cumballa Hill Division and registered under—Collector's New Survey No. A/809, 1328, 1353, 1524, 2995, A/2140 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by the property of Sir Dinshaw Petit II. Baronet on or towards the South partly by the Municipal Road and partly by the land of Climax Industrial Syndicates being Plot No. 2 on or towards the East partly by the property of the Bombay Municipality and partly by the property of the Trustees of Sir Dinshaw Petit II Baronet and on or towards the West the property of Sir Dinshaw Petit II Baronet,

S. S. PHADKE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10th July 1975.

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III. AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020.

Bombay-400 0230, the 7th July 1975

Ref. No. AR/III/635/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Survey No. 177 C.T.S. No. 2499, Plot No. 131 situated at Eksar, Borivli (East)

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 5-11-1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Tarunkumar C. Nanavati, Smt. Kalavati Tarunkumar Nanavati, R.K. Bldg. No. 39th Khetwad Bombay-4.

(Transferor)

 M/s. Dhabalia Builders, C/o Jagdish Steel Corpn., M. G. Road, Opp. Elors Hotel, Borivli (East), Bombay.

(Transferee)

(3) Mrs. Saroj Suresh Shah, Mr. Mahendta Ratilal Doshi, Mr. Keshavrao Abbasaheb Lad., Mr. Manubhai Jivanji Nayak.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of the land situate at Eksar, Daulatnagar, Borivli East, on Road No. 9 previously in Taluka and Sub-District Borivli now in Greater Bombay, District and sub District Bombay Suburban, admeasuring 500 sq. yards. equivalent to 418.05 sq. meters together with a one storey building bearing Survey No. 177 and bearing City Survey No. 2499 and also bearing plot No. 131 and bounded as follows to say:—

On the east by the property bearing—Plot No. 208.

On the west by—Road No. 9. On the north by the property bearing—Plot No. 129. On the south by the property bearing—Plot No. 133.

J. M. MEHRA

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-7-1975.

(i) Smt. D. R. Soldier.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Diamond Constructions,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020,

Bombay, the 15th July 1975

Ref. No. ARI/1002-10/Nov. 74.—Whereas, I, S. S. Phadke, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S, 217, Entry No. 432, situated at 24 Mt. Mary Road, Bombay

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sub-Registry, Bombay on 11-11-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of leasehold land or ground together with the meassuage tenements and dwelling houses or bunglow known as 'The Retreat' and out-houses standing thereon situate lying and being on the hill at 24, Mount Mary Road, Bandra, containing by admeasurement 2553 sq. yards, i.e. 2134.63 sq. metres or thereabouts.

S. S. PHADKE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 15th July, 1975.

Scal.

FORM ITNS-----

(1) Shri Hemchand Ramchand,

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan Jaitha.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. V. Madhukar & Co. [Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-362/C-348/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 16-12-74,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/18th share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of 12 Cottahs & 8 Chittaks more or less.

S. K. CHAKRAVARTY,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 17-7-75.

(1) Shri Bhagwandas Ramchand.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-278/C-265/Bombay/74-75.—Whereas, I. S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing

No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely—

27—176GI/75

(2) Shri Madhokar Pranjiyan Joitha and Tilak Pranjiyan Joitha.

[Transferee]

(3) M/s. V. Madhukar & Co.
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittacks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 17-7-75.

Scal:

(1) Shri Dharamdas Ramchand.

JT ransferorl

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan Jaitha.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s. V. Madhukar & Co.
[Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI
ROAD, CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 17th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. TR-276/C-267/Bombay/74-75.—Whereas, 1, S. K. Chakravarty,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-11-74,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent

THE SCHEDULE

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittaks more or less together with the brick built building thereon.

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of

Date: 17-7-75.

the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the

Seal;

following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-300/C-289/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

Bombay on 16-12-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Devidas Ramchand.

[Transferor]

(2) Shri Madhukar Pranjivan Jaitha & Tilak Pranjivan Jaitha.

[Transferce]

(3) M/s. V. Madhukar & Co.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve Cottahs and eight Chittaks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 17-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 17th July, 1975

Ref. No. TR-280/C-263/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Autho-

rity under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12/1, situated at Meleod St. Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 26-5-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person namely:—

Smt. Sushila Devi Agarwalla.
 w/o Dasharath Lal Agarwalla.

(Transferor)

- (2) 1. Wasi Ahmed.
 - 2. Farooque Ahmed.
 - 3. Shabbir Ahmed All sons of Md. Salim.
 - 4. Shabid Hossain, Minor Represented by father and legal guardian Haji Abdul Sattar.
 - 5. Taj Akhtar Noori, Minor represented by father & legal guardian A. Jabbar Noori.
 - Kamal Anjum, Minor represented by father & legal guardian A. Azim Anjum, all residing at 38, Jagdish Chandra Bose Road, Calcutta-17.

(Transferee)

Sukhdeo Thakur, 2. Bashir, 3. Santat Ali, 4. J. V. Commiade, 5. Deonath Dhobi, 6. Bisheswar, 7. Syed Kishwar Ali, 8. Mashaque Ali, 9. H. Hall, 10. Abdul Wahab.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of revenue paying land measuring 4 Kathas 9 Chittacks and 43 sq. ft. more or less together with 2 storied brick built building being premises No. 12/1, Mcleod Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 17-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE, PATNA.

Patna, the 17th July 1975

Ref. No. 1II-101/Acg/75-76/493.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal H. No.-655, W/No-13, situated at Baribazare, Military Bazar (Monghyr, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta, on 8-11-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

ment of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Dharitri Mullick w/o Sri Kedar Nath Mullick. At-Srikrishna Road, Ghositola Baribazar, P.O./ Dt. Monghyr, Present address:—Village Srikhanda, P.S. Katwa, Dt. Burdwan (W.B.)

(Transferor)

- (2) Shrimati Ramrati Devi w/o Sri Bijoy Kumar Singh, Smt. Subhadra Devi w/o Shri Arun Kumar Singh both residing At P.O.—Maheshpur, Distt. Monghyr.
- (3) Smt. Rekha Devi w/o Ram Shis Singh, Village/P.O. Maldah, Distt. Monghyr.
- (4) Smt. Meera Devi w/o Sri Jai Shankar Pd. Singh Village:—Rampur, P.O.—Abhaipur (Piribazar) Distt. Monghyr.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storied brick built building with land measuring 9 cottahs 5 Dhwes and 12 Dhurkies more or less, bearing Plot No. 34, Tanzi No. 1333 municipal holding No. 665 W/No—13 situated at Baribazar, Military Bazar within P.S. & Dt—Monghyr as fully described in document No. 6685 dated 8-11-74.

J. NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Rauge, Bihar, Patna.

Date: 17-7-75.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Miss Champabai (Hemandas). Dr. (Mrs.) Shakuntala Mukherjee (Soft)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 18th July 1975

Ref. No. TR-274/C-269/CAL-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 69, situated at Princeep St. (now 39 Biplabi Anukul Ch. St.).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta, on 12-11-1974,

object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) (1) M/s. Mahabir Saw Mills (2) Sri Kamalendra Nath Mukheriee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land bearing No. 69 Princeep Street (now 39, Biplabi Anukul Chandra Street) Calcutta measuring more or less two cottahs and eleven chittacks.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date: 18-7-75.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Amratlal Ramchand.

Shri Madhukar Pranjivan Jaitha and Tilak Pranjivan Jaitha.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Madhukar & Co.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA.

Calcutta, the 17th July 1975

Ref. No. TR-275/C-268/Bombay/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty.

being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that
the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48, situated at Ezra Street, Calcutta,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Bombay, on 11-11-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one-eighteenth (1/18) share of premises No. 48 Ezra Street, Calcutta containing an area of twelve cottahs and eight chittacks more or less together with the brick built building thereon.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Calcutta-16.

Date: 17-7-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th July 1975

Ref. No. F. IX/3/117/1974-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door

No. 12/13, situated at Padala Vinayagar Koil Street, Madras-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR.II, Madras, on November, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri K. Venkatachalam, 362, Uppor Palace, "Orchard", Bangalore.

(Transferor)

(2) Smt. R. Suseela Devi, 44-R, Solayappan Street, Madras-21.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 2055 sq. ft. at Nos. 12 & 13, P.V. Koil Street, Royapuram, Madras (R.S. No. 639/P & 640/P).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-7-1975.

 Shri K. Venkatachalam, No. 362, Upper Palace, "Orchard", Bangalore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. Suseela Devi, 44-R, Solayappan St., Madras-21.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6.

Madras-6, the 16th July 1975

Ref. No. F. IX/3/118/1974-75.—Whereas, I, G. V. Ihabakh,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12 & 13, situated at J. V. Koil Street, Royapuram, Madras, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR. II, Madras on November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 1 ground and 188 sq. ft. at Nos. 12 & 13, P. V. Koil Street, Royapuram, Madras (R.S. No. 639/P & 640/Part).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income_tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 16-7-1975.

Seal:

28--176GJ/75

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 16th July 1975

Ref. No. F.IX/3/115/74-75.—Whereas, I, C. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269D of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41 situated at Spur Tank Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at JSR, II, Madras on November 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri N. Ramakrishnan, Muktha Gardens, 3A, Spuf Tank Road, Madras-31.

(Transferor)

(1) (i) Smt. Devi Reddy Iswaramma, (ii) Rebala Seshamma,

(iii) Shri Rebala Balu Reddy &

(iv) Parvatha Reddy, No. 8. Cathedral Garden St., Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 3722 sq. ft. bearing door no. 41, Squr Tank Road, Chetput, Madras-31 (R.S. No. 467/1 Part).

C. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date: 16-7-1975.

(1) Smt. Mcenakshi Ammal & others, 44-C, T. B. Road, Madurai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras, the 5th July 1975

Ref. No. F.X/10/17/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing door

No. 22 situated at Town Hall Road, Madurai,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Pudumandapam, Madurai on November 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(2) Smt. M. Umma Habibabivi, No. 22, Town Hall Road, Madurai.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of his notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of tho publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 1260 sq. ft. at No. 22, Town Hall Road, Maduraj (T. S. No. 349).

> G. V. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 5-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61. ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411 004.

Poona, the 16th July 1975

Ref. No. C.A.5/Dhulia/Nov'74/215/of 75-76.—Whereas, I H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 524/3, Mouje Kasba, situated at Dhulia Dist.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhulia on 30-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Sarubai Dharma Kandre of Dhulia.

(Transferor)

(2) (a) Smt. Sonabai Shankar Iswar,

- (b) Smt. Shantabai Kisanrao Kumbhar
- (c) Shri Hari Mahadu Khandale
- (d) Suryabhan Mahadu Khandale all at Shivajinagar, Gat No. 3, Dhulia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold

Agricultural land Survey No. 524/3, Manuje Kasba, within Municipal limits of Dhulia.

Area: Hectres and 75 R.

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date: 16-7-1975.

(2) Shri Baldev Raj Juneja s/o Sh. H. L. Juneja 1/o 23, D. Vjay Nagar, Delhi-9.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI.

New Delhi, the 15th July 1975

Ref. No. IAC/Acq II./851/75-76/1657.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3601 to 3615 (New) Shyam Bhawan situated at Faiz Bazar, Darya Ganj, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 28-12-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Brij Kishore Gupta s/o Shri Om Parkash as guardian of the minor sons Sh. Rajiv Kumar and Sh. Sanjiv Kumar (minor) r/o 100, Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

List of Tenants:

- 1, Shri R. C. Anand Sh. No. J
- 2. Shri Ram Lubhaya Sh. No. 2
- 3, Sh. Satinder Kumar Sh. No. 3
- 4. Sh. Ratan Singh Sh. No. 4
- 5. Sh. M. L. Sharma Qr. No. 15-14
- 6, Sh. N. L. Sharma Qrs. No. 15-16
- 7. Sh. Achraj Ram Qr. No. 17
- 8. Sh, S. N. Chopra Qr. No. 18
- 9, Sh. Ujagarmal, Jagannath Qr. No. 19
- 10. Sh. Nahar Ram One Kolki
- 11. Sh. Bishan Singh Flat No. 13 on 2nd floor
- 12. Sh. G. S. Bedi Flat No. 5
- 13. Sh. Dayal Singh Flat No. 7
- 14. Sh. Sat Parkash Flat No. 6
- 15. M/s Ram Chand Sham Lal Flat No. 8.
- (3) (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building consisting of shops and barsaties constructed on a free-hold plot of land measuring about 1700 sq. yds situated at No. 4718 to 4757 (old) and 3601 to 3615 (New), Darya Ganj, Delhi-6 and known as Shyam Bhawan.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 15-7-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411 004.

Poosa, the 11th July 1975

Ref. No. C.A.5/November'74/Haveli-II (Poona) /213/75-76. -Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 231/2 situated at Nanapeth (Poona),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona) on 1-11-74,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s Natekar Bamb Construction Co., 1206 B/15, Shivajinagar Deccan Ghymkhana, Poona-4.

(Transferor)

(2) Nachikate Co. operative Housing Society, Chairman: Bankatkumar Damodar Toshiniwal, 231/2. Nanapeth, Poona-2.

(Transferee)

(3) (person in occupation of the property)

(1) Sri Ganpatlal Hemaji Parmar,

Shri Chaturbhoj Bishambajdayal Agarwal,
"Mohandas Basiyan Al Villa (2) (3)

- (3) "Mohandas Basiyomal Vadhawani
 (4) Smt. Panibai Chandanmal Solanki,
 (5) Shri Bansilal Jivraj Bamb.
 (6) "Rasiklal Manikchand Dhadiwal, " Rameshlal Lakhanlal Hemrajani,
- " Atmaram Prithisinha Sharma, " Manikchand Narayandas Dugad, (8)(9)
- " Bankatlal Damodar Toshiniwal (10) "Bankatlal Damodar Toshiniwa. (11) Smt. Fulkanwar Bai Bhagwandas Partani, (12) "Surai Kanwarbai Anandram Kothari.

" Şuraj Kanwarbai Anandram Kothari, Shri Mannalal Covindram Dhun, Smt. Lilabai, M. Dhun Shri Gunwantrao Gangadhar Jitkar,

- (15)(16)
- (17) (18)
- (19)
- (20) (21)
- Shri Gunwantrao Gangadhar Jitkar,
 "Chunilal Lalchand Chajed,
 "Viswanath Chandrasekhar Shilwant,
 " Harshakumar Popatlal Bamb,
 " Arunkumar Popatlal Bamb,
 " Kirankumar Popatlal Bamb,
 " Nandalal Murlidhar Moniar,
 " Harikisan Gangabisan Maniar,
 " Vinodkumar Popatlal Bamb, all at staying at 231/2, Nanapeth, Poona-2. (22)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Frechold, ownership basis flats at 231/2 Nanapeth, Poona-

Total area of land-3678 sq. ft. Flat-shop Carpet Area-7098 sq. ft.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 2049 of November, 1974 of the Registering authority Haveli-II (Poona).

> H. S. AULAKH, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poons.

Date: 11-7-1975.

FORM JTNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,

BOMBAY-400 020.

Bombay, the 10th July 1975

Ref. No. AP.207/IAC.AR.IV/75-76.—Whereas, I Shri M. J. Mathan the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 143/9 of S. No. 143 situated at Village Ambivli (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

S. R. of Bombay on 15-11-74

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Jim Rusdin Pvt, Ltd. 16/A. Altamount Road, Cumballa Hill, Bombay-400026.

(Transferor)

(2) St. Louis Society Ceasar Road, Amboli, Andheri (W), Bombay 400058, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece OR parcel of land of ground situate lying and being in the village of Ambivli formerly in the Sub-district of Bandra in the South Salsette Taluka of the Bombay Suburban District stated in the Records of rights dated 28th November 1969 according to the Survey and area measurements under his number 2692(2) to admeasure 4177 sq. yds. or made by the District Inspector of Land Records, Bombay 3493 sq. Metres or thereabouts bearing Plot No. 143/9 of survey No. 143 of Ambivli and which said premises are according to the plan annexed hereto bounded as follows, that is to say: On or towards the east by plot No. 143/8 of S. No. 143 of Ambivli, on or towards the North by 30 ft. wide Internal Access Road on or towards the west by sub-station plot of S. No. 143 of Ambivli and on or towards the south by village boundary of Versova.

M. J. MATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 10-7-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411 004.

Poona, the 11th July 1975

Ref. No. C.A.5/November'74/Haveli-II(Poona)/214/75-76.
—Whereas, I. H. S. Aulakh,

being the Competent Authority under

Section 269D of the Income-Tax, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 101 B, C.T.S. No. 2073-A, situated at Yerwada (Poona).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona) on 22-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) The Maharaja of Dhar, C/o. Nanu Hormasjee Co., Solicitors, Fort, Bombay.

(Transferor)

(2) The Society of Carmelites, Trustee: Rev. Sister Adelrich, 9, Burr Road, Poona-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold building—S. No. 101 B, C.T.S. No. 2073-A, Plot No. 18, Ahmednagar Road, Yeravada, Poona.

Total Area of land 87120 sq ft.

Building (including outhouse) Area: 12000 sq. ft. (property as mentioned in the Registered Deed No. 1216 of November 1974 of the Registering authority Haveli-II (Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona.

Date: 11-7-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad, the 11th July 1975

Ref. No. Acq.23-I-423 (204) /16-6/74-75.—Whereas, I J. Kathuria,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 297 Paiki situated at Raikot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 20-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Sald Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

29--176GI/75

- (1) (i) Ghanshyam Babu Harilal,
 - (ii) Manilal Harilal,
 - (iii) Gulabrai Harilal, partners for & on behalf of M/s. Gulabrai & Co., Pauchnath, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Gurujan Co-op. Housing Society Ltd., 19, Kevdavadi Sheri, Rajkot.

Through

- (i) Shri Hargovindas Prabhudas (President),
- (ii) Shri Bhavsang Khengarji (Vice-President).
- (iii) Shri Shantilal Madhavji,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of non-agricultural land near Ananduagar, Gujarat Government Housing Board's Quarters, Rajkot, and bearing Survey No. 297 Paiki and admeasuring 2 Acres.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-7,
Ahmedabad.

Date: 11th July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhl, the 10th July, 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRI.II/Nov.-II/515(19)/74-75,—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. N-170, situated at Greater Kailash-I, New Delhi-48, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 21st Nov. 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Rama Saxena w/o Dr. R. P. Saxena at presently residing at Flat No. 7, 2, Mansfield Road; Hong Kong..

(Transferor)

(2) Shri Jagnath Prasad Bhatnagar s/o Late Munshi Shiv Lal, r/o Mohalla Chand Shirin Bijnor (UP)

AND

Sh. Shamesher Bahadur Bhamagar, S/o Late Sh. Raj Bhadur Bhatnagar, r/o N-170, Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferce)

(3) Smt. Raj Chawla Sahni Prop M/s Asian Antiques Arts & Handicrafts. Sh. Prabhat Chandra. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of free-hold land measuring 300 Sq. yds. & 2½ storeyed house constructed thereon with all fittings & furnitures etc & water & Sanitary connections complete, located at N-170 in the residential colony known as Greater Kailash-1, New Delhi & bounded as under:—

North: Service Lane. South: 30ft. Road. East: 40ft. Road. West: Plot No. 168-A.

C. V. GUPIE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
New Delhi.

Date: 10-7-1975,

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-400 020,

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/642/74-75.—Whereas, I J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 7, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at Goregaon (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'Said Act',
 in respect of any income arising from the transfer;
 and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Somani & Co, Pvt. Ltd. Laxmi Bhavan, 158/ 164 Kalbadevi Rd., Bombay-2. (Transferor)
- (2) M/s. Shreegopal Corporation, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot No. 7 of the Somani Gram, Ram Mandir Road, Goregaon (West) Bombay 62 Bombay Suburban District and Registration sub-district of Bombay city and BSD more admeasuring 1591.00 sq. meters (1902.83 sq. yds.) On north bounded proposed internal 30 ft wide road on east by plot No. 6 on South by Plot No. 12-13 and Survey No. 107 Hissa No. 1 and on the West by Plot No. 8 bearing No. CTS, number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 7-7-1975.

 M/s. Somani & Co. Pvt. Ltd. Laxminiwas, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Vinay Enterprises, Laxmi Niwas, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAYAN, M, KARVE MARG.
BOMBAY-400 020,

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/646/74-75.—Whereas, 1 J. M. MEHRA. the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, III, Bombay.

being the competent authority under Section 209B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at Goregaon (West),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 18-11-74

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforc-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6 of Somanigram, Rammandir Cross Road, Goregaon (West), Survey No. 105, 106, 107, 109 to 112, admeasuring 1609.50 sq. mts. (1925.00 sq. yds.).

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot No. 6 of the Somanigram, Rammandir Road, Goregaon (West) Bombay-62 Bombay Suburban District and registration subdistrict of Bombay city and BSD more and forming part of the land particularly described in the first schedule hereinabove written and admeasuring 1609.50 sq. meters (1925.00 sq. yds.). On north bounded by proposed internal 30 ft. wide road on east by plot No. 5 on south by survive No. 107 Hissa No. 1 and on the west by plot No. 7, bearing No. CTS number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/641/74-75,—Whereas, I J. M. Mehra the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay.

being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 82, S. No. 105, 106, 107, 109 to 112, situated at Gorgaon (West).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 16-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of Jiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) M/s, Somani & Co. Pvt. Ltd., Laxminivas, 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2,

(Transferor)

(2) M/s, Shree Arvind Corporation Laxminiwas 158/164 Kalbadevi Road, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece and parcel of a plot of land bearing plot No. 8 of the Somani Gram, Ram Mandir Road, Goregaon (West), Bombay-62 Bombay Suburban District and registration sub-District of Bombay City and BSD more admeasuring 1591.00 sq. mis. (1902, 83 sq. yds.). On north bounded by proposed internal 30 ft wide road, on east by plot No. 7 on south by plot No. 12 and 11 and on the west by plot No. 9 bearing no CTS number.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay.

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-400 020.

Bombay, the 7th July 1975

No. AR/III/632/74-75.—Whereas, 1 J. M. Mchra. Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-III, Bombay.

being the competent authority under Section 269B of the lincome-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot B. Ram Gully, S. No. 67, H. No. 3(Pt.) situated at Malad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 7-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1.Shri Shashikant Keshavlal Valera as Karta and Manager of H.U.F.

 2. Kamlabai Keshavlal Valera,
 - 3. Anilkumar Keshavlal Valera,

- 4. Piyush S. Valera,
- 5. Sejal S. Valera,
- 6. Alpa A. Valera,
- 7. Jigna A. Valera,

(Transferor)

(1) 1. Smt. Veena V. Shah, 2. Jayantilal N. Trivedi.

(Transferce)

*(3) 1. Keshavji Haribhai Chotalia.

2. Purshottam Kanji Rathod.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at unsurveyed village of Kasbe Malad, Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban formerly within the limits of Kandivali Municipality and now within the limits of the Greater Bombay Municipal Corporation containing by admeasurement 1182,22 square yards equivalent to 988.48 square meters or thereabous and bearing Survey No. 67 Hissa No. 3 part at Ram Gully, villag Kasbe Malad and being plot No. B and bounded as follows that is to say on or covered the North by the present known of Syspendra Mogar. towards the North by the property known as Surendra Nagar Housing Co-operative Society Ltd.'s Buildings on or towards the South by property of Shri Mhatre known as Mhatre Niwas, On or towards the East by the remaining property of the Vendors i.e. plot No. A and on or toward the West by the property of Shri Vithaldas Bhatia.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay.

Date: 7-7-1975.

 Smt. K. Subbalaxmi W/o K. V. Subba Rao, 1-8-94, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V, HYDERABAD

Hyderabad the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.55/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred unde the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-11-1974, for an apparent consideratino which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Smt. Kaleemunnissa Begum W/o Nawab Mehdi Hassan Khan, 22-1-923, Sultanpura, Hyderabad. (2) Smt. Laxmi Bai S/o Satyanarayana, 21-2-750, Rikahouni, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front of the ground floor and first floor of the building bearing Municipal No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad, covering total area of land 109.19 Sq. Metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 9-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.59/75-76.—Whereas, I K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No 3-5-121 & 142, situated at Eden Bagh, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Hyderabad on 15-11-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sehzadi Ahmedunnisa Begum alias Shehzadi Pasha, D/o. late Nawab Mir Osman Ali Khan. (Nizam-VII), her G.P.A. Sri M. Mansoor Ali S/o Mastan Ali, 1-11-249, Begumpet, Hyderabad.

- (2) Sri Hadi Ali Khan alias Hadi Nawab S/o. late Syed Abbas Ali Khan, Talab Bagh, Mir Alam, Hyderabad (Transferor)
- (2) Smt, Siddiqua Banu W/o, Syed Yousuf Nawab, Eden Bagh, Ramkote, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 3-5-121 and 142, Edenbagh, Ram-kote, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 9-7-1975,

FORM ITNS ...

 M/s. Hindusthan Builders, 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prathibadevi Agarwal, H. No. 21-7-107, Ghansibazar, Hyderabad-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. 77/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961

(43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 9. situated at 'Unity House' Abid Road,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 25-11-74.

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30—176GI/75

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, on the Ground floor of the Building known as 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 11-7-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C.80/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1-2-265, situated at S. D. Road, Secunderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Secunderabad on 25-11-74,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. I. Fernes S/o S. P. Fernes, 100, S. D. Road, Secunderabad.
 - (Transferor)
- Shri C. J. Amarnath Rao S/o. C. J. Gopala Rao, 31/ B, East Marredpally, Secunderabad. (Transferee)
- (3) Sri Ramsingh Agarwal, 1-2-265, S. D. Road, Secunderabad, (Tenant).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1-2-265 (tiled house) known as 'Corner Cottage with compound, on a plot of land admeasuring 320 Sq. Yds situated at 100, S. D. Road, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad

Date: 11-7-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C.72/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16-8-931/2 situated at Malakpet Hyderabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 29-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. Umatul Jameel W/o Naseeruddin Khan, No. 24/A, C.I.B. Qtrs. Khairtabad, Hyderabad 2.
- (2) Moinuddin S/o. Zafaruddin Khan, Rep. by his natural mother guardian appointed by Dist. Court, Smt. Ameerunnisa Begum. 5-8-490, Chirag Ali Lane, Hyderabad. (Transferor)
- Sri Khetshi Bhai S/o. Vishram Patel, Managing P/r Sri Vijaya Laxmi Trading Co., 16-8-931/2, Malakpet, Hyderabad. (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All the part and portion of premises bearing Municipal No. 16-8-931/2 covering an area of 1028.57 Sq. Metres situated at Malakpet, Vijayawada Cross Road, Hyderabad with all the fixtures, fittings and appurtenances etc.,

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 11-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref No. R.A.C. 54/75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-8-94, situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in,

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad, on 2-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

- I. Smt. Kaleemunnissa Begam W/o Nawab Mehdi. Hassan Khan, House No. 22-1-923, Sultanpura, Hyderabad.
 - 2. Smt. K. Subba Laxmi W/o K, V. Subbarao, 1-8-94, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)-

(2) Smt. Nirupa Kumari D/o. Sri Ram, 21-7-195, Charkaman, Devdi Mama, Jamella, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Back portion of the ground floor and first floor of the building bearing Municipal No. 1-8-94/A, situated at Chikkadpally, Hyderabad, covering total area of land about 53.31 Sq. metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.47-75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-825/3 situated at Mehidapatnam Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 1-11-1974

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) Smt. Rizwana Farooq W/o Dr. Saleem Mohammed Farooq, Through G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki Hyderabad.

(Transferor)

 Meheerunissa Begum W/o Syed Gulam Mohiuddin, 11-3-745, New Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern portion of premises Municipal No. 12-2-825/3, situated at Mehdipatnam, Hyderabad measuring about 1626 sq. yards equivalent to 1329.5 sq. Metres and bounded as follows:

North: House No. 12-2-825/3, (part); Vendor' South: House of Mrs. Zehra Fatima Hyder. East: House of Mrs. Zehra Fatima Hyder. West: C.C. Road to Incometax Colony.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 58/75-76—Whereas, I, K. S. Venkataraman, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing

No. 13/261, situated at Gudur, Gudur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudur on 21-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. K. Sashikala W/o. Gopala Krishna Reddy Nehrunagar, East Gudur, Gudur,

(Transferor)

(2) Sri Yenugu Viveka Reddy, Minor, Rep. by Guardian Sri Anantha Padmanabha Reddy, 9, T. Gramani St., Santhome Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Door No. 13/261, measuring about 528.51 Sq. Metres of old terraced buildings, factories, Zinc Sheets Godown etc.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julllundur, the 7th July 19/5

Ref. No. AP975.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule,

situated at Railway Mandi Rd., Jullundur,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sh. Krishan Lal Chadha, Kundan Lal Chadha s/o Gian Chand Chadha, c/o Chadha Printing Press, New Railway Road, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Karanjit Singh s/o Mehnga Singh, Vill. Bilga Patti, Nilowal, Distt. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the building.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building as mentioned in Regd. deed No. 6805 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Julllundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP976.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per srhedule,

situated at New Railway Rd., Jullundur.

(and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Krishan Lal Chadha, Kundan Lal Chadha Šs/o Gian Chand, Jullundur.

(Transferor)

(2) Smt. Udham Kaur w/o Mehnga Singh, Bilga Patif, Nilowal, Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the shop.(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop as mentioned in Regd. deed No. 6781 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

Gulaba s/o Gurdial R.O. Bajuha Kalan, Teh. Nakodar. (Transferor)

(2) Shri Baldev Singh, Sukhdev Singh, Avtar Singh s/o

Chanan Singh s/o Ujagar Singh, R.O. Bir Baloki,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandar, the 7th July 1975

Ref. No. AP977.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule,

situated at Vill. Bir Buloki, Teh. Nawanshehr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar in October 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Mansha Ram s/o Bhula Ram s/o Dheru Ram, R/o 615 E, Abadpura Jullundur, Rakha Ram s/o 31---176GI/75

Teh. Nakodar. (Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1822 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

Seal;

FORM ITNS----

(1) Shri Phuman Singh s/o Partap Singh, Shankar.

(Transfe or

(2) Shri Kuldip Singh s/o Harbans Singh s/o Deva Singh, Shankar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE JULLUNDUR

Julllandur, the 7th Taly 1975

Ref. No. AP978.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing No. As per schedule, situated at Shanker (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1829 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullunder, the 7th July 1975

Ref. No. AP979.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule,

situated at Avan Chuharmi

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Lekh Raj self and G.A. to Sham Sunder & Harbans Lal Ss/o Hukam Chand, R/o C/3/1 Rana Partap Bagh, Delhi.

 (Transferor)
- (2) Shri Malkit Singh, Gurdeep Singh s/o Mehnga Singh & Sarwan Kaur wd/o Mehnga Singh, R/o Chak Vendal. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1736 of Oct., 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

FORM I.T.N.S.—-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullandur, the 7th July 1975

Ref. No. AP980.-Whereas, I. Ravinder Kumar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule,

situated at Avan Chuharmi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lekh Raj self and G.A. to Sham Sunder & Harbans Lal Ss/o Hukam Chand, R/o C/3/1 Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sucha Singh, Harpal Singh, Gurnam Singh etc. Ss/o Bhag Singh, R/o Vill. Kurali, Teh. Jullundur. (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

land as mentioned in Regd. deed No. 1743 of Oct. 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP981.—Whereas, I, Ravinder Kumar. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule, situated at Avan Chuharmi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Ram Ditti, Smt. Krishna Kumari d/o Hukam Chand through Sh. Lekh Raj s/o Hukam Chand, C-3/1 Rana Partap Bhag, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Sucha Singh, Harpal Singh, Gurnam Singh s/o Bhagmal, Vill. Karali, Teh. Jullundur, (Transferce)
- (3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1737 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP982.—Whereas, I. Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule.

situated at Ladhran.

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as nforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Beant Kaur, Nasibo, Chindo Ambo d/o Gurbachana, Ladhran. Tch. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh, Paul Singh s/o Niranjan Singh, Ladhran, Tch. Nakodar.

(Transferec)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the land.
 [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1690 of October, 1974 of Regsitering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE, JULIUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP983.—Whereus, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per achedule, situated at Ladhran, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nakodar in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

... (1) Smt. Beant Kaur, Nasib, Chindo Ambo d/o Gurbachna, Vill. Ladhran, Teh. Nakodar.

(Transferor)

(2) Shri Malkit Kaur w/o Charn Dass s/o Harnama Kanpur, Dhadd, Tch. Nakodar.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

 $\sigma = (1, 2, 2, 3)$

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1691 of October, 1974 Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1975

(1) Shri Ajit Singh s/o Harnam Singh, Bopa Rai Kalange Teh. Nakodar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Lal, Joginder Ss/o Gurbachna, Vill. Ladhran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

(4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullander, the 7th July 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AP984.-Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(hereinafter referred to as the Said Act),

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Bal Hukmi

> date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Nakodar in Oct. 1974

> EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/

Land as mentioned in Regd. deed No. 1702 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

RAVINDER KUMAR, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 7-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP985.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule,

situated at Singhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Nakodar in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

32—176GI/75

- (1) Shri Gurdip Singh, Jagjit Singh, Kashmir Singh Sa/o Sardara Singh, Gurmej Kaur w/o Gurdip Singh, Surjit Kaur w/o Jagjit Singh, Chanan Kaur w/o Kashmir Singh, R/o Singhpur, Teh. Nakodar.

 (Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh, Dalvinder Singh s/o Gurbaksh Singh s/o Niranjan Singh r/o Lalian Khurd, Teh. Jullundur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land,
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 1726 of October, 1974 of Registering Authority, Nakodar.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.

Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975

 Sh. Ninmal Singh s/o Udham Singh s/o Fatch Singh, Karam Kaur wd/o Udham Singh s/o Fatch Singh, Vill. Chakdana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP986.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Inchme-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule,

situated at Lasara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Phillaur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:——

(2) Sh. Chaman Lal s/o Udho Ram s/o Guhia Vill, Puari, Teh. Phillaur, c/o Sh. Dev Raj s/o Udho Ram Puari.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9359 of October, 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 7-7-1975.

Seal -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP987.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule,

sibuated at Puari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Stoti Thukeri wd/o Youdo Vill. Puari, Tch. Phillaur. (Transferor)
- (2) Shri Raspaul Singh s/o Sewa Singh, Vill. Bhar Singh, Pura, Teh. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2888/9158 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Juliundur

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Juliundur, the 7th July 1975

Ref. AP988.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Mau (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Chanan S/o Dhera of vill. Mau. Teh. Phillaur. (Transferor)
- (2) S/Sh. Bahadar Singh, Gurdev Singh, Karnail Singh, Jarnail Singh, Joginder Singh Ss/o Bawa Singh s/o Khushala of Vill. Khela, Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2883/9183 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Juliundur

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP989.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule,

situated at Phillaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

(1) Sh. Bulger Singh s/o Sham Singh s/o Bishan Singh r/o Ramgarh, Teh. Phillaur.

(Transferor)

(2) M/s. Friends Auto Industries Ram Garh, Tch. Phillaur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person is occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9095 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1975

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX;

ACQUISITION RANGE, FUELUMPUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP990.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule,

situated at Phillaur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269°C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 She Bulger Singh s/o Sham Singh s/o Bisham Singh r/o Ramgarh, Teh, Philaur.

(Transferor)

 M/s. Friends Auto Industries Ram Garh, Teh. Phillaur.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above,

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 9246/2946 of October, 1974 of Registering Authority, Phillaur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Juliundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP/991.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule,

situated at Talwan

situated at Talwall

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sh. Balbir Singh, Joginder Singh, Mohinder Singh Sa/o Narinjan Singh, Vill. Talwan,

(Transferor)

(2) S/Shri Digal Singh, Harbhajan Singh s/o Sankar Singh, Mukhtiar Singh, Dial Singh, Anup Singh s/o Harbhajan Singh, Vill. Rudki.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2918/9218 of October, 1974 of Registering Authority Phillaur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 7-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP 992.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule.

situated at Talwan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the

Registering Officer at

Phillaur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Sh. Jagiri, Malkit s/o Harditha s/o Ruliya of Vill. Sherpur, Teh. Phillaur.

(Transferor)

....(2) Sh. Mohinder Singh s/o Kishan Singh s/o Basant Singh, Jeet Singh s/o Krishan Singh, Basant, Vill, Upal Bhupa.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Sald' Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 2920/9220 of October, 1974 of Registering Authority Phillaur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Juliundur.

Date: 7-7-1975, ::

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP 993.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act,') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule,

situated at Bulandpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Sh. Gunwant Singh, Hari Singh Ss/o Munsha Singh, Bulandpur s/o Nihal Singh, Teh, Jullundur,

(Transferor)

(2) Shri Amar Chand S/o Faqir Chand, Bulandpur, Teh, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6557 of October, 1974 of Registering Authority, Jullandur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975.

Scal;

33-176GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. 994.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. As per schedule, situated at Bulandpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in Oct. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:—

 Shri Gulwaut Singh, Hari Singh Ss/o Munsha Singh R/o Bulandpur.

(Transferor)

- (2) Smt Dhan Kaur w/o Amar Chand s/o Faqir Chand through Sh. Amar Chand, Bulandpur Teh. Duba. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the 'Said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions must herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6656 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. AP. 995.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated Bulandpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Gulwant Singh, Hari Singh ss/o Munsha Singh, Bulandpur, Jullundur.

(Transferor)

(2) Sodi Ram s/o Sh. Amar Chand Bulandpur, Distt. Jullundur.
Through Sh. Amer Chand

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. dced No. 6629 of October. 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. A P 996.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Raipur Rasulbue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Naresh Chander s/o Banarasi Dass s/o Ganesh Dass, R/o 500-R, Model Town, Jullundur.

(Transferor)

(2) Karodi Lal Sahni S/o Late Moti Ram, Lajpat Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. deed No. 6623 of October, 1974 of Registering Authority, Juliundur.

RAVINDER KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Jullundu

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 7th July 1975

Ref. No. A.P. 997.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at Raimpur Rasulpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in October, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ras, against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ef 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Naresh Chander s/o Bansi Dass, Juliundur, 500-L Model Town, Juliundur.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram Sahni s/o Late L. Moti Ram, Lajpat Rai Nagar, Jullundur-217.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2 above, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the land.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd, deed No. 6528 of October, 1974 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 7-7-1975.

Scal:

M/s Hindusthan Builders, 'Unity House' Abid Road,' Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Surendar Kumar Minor, under Guardianship of Shri Ramavatar, C/o M/s Totaram Murarilal and Sons, Abid Road, Hyderabad.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

Hyderabad, the 11th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. R.A.C. No. 76/75-76,--Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

(b) by any other person interested in the said immov-

being the Competent Authority under Section (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

> able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-9-253 situated at Abid Road, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Hyderabad on 8-11-1974 for an apparent consideration

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :__

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

> All that the Undivided shares or portion in the piece and parcel of land bearing Municipal No. 5-9-250 to 257, situated at Abid Road, Hyderabad, admeasuring 2174 sq. Metres i.e., Shop No. 28, on the Ground floor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :-

Date: 11-7-1975

TOKM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 75/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11-5-294 and 295 situated at Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) (1) Mir Muzzafar Ali Khan S/o late Justice Mir Basith Ali Khan,
 - (2) Mir Azam Ali Khan S/o late Justice Mir Basith Ali Khan, through G. P. A. Holder Mir Muzzaffar Ali Khan, Seetha-Mahal, Bomenji Patel Road, Bombay-26.

 (Transferor)
- (2) Smt. Najma Sultana W/o Abdul Khair Siddique, H. No. 11-5-294 and 295 Red Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of the land together with buildings being part of the premises bearing Municipal Nos. 11-5-294 and 295 situated at Red Hills, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 11-7-1975.

Scal:

(1) M/s Hindustra-Hyderabad

[PART III—SEC. 1]
House', Abid Road

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME.

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Amarchand Agarwal, 15-2-388, Mukhtar Gunj, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 78/75-76,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 10 situated at Unity House, Abid Road, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-11-74

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that chapter...

THE SCHEDULE

Shop No. 10, on the Ground floor of 'Unity House', Abid Road, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Whome-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 11-7-1975

(1) Sri C, Ratnam Mudaliar S/o Chinappa Mudaliar, C/o Jayarm Cool Drinks, Trunk Road, Nellore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Yelisetty Jayalakshmi W/o Sreenivasulu, Veligandla, C/o Sreenivasulu, Asst. Engineer, Air Force Academy Project, Hyderabad

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Hyderabad, the 9th July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. R.A.C. No. 56/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

16/552, situated at Sankara Agraharam, Nellore, (and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nellore on 6-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Door No. 16/552, Sankara Agraharam, Nellore.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:

34-176GI/75

Date : 9-7-1975

(1) Shrimati Rizwana Farooq W/o Dr. Saleem Mohammed Farooq, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shakira Jehan W/o Syed Mahboob Mohiuddin, Peddapally, Kareemnagar Dist.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No., R.A.C. No. 487/75-76,—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 12-2-826/1, Northern Portion of situated at Mohdi patnam, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 1-11-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957:(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Northern portion of premises bearing Municipal No. 12-2-825/3, situated at Mehdipatnam, Hyderabad measuring about 1271 sq. metres bounded by:

North House of Mrs. Zehra Fatima Hyder, South House of Mrs. Meharunnisa Begum; East: House of Mrs. Zehra Fatima Hyder, West: C. C. Road to Income-tax colony.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th July 1975

Ref. No. Acq. File No. 297 J. No. (421)/EG/74-75.—Whereas I B V. Subba Rao

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 46-19-61 situated at Danavaipeta, RJY

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajahmundry on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any any moneys or other assets which have not been cr which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate procedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Vadrevu Suryanarovana Murthy & Subramanyam, RJY. (Transferor)
- (2) Shri Kotipally Tej Bahadur Saproo, M/G. Father Ramá Rao, RJY (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intrested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall-have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property schedule as per sale deed dated 22nd October, 1974 vide document No. 4321 registered before the S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Parge, Kakinada.

Date: 14-7-75.

Sri Sivakoti Lakshminarasimham, S/o Pullaiah, Governorpeta, Vijayawada.

(2) Sri Pulletikurthi Prasad, S/o Veerabrahmanandam,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 14th July, 1975

Ref No. Acq. File No. 206 J. No. (387)/74-75.—Whereas, I. B. V Subba Rao

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a far market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-49-54 situated at Sivalayam Street, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 31-10-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfe; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Isalmpeta, Vijayawada.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 26th September, 1974 vide document No. 3714 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada dated 29-10-74.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 14-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 16th July 1975

Ref. No. J. No. 1(162)/VSP/74-75/Acq.File No. 208.—Whereas, I, B. V. Subba Rao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Industrial Estate situated at Vantitadi Agraharam Vizia-nagaram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has, been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the registering officer at Vizianagaram on 3-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferec(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Chri Chakka Ramarao S/o Sarabhalingam, Vizianagaram.

(Transferor)

(2) Shri Yarlagadda RangaraoS/o Seshayya,Vizianagaram.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per sale deed dated 20-11-74 vide document No. 4664 registered before the S.R.O., Vizianagaram.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Kakinada,

Date: 16-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 7th July 1975

Ref. No. J. No. EG.461/75-76/Acq.File No. 205.-Whereas, I. B. V. Subba Rao,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8-9-58 situated at Vankayalavari Street Rajahmundry (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajahmundry on 15-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) 1. Delhi Narasinga Rao, By General Power Of Attorney Holder Sarangu Laxminarasimharao, Tanuku 2. Panuganti Jagannadharao. 3. P. V. Ramanarao.

(Transferor)

(2) Shri Sait Sampath Kumar Bang Rajahmundry. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property schedule as per sale deeds dated; 6-11-74 and 17-3-74 vide documents Nos. 4473 and 4475 registered before S.R.O., Rajahmundry.

> B. V. SUBBA RAO, Competent, Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kakinada.

Date: 7-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 10th July 1975

Ref. J. No. 1(415) WG/74-75/Acq. File No. 206.—Whereas, I, B, V. Subba Rao,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-2-33 situated at Yenamandurru Patna Kalva (and more fully described in the achedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhimavaram on 15-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Akula Chenchu Punneswararao, S/o V K. Rao, Vijayawada.

(Transferor)

 Pulaparty Ranganuikamma, W/o P. Venkateswararao, Gunupudi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property schedule as per document No. 2710 of 1974 registered before the S.R.O., Bhimavaram.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 10-7-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. FDK/117/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Muktsar (and more fully described in the Schedule nanexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar in Nov., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely.—

(1) Shri Randhir Singh S/o Baldev Singh S/o Tarlok Singh R/o Vill, Shergerh, Teh. Dabwali,

(Transferor)

(2) Shri Mohan Singh S/o Manohar Singh, S/o Harnam Singh, Gali Damdama Muktsar.

(Transferee)

*(3) As at Sr. No. 2 above, and Tenants of the Property if any.

(Person in occupation of the property)

*(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed No. 2218 of November, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. PKT/118/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Agr. Land situated at V. Sunder Chak (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in Nov., 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now. therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Brij Lal S/o Shri Uttam Chand Village Sunder Chak, Teh. Pathankot.

('lransteror)

(2) Shrimati Nirmla Devi W/o Shri Sarjang Bahadur S/o Shri Brij Lal of Village Sunder Chak,

(Transterce)

(3) As at Sr. No. 2 above,

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as mentioned in the Registered deed No. 1535 of November, 1974 of the Registering Authority Pathankot,

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Dato: 15-7-1975.

Scal:

35---176GI/75

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. Phg/119/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. property, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shri Telu Ram S/o Shri Ram Dhan Mal, Phagwarz (Transferor)
- (2) Sh. Balwant Singh S/o Sh. Bhagat Singh R/o Palahi.
 (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenants of the property, if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered deed No. 1501 of November, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-7-1975.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th July 1975

Ref. No. PHG/120/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing,

No. Property, situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Phagwara in Nov. 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Telu Ram S/o Shri Ram Dhan Mal, R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh S/o Bhagat Singh S/o, Mihan Singh R/o Palahi,

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 above and tenants of the property. if any.

[Person in occupation of the property]

*(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the registered deed No. 1435 of Nov., 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date: 15-7-1975.

Scal:

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Vasant S/o Dattatraya Ranade, R/o 9/2 Snemalata-ganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot and house No. 6—A Rajendranagar, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 6-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Soubhagya Ben W/o Basantilalji Shrimal R/o Delwada, Mount Abu, Rajasthan.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house No. 6-A Rajendranagar, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1975.

Indore on 4-11-74

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 173 Shrinagar Colony, Indore and house situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Dr. Nilkanth Balkrishan Temdekar, R/o Link Road No. 2, Bhopal. (Transferor)
- (2) Shri Waman Shrinivas Pai, R/o Martand Chouk, H. No. 17, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 173 and single storeyed house constructed on it at Shrinagar Colony, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

plot and house Municipal No. 129/2 (South portion) at Mahatma Gandhi Marg, Indore situated at Indore,

(and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 9-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- Shri Gendalal S/o Motilal Porwal Jain Kahajan R/o Pandharinath Path, Indore.
 (Transferor)
- (2) Mrs. Komalkumari W/o Rameshkumar Jain Mrs. Jyoti W/o Subhashchandra Jain both R/o 5 Pandharinath path, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and House Municipal No. 128/2 (South portion) at Mahatma Gandhi Marg, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1975.

(1) Smt. Urmiladevi W/o Ganpatlalji Acharya, Madhava Nagar, Ujjein,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Triloksingh S/o Harnamsingh Sikh Jama Masjid, Ujjain. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. V. K. Sinha, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

plot and house Municipal No. 6 (one part) at Madhyanagar, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 18-11-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- interested in the (b) by any other person said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in Official Gazette. the

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house Municipal No. 6. 119.1 (one part) at Madhavanagar, Ujjain.

> V. K. SINHA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1975.

Shri Prakashchand S/o Ganpatilalji Verma R/o Nandlal-pura lano, Indore.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 10th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 17 Rajesh Nagar, Indore and house situated at

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the purposes of the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Smt. Manjushree W/o Amritrai through Mukhtiyar Shri Nanakram S/o Kaluramji, R/o 29 Palshikar Colony, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17 and single storeyed house constructed on it at at Rajesh Nagar, Indore.

> V. K. SINHA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Mrs. Tikadevi W/o Pradecp Singh R/o 77, Saket Nagar, Indore.

[Transferor]

(2) Shri Purushottam S. Nagar R/o Gwalior at present 186, Srinagar Colony, Indore.

[Transferee]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (here inafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 186, Srinagar Colony, Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore, on 22-11-74, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

36-176GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house at 186, Srinagar Colony, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

(2) Shri (1) Ajit Kumar S/o Shantilal (2) Kamla Bai W/o Shantilal both R/o 470, M.G. Road, Indore.

[Transferee]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 45-B at Jawara Compound Indore, situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore, on 21-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajendra Kumar S/o Bhanwarlalji Sethi, Manik Bhawan, Tuko Ganj, Indore.

[Transferor]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45-B at Jawara Compound, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75

Scal:

FORM ITNS----

(1) Mrs. Chandrakanta Bai W/o Ratanlalji Nema R/o
4, Radhanagar colony, Indore.

[Transferor]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 24, Bada Sarafa, Indore, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore, on 6-11-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Ramchandra S/o Hindji Joshi R/o 29, Chhipa Bakhal, Indore.

[Transferee]

(3) Shri Shyamlal Suresh Kumar Saraf, R/o 24, Bada Sarafa, Indore.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house at 24, Bada Sarafa, Indore.

V. K. SINHA
Competent, Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

 Mrs. Parvati Bai W/o Ramswaroopji Kacholiya R/o 1/9 Mahesh Nagar, Indore,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Lila Bai W/o Babulal Kasliwal & Smt. Kamla Bai W/o Kachrulalji Kasliwal both R/o Khate Gaon, Tehsil Khategaon, Distt. Dewas.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-

MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July, 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot and house No. 1/9, street No. 8, Mahesh Nagar, Indore, situated at Indore.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore, on 23-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot and house No. 1/9, Street, No. 8, Mahesh Nagar, Indore.

V. K. SINHA.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

(1) Dr. Yogendra Kumar S/o Mahabali Pd., Tiwari R/o 7, M.T.H. Compound, Maharani Road, Indore.

(2) Shri Satyanarayan S/o Harnarayanji Sarda R/o 3,

Tamboli-bakhal, main Road, Indore.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 148 and double storied house, Gandhi Park, Indore, situa-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 21-11-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ OT
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 148 and double storied house at Gandhi Park, Indore.

> V. K. SINHA, Competent, Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

Scal:

(2) Shri Devkinandan Vyas S/o Madanlalji Vyas Rivillage Vamorim Distt. Raisen (M.P.).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, V. K. Sinha.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4, Manorama Ganj, Indore, area 9680 sq. ft. situated at Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Indore, on 8-11-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Seth Indraraj S/o Bal Mukundji Kolhi R/o 7/3 Manorama Ganj Indore.

[Transferor]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4, Manorama Ganj, Indore Area 9680 sq. ft.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME_TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 8th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.--Whereas, I, V. K. Sinha,

being the competent authority under section

269D of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Steel Industry machinary and land at Indore, situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 19-11-74.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ishwar Steels, 339 Shivaji Nagar Indore (Registered Firm), through partners Shivaji & Omprakash sons of Bawan Rao; Radheshyam, Satyanarayan & Radhakrishna sons of Badrinarayan; Prakash S/o Basant Rao; Mahesh Kumar & Dileep Kumar sons of Balkishan; Rajkumar S/o Babulal; C/o M/s Ishwar Steels, 339 Shivaji Nagar, Indore.

[Transferor]

(2) Shri Shantilal S/o Ghewar Chandji R/o 18/4 Malhargani, Indore.

[Transferce]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Steel Industry (Rolling mill)—mill machinary, plant, rolling machine, main drive unit, electric motor, furnace oil tank and land of the mill etc.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 8-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 24th March 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/74-75.—Whereas, I, M. F. Munshi.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

two storeyed building, Mathura Building, Near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur situated at Jabalpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur, on 28-11-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Vasant S/o Tejumal Kripalani, 6/35, Shyam Niwas, Wardon Road. Bombay-26.

[Transferor]

(2) Shri Shree Gurusingh Sabha (Gurudwara) Sadar Bazar, Jabalpur (i) President:—Sardar Rajindersingh S/o Sardar Vajirsingh R/o 9/10 Lajpat Kuni, Behind Rajhans Hotel, Napier Town, Jabalpur (ii) Shri Kulwantsingh, R/o Govind Bhavan, Near Jackson Hotel, Civil Lines, Jabalpur.

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed building (Mathura Building) situated near Kali Temple, Near Gurudwara, Cantonment, Sadar Bazar, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 24-3-75.

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref No. F. 3240/74-75,--Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

136, 137 & 20, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO, Madras on November 1974

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

37-176GI/75

(1) Shri S. Krishnaswami Jyengar, 46, East Abiramapuram, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Kaliaperumal, 2. Shri M. Karthikesan and

3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshi-

No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the (b) by any immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the half share of land and building bearing Door Nos. 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

1/3rd undivided share in the half share of land and building bearing Door No. 20, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

> G. V. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75

(1) Shri K. Dwaraganath, No. 46, East Abiramapuram, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, 1, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO, Madras (Doc. No. 3681/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269C of the said Act to the following persons, namely:—

Shri M. Kaliperumal,
 Shri M. Karthikesan and
 Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,
 No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH.

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

(1) Shri K. Ashok,

No. 46, East Abiramapuram, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3682/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ Оľ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(2) 1. Shri M. Kaliperumal,

2. Shri M. Karthikesan and

3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,

No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

> G. V. JHABAKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, J, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Door No. 3683/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri S. Srinivasan,
 No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

- (2) 1. Shri M. Kaliperumal,
 - 2, Shri M. Karthikesan and
 - Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram.

No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH, Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 18-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO, Madras (Doc. No. 3684/74) in November 1974 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri S. Badhrinarayanan,
 No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

(2) 1. Shri M. Kaliperumal,2. Shri M. Karthikesan and

 Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,

No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 18-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO, Madras (Doc. No. 3685/74) in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject ef-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri S. Lakshminarayanan,
 No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

- (2) 1. Shri M. Kaliperumal,
 - 2. Shri M. Karthikesan and
 - 3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram,

No. 68, Madathu Street, Kumbakonam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

‡th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

Soal:

(1) Shri S. Sathyanarayanan, No. 14, Chandraba Colony, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 3240/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 20, 136 & 137, situated at T.S.R. Big Street, Kumbakonam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSRO, Madras (Doc. No. 3686/74) on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1 922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri M. Kaliaperumal,
 2. Shri M. Karthikesan and
 3. Vasu (Minor) by guardian Shri Meenakshisundram, No. 68, Madathu Street, Kumba-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4th share in the half share of land and buildings situated at Door Nos. 20, 136 and 137, T.S.R. Big Street, Kumbakonam.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 1445/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

78, situated at General Patters Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4139/74) on 29-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Chandra; Shri D. Thirumalai Reddiar, 118/2, Chit Road West, Shenoynagar, Madras-30. (Transferor)
- Shri M. Kaliaperumal, Vincetha Trust; 4 Vincetha Trust and 5. Mrs. Sicy Thimothy No. 62, Kerawalla Building, 14th Road, Khar Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1½ grounds situated at No. 78, General Patters Road, Madras-2. (R.S. No. 375/128).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 18th July 1975

Ref. No. 1467/74-75.--Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 77, situated at General Patters Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc. No. 4140/74) on 29-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wea!th-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

38-176GI/75

 Shri D. Thirumalai Reddy, 118/2 Chit Road, West Shenoynagar, Madras-30. (Transferor)

1. Sajeev Trust;
 2. Vinod Trust;
 3. Vinod, Sajeev & Vineetha Trust;
 4. Vineetha Trust & 5. Sicy Thimothy,
 No. 62, Kerawalla Building,
 14th Road, Khar, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 4 grounds & 1577 Sft. situated at No. 77, General Patters Road, Madras-2 (R.S. No. 375/127).

G. V. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 18-7-75.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2332/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. F. Nos. 169 & 157/B-3, situated at Marchanaicken-palayam, Pollachi Taluk (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering Officer at Anamalai (Doc. No. 1166/74) on 7-11-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Kumaraswami Gounder, S/o Shri Krishnaswami Gounder, Singanallur, Pollachi Taluk,

(Transferor)

(2 Shri K. M. Abdul Majid; Shri K. M. Abdul Ajecz; Shri K. M. Abdul Hahim; Shri K. M. Basheer; Shri Shajahan; and Shri M. Seerajudin; No. 15, Kalyanji Mill St., Pollachi.

(Transferce)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5.25 acres of land, buildings, godowns and machinery, etc. in Survey Nos. 169 and 157/B-3, Marchanaickenpalayam village, Pollachi Taluk.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA (2) Shri R. K. Shanmugam Chettiar: Shir N. Subramanian; Shri N. Palaniswami; Shri N. Karthikeyan Door Nos. 102 & 102/1, Chikkadasampalayam (Mettupalayam Town).
(Transfcree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2335/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

102 & 102/1, situated at Chikkadasampalayam (Mettupala-yam Town)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 4458/74) on 25-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri M. Rajagopal, M/s. United Theatres, Perianaickenpalayam, Coimbatore Taluk. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Door No. 102 & 102/1, Senthil Theatre at Chikkadasampalayam (Mettupalayam Town).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Hanumantha Rao. No. 3A/1 Sivasamy Iyer Street, Edward Elliots Road, Madvas-6.

(1) 1. Shri S. Narasimha Rao; 2. Shri Nagarajan; and

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, Punjai Duraiampalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3346) on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of 'any income or any moneys or other assets which, have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami, T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk, Coimbatore District

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48 acres and bearing S. F. Nos. 22-B 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraiampalayam Village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) 1. Shri S. Narasimha Rao, 2. Shri Nagarajan; and 3. Shri Hanumantha Rao. No. 3A/1 Sivasamy lyer Street, Edward Elliots Road, Madras-6.

(Transferor)

Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami, T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk, Coimbatore District.

(Transféree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, situated at Punjai

Duraiampalayam

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3347) on November, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48 acres and bearing S. F. Nos. 22-B, 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraiampalayam Village.

> G. V. JHABAKH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissione, of Income-Tax. Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. 2342/74.75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₅, 25,000/-and bearing No.

SF No. 22-B, 23-B, 53 & 54-A, situated at Punjai Durajampalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Gerbichettipalayam (Doc. No. 3348) on November 1974 for appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a greed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269°C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Shri S. Narasimha Rao;
 Shri Nagarajan; and
 Shri Hanumantha Rao.
 No. 3A/1 Sivasamy lyer Street,
 Edward Elliots Road, Madras-6.

(Transferor)

 Smt. Janaki, W/o Shri T. P. Palaniswami, T. N. Palayam, Vanipudur, Gobi Taluk, Coimbatore District

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.48 areas and bearing S. F. Nos. 22-B 23-B, 53 and 54-A, Punjai Duraiampalayam Village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

FORM ITNS ...

(1) Smt. P. Janaki,
W/o Shri Palanisami Gounder,
T. N. Palayam, Gobi Taluk, Coimbatore Dist.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F,2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. F. No. 224, situated at Alukuli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3250) on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property a aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri V. Kalianna Gounder,S/o Shri Vemanda Gounder,Alukuli Post, Gobi Taluk, Coimbatore Dist.(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3.14½ acres in Alukuli village and bearing S.F. No. 224.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.2342/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S.F. No. 224, situated at Alukuli village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 3251) on 20-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- Smt. P. Janaki,
 W/o Shri Palanisami Gounder,
 T. N. Palayam, Gobi Taluk, Coimbatore District.
 (Transferor)
- (2) Shri Eswaramurthy, S/o Shri V. Kalianna Gounder, Alukuli Post, Gobi Taluk, Coimbatore Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. F. No. 224 in Alukuli village (3.14] acres).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

 Shri Sundaram Iyengar, No. 70, Trunk Road, Chrompet, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri G. Rayar Padayachi, S/o Govindaswami Padayachi, Serakuppam village, Vadalur P.O., Cuddalore Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.3221/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey Nos. 22/2, 70 and 71, situated at Parvathipuram village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Kurinjipadi (Doc. No. 3116/74) on 26-11-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursurance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

39—176GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.38 acres of punja land in Parvathipuram village bearing Survey Nos. 22/2, 70 and 71.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Şçal ;

 Shri Sundaram Iyengar, No. 70, Trunk Road, Chrompet, Madras.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Thayanayagi Ammul, W/o Shri G. Jayaraman, Serakuppam village, Vadalur P.O., Cuddalore Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.3221/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/r and bearing No. Survey Nos. 22/2, 70 and 71, situated at Parvathipuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurinjipadi (Doc. No. 3117/74) on 26-11-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.38 acres of punja land in Parvathipuram village bearing Survey Nos. 22/2, 70 and 71.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVJ/13/1A/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

S. No. 333 situated at Muthunaikenpatty village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Omalur on November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Maragatham, Shri Chinnian & Shri Angannan, Muthunaikampatti village.

(Transferor)

(2) Shri Raju Gounder, Muthu Naicken Patty.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rrom the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sala immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres in Survey No. 333 situated at Muthunaikenpatty village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/13/1B/74-75.—Whereas I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. Nos, 333 & 329/6 situated at Muthunaikenpatty village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Omalur on November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) Smt Maragatham, Shri Chinnian & Shri Angannan, Muthunaikempatti.

(Transferor)

(2) Smt. Thangammal, W/o Raju Gounder, Muthunaickenpatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.75 acres in Survey Nos. 333 & 329/6 situated at Muthunaikenpatty village.

G. V. JHABAKH,
Computent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Jebaveeran (minor), S/o D. P. Samuel Nadar, Ammanpuram village, Kilapudukudi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XII/9/1/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing door

and bearing door

No. situated at Ammanpuram village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred as per deed registered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering Officer at Kurumbur on November 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Mohamed Samsuddin, (ii) Smt. Syed Hanima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt. K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt. Kader Kadiji Ummal, Kuthukal St. Kayalpattinam. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.44 acres in S. Nos. 357/2, 356, 355/1 357/1, 354/3, 354/3, 358/5 & 358 at Amman-puram village.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 10-7-1975.

(Transferor) Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

W/o Shri A. Maharaja Nadar Kilapudukudi, Ammanpuram Post,

(2) Smt. Pakkiathai Ammal,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F. XII/9/2/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing situated at Ammanpuram, Kilapudukudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kurumbur on November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Mòhamed Samsuddin, (ii) Smt Syed Hanima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt. K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt. Kader Kadiji Ummal, Kuthukal St., Kayalpattinam, Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.54 acres in S. Nos. 344, 347/2, 345/23 & 345/18 situated at Kilapudukudi, Ammanpuram Post.

G. V. JHABAKH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Seal:

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1,
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 10th July 1975

Ref No. F. XII/9/3/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. situated at Kilapudukudi, Ammanpuram Post (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kurumbur on November, 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (i) Shri Mohamed Samsuddin, (ii) Smt. Syed Harima, (iii) Shri K. M. S. Mohideen, (iv) Smt. K. M. S. Mohamed Ibrahim Nachi & (v) Smt. Kader Kadiya Ummal, Kuthukal St., Kayalpatti-

nam.

(Transferor)

(2) Shri Arumainayaga Nadar, Kilapudukudi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 2.65 acres in S. Nos. 344, 360/5, 354/1 & 345/6 situated at Kilapudukudi, Ammanpuram post.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Scal:

(1) Shri Ramasami, Kunjankadu, Kurumpatti.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Selvakumar, Thangayoor.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/5/5/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. R.S. 333/2 situated at Kurumpatti village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal in November 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlyighted.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural lands measuring 8.51 acres in R.S. No. 333/2 at Kurumpatti village, Namakkal.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD,

MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XVI/5/4/74-75.—Whereas I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. R.S. 333/2 situated at Kurumpatti Village, Namakkal (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Namakkal in November 1974

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
40:—176GI/75

 Shri Ramasami, Kunjankadu, Kurumpatti village, Sangagiri Taluk, Salem Dt.

(Transferor)

(2) Shri Molayan, Thengayoor village.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisitin of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share in agricultural land measuring 8.51 acres situated at Kurumpatti village, Namakkal (R.S. No. 333/2).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

(2) Shri Ashok Kumar, 25, 2nd Street, Balajinagar, Madras-14.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 15th July 1975

Ref. No. F.IX/7/95/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 6/23 situated at Harrington Avenue, off, Harrington

Road, Madras

(and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

West Madras in November 1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Smt. A. Sulochana Menon. 10, Club Road, Madras-31.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building measuring 7200 sq. ft. at door No. 6/23, Harrington Avenue, Madras [R.S. No. 353 (Part)].

> G. V. JHABAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 15-7-1975.

(Transferor)

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/9/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 11.13 acres situated at Kondanagaram/Karisalkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO II, Tirunelveli in December 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. M. A. Sheik Mearan Rowther, Mohamed Sheir Meeran Rowther, K. Salma Beevi & K. Rokayya Beevi, Pettai.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Abdul Kayoom Khan, Magdoom Gnaniyar Pallivasal 4th North St., Pettoi-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 11.13 acres in Survey Nos. 482, 477/1 & 477/2 and 1/4th undivided share in two wells situated in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram/Karisalkulam.

G. V. JHABAKH.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE JNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123 MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/10/74-75,—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing door No. 12.56 acres situated at Kondanagaram/Karisalkulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Tirunelveli in December 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. T. P. Rokayya Beevi & Shri T. P. Nabecsha Beevi, Md. Nainar Pallivasal Sannathi St., Pettai, Tirunel-veli-4.

(Transferor)

(2) Shri M. S. Gulam Mohamed Rowther, Mugdoom Gnaniyar Pallivasal 4th North St., Pettai, Firunciveli-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 12.56 acres in Survey Nos. 481, 476/1, 487/1, 488/1 & 476/2 and 1/4th undivided share in two wells situated in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6,

Date: 10-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 10th July 1975

Ref. No. F.XIX/1/11/74-75.—Whereas, I. G. V. Jhabakh, being the Competent Authority under Section under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 17 acres situated in S. Nos. 489/1, 478, 476/2 & 483 at Kondanagaram/Karisalkulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirunelveli in December 1974

at Sub-Registry, Bombay, on 17-10-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt T. P. Rokayya Beevi & Shri T. P. Nabeesha Beevi, Md. Nainar Pallivasal Sannathi East St., Pottai, Tirunelveli-4.

(Transferor)

(2) Shri N. S. Mohamed Ibrahim Rowther, Magdoom Gnaniyar Pallivasal 4th North St., Pettai, Tirunelveli-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 17 acres in Survey Nos. 489/1, 478, 476/2, 483 and 1/4th undivided share in two wells situated in S. Nos. 481 & 482 at Kondanagaram.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6.

Date: 10-7-1975.

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANCE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI

New Delhi, the 5th May 1975

Ref. No. 1AC/Acq.11/831/75-76/568.—Whereas, I, C. V. Gupte,

being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-15 (Western Portion) situated at Kirti Nagar, New Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 27-11-1974,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Darshan Kaur Bawa w/o Late Shri Dhyan Singh Bawa r/o B-15 Kirti Nagar, New Delhi for self and as Gencral Attorney of 9 persons. 1. Sh. Mohinder Singh Bawa 2. Shri Sukhbir Singh Bawa 3. Sh. Jaswant Singh Bawa s/o Late Shri Dhayan Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi 4. Smt. Tej Parkash Kaur Rekhi w/o Sh. Amrik Singh Rekhi r/o A-18, Jangpura Exten. New Delhi, 5. Smt. Tejinder Kaur Wadhwa w/o Joginder Singh Wadhwa of Wadhwa Sports, Ghaziabad, (UP). 6. Smt. Jaspinder Kaur w/o Sh. Devinder Singh Kakar of Gali No. 4 Paharganj, New Delhi 7. S. Gurdcep Singh Bawa s/o S. Dhayan Singh Bawa r/o B-15, Kirti Nagar, New Delhi 8. Mrs. Herminder Kaur w/o Sh. Surjeet Singh 230 Thistle Drive, Silver Spring, MD, USA 9, Dr. Ujagar Singh Bawa s/o L. S. Dhyan Singh Bawa r/o Shwenee Heights, Bloomsburg, PA 17815 USA.

(Transferor)

(2) Shri Ram Gulati s/o Shri Ladha Ram Gulati r/o H. No. 3642 Gali No. 13, Rehgarpura, K. Bagh New Delhi NOW B-15, Kirti Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Western portion on area measuring 160 sq. yds. of single storeyed property No. B-15, Kirti Nagar, New Delhi and bounded as under:—

North: Service Road.

South: Road East: Plot No. 16 West: Plot No. 14-A.

C. V. GUPTE,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date: 5th May, 1975

FORM ITNS----

(1) Smt. Vidyawati C. Deshmukh, Shri Prakash Chintamani Deshmukh, Mahal Nagpur-2. Tarar Patil Bada, Kothiroad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt, Laxmi bai Sethi W/o Hemraj Sethi, Thimmayyaward, Jagadalpur.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 4th July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, V. K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

I and and double storeyed building situated at Sheet No. 49, Nayapara Ward, Jagdalpur situated at Jagadalpur, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadalpur on 30-11-74

on 30-11-74
for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to lieve that the fair market value of the property as aforeuld exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which qught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing plot Nos. 35/59, 35/60, 35/61 and 36/62 area 10000 sq. ft. with double storeyed building built up area 7800 sq. ft, consisting of 29 rooms with all fittings, Sheet No. 49, Nayapara Ward, Jagadalpur.

V. K. SINHA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bhopal,

Date: 4-7-1975